भारतीय संगीत ग्रंथावलि

# संगीत-प्रवेश

## प्रथम भाग

गीतं वाद्यं च नृत्यं च त्रयं संगीतमुच्यते ।

संगीत–रत्नाकर

पं. भीमराव शास्त्री

काव्यतीर्थ, सांख्यतीर्थ ( कलकत्ता युनिव्हर्सिटी )

भूतपूर्व प्रधानाध्यक्ष ( संगीत विभाग ), विश्वभारती, शांतिनिकेतन

कर्नाटक पब्लिशिंग हाउस, मुंबई २

# कविवर्य रवींद्रनाथ टागोर

— इन्होंका आशीर्वाद —

I have much pleasure in certifying that Pandit Bhimrao Shastri has been with us for many years in the music department of Visvabharati where he distinguished himself by his mastery of Hindusthani style of music and his diligent study of the theory of Indian music from the old Sanskrit books.

I wish him a successful career and hope that he will find adequate scope for his gifts in research work in the classical music of India.

Rabindranath Tagore

21st December
1928

# भूमिका

इस विशाल संसारमें पशुओंसे लेकर श्रेष्ठ मुनीतक सबको परमप्रिय एक ही विषय है—वह संगीत है। संगीतका अर्थ सामान्यतया गीत किया जाता है; लेकिन शास्त्रमें "गीतं वाद्य च नृत्यं च त्रयं संगीतमुच्यते" ( गाना, बजाना, और नाचना, इन तीनोंको संगीत कहते है )। इसीसे संगीतका अर्थ स्पष्ट होता है। मूतकालमें इसको राजाश्रय था। लेकिन इस कालमें संगीत लोकाश्रयी हो गया है। हरएक विषय शास्त्रसुसंबद्ध होनेसे उसकी उन्नति होती है। इस परमप्रिय संगीतके उन्नतिके वास्ते कै. गुरुवर्य भातखंडे और पंडित विष्णु दिगंबरजीने जो परिश्रम किया है उसके लिये उनको धन्यवाद देना चाहिये।

बीसवीं शताब्दीमे ज्ञानसाधन इतने सुलभ हो गये हैं कि, एक देशमें तयार किया हुवा शास्त्र दुसरे देशके लोग आसानीसे हस्तगत कर सकते हैं। हमारे भारतवर्षके सभी शास्त्र जैसे अत्युन्नत हैं वैसे संगीतशास्त्र भी परमोच्च श्रेणीका है। इसका लाभ जगत् उठावे ऐसी मेरी परम भावना है। इसका प्रचार यदि भाषापद्योंसे किया जाय तो प्रांतीय भेदोंसे तथा विभिन्न भाषाओंका भेद होनेसे मुश्किल होगा। इस लिये मैंने गान पद्योंको छोडकर उसके मूलभूत स्वरोंका अवलंबन किया है। यद्यपि भाषाभेदसे पद्य भिन्न होंगे लेकिन उसके मूलभूत स्वरोंकी रचना ( थाट ) एक होनेसे यह मुश्किल सहज दूर हो सकती है। मेरे इस अल्प कृतिका जगत् लाभ उठावे, और संगीतके द्वारा विश्व परस्पर-प्रेमी होवे ऐसी मेरी परमोच्च भावना है। ईश्वर सबकी इच्छा पूर्ण करे।

प्रिय पाठकगण! "यत्करोषि, यदश्नासि, यज्जुहोषि ददासि यत्। यत् तपस्यसि कौंतेय तत्कुरुष्व मदर्पणम् ॥"

यह श्रीमद्भगवद्गीतावचनको प्रमाण मानता हुवा इस अल्प कृतिको विश्वरूप जनताजनार्दनको अर्पण करता हू। इति शुभम्।

अन्तमें मैं फेलोशिप स्कूलके भूतपूर्व प्रिन्सिपाल श्री. एस्. यु. शुक्ल, श्री. रमणीक भाई सुखडिया, और मेरे अन्य सहाध्यापकोंको हार्दिक धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस पुस्तकके बनानेमें मुझे हर तरहकी मदद दी है। कर्नाटक प्रेसके मालिक श्री. एम्. एन्. कुल्कर्णीने इस पुस्तकको प्रकाशित करके मुझे अनुग्रहीत किया है। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं।

संगीत सेवक,

**पं. भीमराव शास्त्री**

ॐ

# उपोद्‌घात

## संगीत

गीतं वाद्यं च नृत्यं च त्रयं संगीतमुच्यते ।

संगीत-रत्नाकर

अर्थ—गीत, वाद्य और नृत्य इन तीनोंके समुदायको संगीत कहते हैं। केवल जो गाया जाता है, उसको गीत कहा जाता है। जैसे—काव्यगायन।

## प्रणाली (संप्रदाय)

भारतवर्षमें संगीतकी दो प्रणालिया हैं। एक दक्षिणभारतीय, और दुसरी उत्तरभारतीय। दक्षिणभारतीय प्रणालीको कर्नाटकी पद्धति कहते हैं। और उत्तरभारतीय प्रणालीको हिंदुस्थानी संगीत पद्धति कहते हैं।

## नाद

अखिलस्याऽस्य शास्त्रस्य नादो हि जीवितोपमः।

संगीत-रत्नाकर

अर्थ—नाद संगीतका प्राण है। नादके दो प्रकार हैं। एक व्यक्त और दुसरा अव्यक्त। अव्यक्तनादकी संगीतमें आवश्यकता नहीं। इसलिये यहां व्यक्तनादकी चर्चा करना चाहिये।

व्यक्तनादके दो प्रकार हैं। एक अनुरणन सहित, और दुसरा अनुरणन रहित। अनुरणन सहित जैसा-घण्टनाद, अनुरणन रहित जैसा पत्थरका।

## स्वर

स्वरंति शब्दायंते इति स्वराः।

संगीत-रत्नाकर

अर्थ—अनुरणन सहित नादके स्पष्ट स्वरूपको स्वर कहते हैं।

## स्वरके दो प्रकार

प्रकृत और विकृत, प्रकृत याने शुद्ध। जैसे षड्‌ज और पंचम। विकृत याने कोमल अथवा तीव्र। यथा (रे) और (मं)

## श्रुतिः

**सा श्रुतिः संपरिज्ञेया स्वरावयवलक्षणा।**

संगीत-रत्नाकर

**अर्थ**—संगीतरत्नाकरादि प्राचीन ग्रंथोंमें संगीताचार्योंने स्वरोंके सूक्ष्म अवयवभूत श्रुतियोंको ही महत्त्व दिया है।

अबतक दक्षिणभारतीय प्रणालीमें श्रुतियोंको ही प्राधान्य दिया जाता है। वहा छोटे २ बच्चोंको भी श्रुतिका ज्ञान हैं। इस तरह का ज्ञान उत्तरहिंदुस्थानमें नहीं हैं। इसका कारण संस्कृतका अज्ञान। उत्तरभारतमें भी २२ श्रुतियोंके १२ विभाग करके ७ शुद्ध और ५ कोमल स्वर निश्चित किये हैं।

**जैसे—सा ( षड्ज ) रे ( ऋषभ ) ग ( गंधार ) म ( मध्यम ) प ( पंचम ) ध ( धैवत ) नि ( निषाद )**

## सप्तक

एकसे ऊंचा एक ऐसे सात स्वरोंको सप्तक कहते हैं। स्वरकी श्रेणीमें तीन विभाग हैं, नीचा, मध्यम, और ऊंचा। इन तीनोंको संगीतशास्त्रमें मंद्र, मध्य, और तार, ऐसा व्यवहार किया है। और इनको भाषामें उदारा, मुदारा, और तारा कहते हैं।

प्रचलित बातोंमें मध्यसप्तकका व्यवहार होता है। विशेष बातोंमें तारसप्तकका व्यवहार, और करुणशोकादिकोंमें मंद्रसप्तकका व्यवहार होता है।

## राग

**रंजकस्वरसंदर्भो राग इत्यभिधीयते।**

संगीत रत्नाकर

**अर्थ**—मनोरंजक स्वरसमूहको राग कहते हैं। रागके मुख्य अंग चार हैं। स्थायी, आरोही, अवरोही, आभोग। इनको हिंदी भाषामें अस्ताइ, अंतरा, संचारी, आभोग कहते हैं। ध्रुपदोंमें यह प्रकार स्पष्ट रूपसे देखा जाता है। और ख्यालमें अस्ताई और अंतरा यही दो अंग रखे हैं।

## उत्तम संगीत

कवि अपने भावोंको काव्यद्वारा व्यक्त करते हैं, इसी तरह गायक अपने भावोंको स्वरद्वारा व्यक्त करते हैं। चित्रकार अपने भावोंको भिन्न भिन्न रंगोंके द्वारा व्यक्त करते हैं।

प्राचीनकालमें कवित्व और संगीत एकही व्यक्तीमें था। आजकल कवित्व और संगीत जुदी २ व्यक्तिमें रहनेसे दोनोंही अपूर्ण रह गये। तानसेनके जमाने तक नये २ रागोंकी रचना होती थी। रागमें वैचित्र्य भी था। इनके बाद रागोंके रूप मर्यादित हो गये। केवल प्रचलित रागोंमेंही गायक गाने लगे; क्यों कि, रागसृष्टिमें उनकी दखल (प्रभुत्व) न रही, और एकके हातमें साहित्य और दुसरेके हातमें स्वर ऐसे पृथकत्व आनेसे हमारा संगीत नष्ट हो गया। आजकल ऐसी एकही व्यक्ति है, जिनमें गीत, वाद्य और नृत्य मूर्तिमंत दिखलाई देता है, वे कविसम्राट् पूजनीय रवीन्द्रनाथ टागोर हैं।

### जाति (विभाजक धर्म)

ओडव, षाडव और संपूर्ण इन तीन रूपसे रागके विभाग संगीत-शास्त्रमें रखे गये हैं। जिस रागमें ५ स्वर लगते हैं उनसे ओडव कहते हैं। जैसे भूपाली। जिस रागमें ६ स्वर लगते हैं उसे षाडव कहते हैं। जैसे-बिहाग। जिस रागमें आरोह अवरोहमें ७ स्वर लगते हैं उसे संपूर्ण कहते हैं। जैसे बिलावल (वेलावती)।

### थाट (मेल)

**मेलः स्वरसमूहः स्यात् रागव्यंजकशक्तिमान्।**

संगीत-रत्नाकर

अर्थ—मेलको हिंदी भाषामे थाट कहते हैं। जिन स्वरोमे रागरूपको प्रकाशित करनेकी शक्ति होगी उनको मेलके राग कहना चाहिये। अतएव थाटके रागमें ७ स्वरकी जरूरत है। क्योंकि नयी २ रागरचनाओमे कोई २ स्वर

छोडना चाहिये और कोई २ रखना चाहिये। अब भूपाली, बिहाग आदि रागोंको यदि थाटका राग कहा जाय तो भूपालीरागमें पाच स्वर हैं। उसमें २ स्वर यदि वर्ज्य करें तो तीन स्वरमें क्या वैचित्र्य होगा? वैचित्र्यही संगीतका प्राण है। और इसलिये थाटमें संपूर्ण स्वरसंख्याकी आवश्यकता है।

## भाव

भाषामें जैसे क, ख, ग, घ, इन वर्णानुपूर्वीका कुछ अर्थ नहीं, इसी तरह संगीतमें भी "सा, रे, ग, म, इन स्वरानुपूर्वीसे कोई भी राग व्यक्त नहीं होता है। किंतु उसमें वाक्यरचना करे तो अर्थबोध होता है। जैसे क, ख इसका कुछ अर्थ नहीं, लेकिन करिये, बजाइये, इस वाक्यसे जैसे अर्थबोध होता है, इसी तरह सा रे ग, इन स्वरोंसे कुछ अर्थबोध नहीं किंतु नी रेग पर्म ग, यह स्वररचनासे यमनकल्याण रागका बोध होता है। इसीमें भावके साथ जो स्वररचना है उसको संगीतमें प्राधान्य है। उसी भावयुक्त स्वररचनाको तालके साथ गानेसे उनको अलंकार कहते हैं।

विशिष्टवर्णसंदर्भमलंकार प्रचक्षते।

संगीत–रत्नाकर

तालकेसिवाय जो स्वररचना, उसको शास्त्रमें आलाप कहते हैं और तालके साथ स्वर रचनाको अलंकार कहते हैं।

## रागोंका ज्ञान

रागज्ञानमें वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, इनका ज्ञान आवश्यक है। जिसके नहीं रहनेसे रागका रूप व्यक्त नहीं होता है। वह स्वर उस रागमें वादी और जिसका सबंध वादीके साथ निकट रहता है उसको संवादी कहते हैं। वादी संवादीको सहायता करनेवाला जो स्वर उसको अनुवादी कहते हैं। जैसे यमनमें ग वादी है, नी संवादी, और प अनुवादी है।

## विवादी

जो स्वर लगानेसे रागका रूप नष्ट होता है वह विवादी। जैसे मालकसमें रे, यह स्वर लगानेसे रागका रूप नष्ट होता है। कोई २ संगीतप्रवीण विवादी

स्वरका इसी तरह व्यवहार करते हैं कि, जिससे रागकी हानी बिलकुल नहीं होकर उसका वैचित्र्य बढता है।

## आरोह

जिस स्वरके क्रममें एकसे एक उंचा स्वर लिया जाता है उसको आरोह कहते हैं।

## अवरोह

जिस स्वरके क्रममें एकसे एक नीचा स्वर लिया जाता है, उसको अवरोह कहते हैं।

## मात्रा

कालके विभागको मात्रा कहते हैं। एक स्वर अथवा पांच व्यंजन कहनेमें जितना समय लगता है वह समय एक मात्राका समझना।

## लय

गानेकी गतिको लय कहते हैं। इसके तीन प्रकार हैं। द्रुत, मध्य, विलंबित। साधारण बातोंमें मध्यलयका व्यवहार होता है। जल्दी बातोंमें द्रुतलयका व्यवहार होता है और धीरे २ बातोंमें विलंबितलयका व्यवहार होता है; जैसे भाषामें इसी तरह संगीतमें भी तीनों लयका व्यवहार होता है। इन तीनों लयका रसके साथ गाढ संबंध है; जैसे—शृंगारमें मध्यलय, वीरमें द्रुतलय, और करुणमें विलंबितलय.

## ताल

### तालः कालक्रियामानं।

—अमरकोशः।

हरएक रागमें ताल और लयकी अत्यावश्यकता है। तालके सिवाय गीतका भाव संपूर्णतासे प्रकट नहीं होता। गीतके भावके अनुकूल ऐसा जो मात्राका विभाग, उसको ताल कहते हैं। ताल अनंत हैं, राग भी अनंत हैं; परंतु आजकल प्रचलित संगीतमें ७ तालका प्रयोग चलित है।

ध्रुवो मठयो रूपकश्च झंपा त्रिपुटमेव च ।
अठतालैकतालौ च सप्त तालाः प्रकीर्तिताः ॥ १ ॥

| ताल | | प्रचारमें नाम | | मात्रा |
|---|---|---|---|---|
| १ ध्रुवताल | .... | आडाचौताल | .... | १४ |
| २ मठ्य | .... | सुरफाक | ... | १० |
| ३ रूपक | .... | दादरा | .... | ६ |
| ४ झंपा | ... | झपताल | .... | १० |
| ५ त्रिपुट | .... | तेवरा | .... | ७ |
| ६ अठताल | .... | दीपचंदी | .... | १४ |
| ७ एकताल | . | धुमाळी—केरवा | .... | ४ |

## स्वरलिपि ( Notation )

स्वरलिपि याने स्वरकी भाषा । स्वर सात हैं। सा, रे, ग म प ध नी। उनमें सा और प विकृत याने कोमल नहीं हैं, बाकी रे, ग ध नी पाच स्वर कोमल होने हैं ।

म — शुद्ध याने कोमल समझना । और इसका विकृतरूप तीव्र मध्यम समझना । इसको भाषामें कडी मध्यम कहते हैं ।

—— स्वरके नीचे यह चिन्ह कोमल स्वरका है। जैसे —रे ग ध नी इत्यादि।

| स्वर के ऊपर यह चिन्ह तीव्र स्वरका है। जैसे मं यह तीव्र मध्यम ( कडी मध्यम ) का है ।

. यह चिन्ह स्वरसप्तकका है। स्वरके नीचेका यह चिन्ह मन्द्र सप्तकका है। जैसे नि़ ध़ प़ म़ ये स्वर मन्द्र सप्तकके हैं ।

स्वरके माथेपरका ˙ चिन्ह तार स्वरको दिखाना है । यह चिन्ह जिस स्वरमें नहीं वह स्वर मध्य सप्तकका समझना ।

‿ यह चिन्ह अर्धमात्राका है। जैसे सारे गम पध

, यह चिन्ह दो मात्रा याने विरामको दिखाता है।

स्वरके माथेमें दुसरा छोटा स्वर होगा तो जो मुख्य स्वर है, उसके पहिले छोटे स्वरको ले करके पीछे मुख्य स्वरको लेना। जैसे– ग<br>(रे) प<br>(म) इत्यादि।

१ हर एक गानेकी अंतरेकी प्रथम पंक्तिकी आवृत्ति करना चाहिये।

२ राग गानेका जो समय दिया है, वह राग शुरू होनेका समय समझना। क्योंकि एक राग, जैसे दरबारी कानडा यह एक घंटाभर गाया जाता है, और हमीर आधे घंटेका है, इसलिये बडे २ रागको शुरू समय दिया है।

## ताललिपि याने तालकी भाषा

+ यह चिन्ह समको दिखता है।

० यह चिन्ह खालीको दिखाता है।

२ यह अंक तालको दिखाते हैं।

३ ,, ,, ,, ,, ,,

१ सम जहां आवेगी वहां एक अंकके बदले समका × यह चिन्ह रहेगा। ठेकेके बोलमें जितने अक्षर होंगे, उतनी वह तालकी मात्रा समझना।

**धागि, तृक, कत्** वगैरह अक्षरमें १ मात्रा समझना। ऽ यह एक मात्राका चिन्ह समझना। यह चिन्ह गानेका साहित्यकी मात्रामें है।

---

# इस पुस्तकमें आये हुये तालोंके ठेके।

(आदिताउ) **त्रिताल** मात्रा १६

ना धिं धिं ना | ना धिं धिं ना
× | २

ना तिं तिं ना | ना धिं धिं ना ॥
० | ३

(रूपक) **दादरा** मात्रा ६

धिं धिं ना ना तू ना
× २ ०

**खेमटा** मात्रा ३

धी ग ना | धा तू ना
× | ०

(त्रिपुट) **तेवरा** मात्रा ७

धा तृक धिं | धागी तृक तू ना
× | २ ३

झपताल (झपा) मात्रा १०

धिं ना | धिं धिं ना | क त्ता | धिं धिं ना
× | २ | ० | ३

**चौताल** मात्रा १२

| धा धा | धिं ता | तिट धा | धि ता | तिटिकत | गदिगन |
|---|---|---|---|---|---|
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

**एकताल** मात्रा १२

| धिं धिं | धागि तृक | तू ना | क त्ता | धिं तृक | धिं ना |
|---|---|---|---|---|---|
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

**सुरफाक** ( मठताल ) मात्रा १०

| धीं तृक | धिं ना | धिं तृक | धिं ना | तिं ना |
|---|---|---|---|---|
| × | ० | २ | ३ | ० |

( अठताल ) **दीपचंदी** मात्रा १४

| धा धिं ऽ | धा धा धिं ऽ | ता तिं ऽ | धा धा धिं ऽ |
|---|---|---|---|
| × | २ | ० | ३ |

**आडाचौताल** ( घुमताल ) मात्रा १४

| धिं धिं | धागि तृक | तू ना | क त्ता | धिं धिं | ना धिं | धिं ना |
|---|---|---|---|---|---|---|
| × | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० |

**धुमाळी** मात्रा ८

| धिं धिं | ना धिं | न क् धिं | नागि तृक |
|---|---|---|---|
| + | २ | ० | ३ |

**केरवा** मात्रा ४

| नागि कि नक धिं | नागि तिट नक धिं |
|---|---|
| + | ० |

---

## अनुक्रमणिका

इस पुस्तकमे आये हुवे रागोंका क्रमसे विभाग —

### वर्ग पहेला



### वर्ग दुसरा



### वर्ग तिसरा

### वर्ग चौथा



### वर्ग पांचवा



### वर्ग छहा



——:o:——

## ॥ शुद्धिपत्रक ॥

| पृष्ठ | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|
| १३ | १७ | ग | ४<br>ग |
| १८ | १२ | से | त्से |
| १९ | ७ | उदेना | उदेन्ना |
| २० | ७ | द्र द्र | दर |
| २२ | ७।८ | पर्म गरे....पध्र | छोड देना |
| | | रें | १ रें |
| २४ | १९ | नि | नि |
| २५ | ४ | धृ }<br>ऽ } | } धृ<br>} रें |
| ३० | ७ | रें — मं \| सां }<br>ता ऽ र \| दा } | } रें — मं \| सां<br>} त औ र \| दं |
| ” | १६ | आदर | आदर दर दर |
| ” | १८ | तों तों | तों तों तों |
| ” | १८ | तनन | तननन |
| ३२ | २ | हर | हरि |
| ” | ३ | थररर | थरररर |
| ३७ | ६ | तदारे० | तदरे० |
| ३८ | १४ | ग ग | म ग |
| ३८ | १५ | गमपम....गंगरें | नींसा<br>गम गम पप नीसां गंमं गंगं<br>रेंरें सां. |

| पृष्ठ | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्ध |
|---|---|---|---|
| ४२ | १५।१६ | रे सा \| <br> ऽ न \| | रे सा \| — — — <br> ऽ न \| ऽ ऽ ऽ |
| ४७ | ६ | ग॒ रे॒ सा | { ग॒ रे॒ सा <br> { ऽ ऽ ऽ |
| ४८ | १३।१४ | ग म \| रे ग॒ रे <br> ऽ ऽ \| ई ऽ ऽ | { ग म <br> { ऽ ई |
| ४९ | ९ | म | मं |
| ५१ | १० | सा | सा |
| ५९ | १४ | नी॒ | नी |
| ६० | १२ | मप | मंध॒ |
| ७१ | १६ | सा | सा |
| ७३ | ६ | नीऱ | नी॒ऱ |
| ७३ | ८ | ग | ग |
| ७२ | १ | रे | रें |
| ८१ | १ | नी | नी॒ |
| ८२ | ७ | नी॒ | नी |
| ९४ | १४ | सा | सा |
| ९७ | ९ | प } <br> ऽ } | प } <br> धे } |
| १०८ | १० | सा | सा |
| ११४ | ५ | रें | रें॒ |
| १४३ | १३ | माहे | मोहे |
| १५४ | ७ | उनदीके | उनहीके |

---

# पाठ १

## स्वरसाधनप्रणाली

१ आ० सा, रे, ग, म, प, ध, नी, सां, ।
अ० सां, नी, ध, प, म, ग, रे, सा ॥ १ ॥

२ ,, सासा, रेरे, गग, मम, पप, धध, नीनी, सांसां ।
सांसां, निनि, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा, ॥ २ ॥

३ सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनिसां ।
सांनिध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, ॥ ३ ॥

४ सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनी, पधनीसां ।
सांनिधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा, ॥ ४ ॥

५ सारेगमप, रेगमपध, गमपधनी, मपधनीसां ।
सांनिधपम, नीधपमग, धपमगरे, पमगरेसा, ॥ ५ ॥

६ सारेगमपध, रेगमपधनी, गमपधनीसां ॥ ६ ॥
सांनिधपमग, नीधपमगरे, धपमगरेसा ॥ ६ ॥

७ ,, सारेगमपधनी, रेगमपधनीसां ।
सांनिधपमगरे, नीधपमगरेसा ॥ ७ ॥

८ | सा ग | रे म | ग प | म ध | प नी | ध सां
| सां ध | नी प | ध म | प ग | म रे | ग सा

९ ,, | सा म | रे प | ग ध | प नी | ध सां
| सां प | नी म | ध ग | प रे | ग सा

१०

सारेसा
सारेगरेसा
सारेगमगरेसा
सारेगमपमगरेसा
सारेगमपधपमगरेसा
सारेगमपधनीधपमगरेसा
सारेगमपधनीसां
सांनिसां
सांनिधनीसां
सांनिधपधनीसां
सांनिधपमपधनीसां
सांनिधपमगमपधनीसां
सांनिधपमगरेगमपधनीसां
सांनिधपमगरेसा
सारेगमपधनीसां
सांनिधपमगरेसा ॥ १० ॥

---

# पाठ २

## अलंकार

### त्रिताल—मात्रा १६

| सा रे ग – | रे ग म – | ग म प – | म प ध – |
|---|---|---|---|
| × | २ | ० | ३ |
| प ध नी – | ध नी सां – | सां नि ध – | नी ध प – |
| ध प म – | प म ग – | म ग रे – | ग रे सा – |

### रूपक (दादरा)—मात्रा ३

| सा रे ग | रे ग म | ग म प | म प ध | प ध नी | ध नी सां |
|---|---|---|---|---|---|
| × | ० | × | ० | × | ० |
| सां नि ध | नी ध प | ध प म | प म ग | म ग रे | ग रे सा |

### त्रिपुट (तेवरा)—मात्रा ७

| सा रे ग | सा रे | ग म | रे ग म | रे ग | म प |
|---|---|---|---|---|---|
| × | २ | ३ | × | २ | ३ |
| ग म प | ग म | प ध | म प ध | म प | ध नी |
| प ध नी | प ध | नी सां | | | |
| सां नि ध | सां नि | ध प | नी ध प | नी ध | प म |
| × | २ | ३ | × | २ | ३ |
| ध प म | ध प | म ग | प म ग | प म | ग रे |
| म ग रे | म ग | रे सा | | | |

### मठताल (सुरफाक)—मात्रा १०

| सा रे | ग रे | सा रे | सा रे | ग म |
|---|---|---|---|---|
| × | ० | २ | ३ | ० |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रे | ग | म | ग | रे | ग | रे | ग | म | प |
| ग | म | प | म | ग | म | ग | म | प | ध |
| म | प | ध | प | म | प | म | प | ध | नी |
| प | ध | नी | ध | प | ध | प | ध | नी | सां |
| सां | नि | ध | नी | सां | नि | सां | नि | ध | प |
| × | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
| नी | ध | प | ध | नी | ध | नी | ध | प | म |
| ध | प | म | प | ध | प | ध | प | म | ग |
| प | म | ग | म | प | म | प | म | ग | रे |
| म | ग | रे | ग | म | ग | म | ग | रे | सा |

ध्रुवताल-( आडा चौताल ).

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| आ० | सा | रे | ग | म | ग | रे | सा | रे | ग | रे | सा | रे | ग | म |
| | रे | ग | म | प | म | ग | रे | ग | म | ग | रे | ग | म | प |
| | ग | म | प | ध | प | म | ग | म | प | म | ग | म | प | ध |
| | म | प | ध | नी | ध | प | म | प | ध | प | म | प | ध | नी |
| | प | ध | नी | सां | नी | ध | प | ध | नी | ध | प | ध | नी | सां |
| | × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| अ० | सां | नि | ध | प | ध | नी | सां | नि | ध | नी | सां | नि | ध | प |
| | नी | ध | प | म | प | ध | नी | ध | प | ध | नी | ध | प | म |
| | ध | प | म | ग | म | प | ध | प | म | प | ध | प | म | ग |
| | प | म | ग | रे | ग | म | प | म | ग | म | प | म | ग | रे |
| | म | ग | रे | सा | रे | ग | म | ग | रे | ग | म | ग | रे | सा |

### झंपा ( झपताल )—मात्रा १०

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा रे | सा रे ग | रे ग | रे ग म |
| × | २ | ० | ३ |
| ग म | ग म प | म प | म प ध |
| प ध | प ध नी | ध नी | ध नी सां |
| सां नि | सां नि ध | नी ध | नी ध प |
| ध प | ध प म | प म | प म ग |
| म ग | म ग रे | ग रे | ग रे सा |

### चौताल—मात्रा १२

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सा ग | रे म | ग प | म ध | प नी | ध सां |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| सां ध | नी प | ध म | प ग | म रे | ग सा |

### दीपचंदी मात्रा १४

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा रे – | ग – सा – | रे ग – | म – म – |
| × | २ | ० | ३ |
| रे ग – | म – रे – | ग म – | प – प – |
| ग म – | प – ग – | म प – | ध – ध – |
| × | २ | ० | ३ |
| म प – | ध – म – | प ध – | नी – नी – |
| प ध – | नी – प – | ध नी – | सां – सां – |
| सां नि – | ध – सां – | नी ध – | प – प – |
| नी ध – | प – नी – | ध प – | म – म – |
| ध प – | म – ध – | प म – | ग – ग – |
| प म – | ग – प – | म ग – | रे – रे – |
| म ग – | रे – म – | ग रे – | सा – सा – |

### धुमाळी—मात्रा ८

सा रे | ग म | प ध | नी सां
× ३ ० ३

सां नी | ध प | म ग | रे सा

### एकताल—( आदिताल )

सा रे ग म | रे ग म प | ग म प ध | म प ध नी | प ध नी सां
× ० × ० ×

सां नि ध प | नी ध प म | ध प म ग | प म ग रे | म ग रे सा
० × ० × ०

### कहरवा—मात्रा ४ द्रुतलय

सा रे ग म प ध नी सां | सां नि ध प म ग रे सा
× ०

सा रे – ग सा रे ग म | रे ग – म रे ग म प
× ० × ०

ग म – प ग म प ध | म प – ध म प ध नी

प ध – नी प ध नी सां | सां नि – ध सां नि ध प
× ०

नी ध – प | नी ध प म | ध प – म ध प म ग
× ० × ०

प म – ग | प म ग रे म ग – रे म ग रे सा
× ० × ०

# रागोंका सूचीपत्र

## प्रभातके राग

| भैरव | भैरवी | देसकार | दुर्गा |
|---|---|---|---|
| तोडी | असावरी | जौनपुरी | विलावल |
| | मारंग | मेघमल्हार | |

## दुपहरके राग

| गौडसारंग | भीमपलास | सिंदुरा | धानी |
|---|---|---|---|
| | मुलतानी | जयजयवंती | |

## सांजके राग

| पुरवी | मारवा | मांड | झिंझोटी |
|---|---|---|---|
| गारा | काफी | पिलु | श्रीराग |

## पूर्व रातके राग

| यमनकल्याण | भूपाली | खमाज | सोरट |
|---|---|---|---|
| गौडमल्हार | देस | पूरिया | केदार |
| हमीर | हिंडोल | कामोद | छायानट |
| विहाग | शंकरा | तिलंग | तिलककामोद |
| कानडा | अडाना | वहार | मियामल्हार |
| | वागेश्री | | |

## उत्तर रातके राग

| | | | |
|---|---|---|---|
| मालकंस | परज | वसंत | सोहिनी |
| ललित | जोगिया | कालंगडा | रामकली |

# प्रभातके राग

भैरव [समय सवेर ६ बजे]

सा रे॒ ग म, प ध॒, नी सां। वादी ध॒

सां नि ध॒, प म ग रे॒, सा संवादी रे॒

ख्याल त्रिताल मध्यलय

स्थायी

तुम जागो मोहन प्यारे, सावलि सुरत मोरे
मनमे भाये सुंदर लाल हमारे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

प्रात समय उठी भानु उदयभयो
ग्वाल बाल सब भूपति ठाडे-
तेहारे दरसके भूके प्यासे
उठि उठि नंद किशोरे ॥ १ ॥

---

स्थायी

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| ग म ध॒ – | प – ध॒ म | मप धम प – | म – म ग (मग तुम) |
| जा ऽ गो ऽ | मो ऽ ह न | प्या ऽऽ ऽ ऽ | रे ऽ तु म |
| रे॒ ग म म | ग रे॒ ग म | ग रे॒ ग – | रे॒ – सा – |
| सा व री सु | र त मो रे | म न मे ऽ | भा ऽ ये ऽ |
| सा रे॒ ग म | प ध॒ नी ध॒ | नी सां – नि॒ | ध॒ प म ग |
| सुं ऽ द र | ला ऽ ल ह | मा ऽ ऽ ऽ | रे ऽ तु म |

---

अंतरा

| म॑ – प प | ध॒ ध॒ ध॒ ध॒ | ध॒ – नी॒ नी | सां सां सां सां |
|---|---|---|---|
| प्रा ऽ त स | म य उ ठी | भा ऽ नु उ | द य भ यो |
| ध॒ – ध॒ नी | सां सां सां सां | रें॒ – सां सां | ध॒ – प – |
| ग्वा ऽ ल बा | ऽ ल स ब | भू ऽ प ति | ठा ऽ डे ऽ |
| प नी॒ ध॒ ध॒ | प म प – | ग – म – | रे॒ – सा – |
| ते हा रे द् | र स के ऽ | भू ऽ खे ऽ | प्या ऽ से – |
| सा रे॒ ग म | प ध॒ नी॒ ध॒ | नी सां नी ध॒ | प – म ग |
| उ ठी उ ठी | नं ऽ द कि | शो ऽ ऽ ऽ | रे ऽ तु म |

---

भैरव

स्थायी लक्षणगीत तालमाला

सां– | सां– | सां नि | नि नि | ध॒– | नी नी॒ | सा रे॒ | ग ग | रे॒ रे॒ | सा–

ध॒ ध॒ | प म | ध॒ प | म ग | ग रे॒ | रे॒ सा | ग म | प ध॒ | – प | म ग

म प | ध॒ – | – नी | सां – | सां – | सां नि | ध॒ – | नी ध॒ | – नी | सां –

सां नि | ध॒ प | म नी॒ | ध॒ प | म ध॒ | प म | प म | ग ग | रे॒ रे॒ | सा–

---

अंतरा

+ ° २ ३ ° + ° २ ३ °
ग म|प ध|– प|म ग|म प|ध –|– नी|सां –|सां –|सां नि

ध |नी ध|– नी|सां –|सां –|सां रें|गं –|गं गं|रें रें|सां –

ध ध|प म|ध प|म. ग|ग रे|रे ग|म प|ग म|प नी|ध –

नी ध|प म|ग म|प ध|नी सां|सां रें|गं –|गं गं|रें रें|सां –

सां नि|ध नी|ध प|ध प|म प|म ग|ग रे|रे सा|सा –|सा –

---

संचारी तेवरा

३ २ + २ ३ + २ ३ ×
ध –|ध ध|ध ध प|प ध|नी सां|सां नि ध|प नी|ध ध|ध ध प
भैं ऽ|र व|रा ऽ ग|धै ऽ|च त|ग्र ह ऽ|स ग्र|सु र|ला ऽ ये

म म|प म|म ग रे|सा रे|ग म|प ऽ प|प ध|नी सां|नी ध प
पं च|ति य|मे ऽ ऽ|भै ऽ|र वी|सो ऽ हे|मु ख|प ट|रा ऽ नी

प –|प –|
ऽ ऽ|ऽ ऽ|

---

आभोग [चौताल]

+ ° २ ° ३
ध नी|नी ध|नी नी|सां –|सां रें|ग –

मं गं|रें सां|नी ध|नी सां|रें –|सां रें

गं – | रें गं | मं – | गं मं | पं मं | गं रें

– – | मं गं | रें रें | सां – | सां नि | ध नी

ध प | ध प | म प | म ग | ग रे | रे सा ॥ १ ॥

---

**भैरवी** [समय सवेर ७ बजे]

नी, सा, ग, म, ध, नी, सां। वादी ध

सां, नी, ध, प, म, ग, रे सा ॥ संवादी ग

दादरा मध्यलय

रहन जात एक घरी । नंदलाल नंदनबिन
सगरी रैन बैठ रहे आये नहीं प्राणहरी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

मधुर बचन बंसीधुन सोहि मनमे नितही परी
हरिबिन विरह ताप मैंने कैसे धीर धरी ॥ १ ॥

---

स्थायी

| + सा रे सा | ° ध – नी | + सा ग रे | ° सा – सा |
|---|---|---|---|
| र ह न | जा ऽ त | ए ऽ क | घ ऽ री |
| सा रे म | म – म | गम पध प | म ग म |
| नं ऽ द | ला ऽ ल | नंऽ ऽऽ द | न बि न |
| सा ध प | प – प | प धनी ध | प म – |
| स ग री | रै ऽ न | बै ऽऽ ठ | र हे ऽ |

| ग़ — म | — म म | ग़ मप धप | ग़ ग़ ग़ |
|---|---|---|---|
| आ ऽ ये | ऽ न हीं | प्रा ऽऽ ऽण | ह री ऽ |

अंतरा

| + सा सा सा | ° ग़ ग़ ग़ | + म — म | ° — म म |
|---|---|---|---|
| म धु र | व च न | बं ऽ सी | ऽ धु न |
| + ग़ — ग़ | ° म म म | + ग़ प म | ° ग़ रे सा |
| सो ऽ ही | म न में | नि त ही | प री ऽ |
| सा ध़ ध़ | प प प | प ध़ नी़ | ध़ प म |
| ह री बि | न ऽ ऽ | बि र ह | ता ऽ प |
| ग़म पध़ प | ग़ — ग़ | नी़ — सा | रे ग़ — |
| मैं ऽ ऽऽ ने | कै ऽ से | धी ऽ र | ध री ऽ |

---

**देसकार** [ समय सवेरे ७॥ बजे ]

सा, ध, प ध प, ध, सां। वादी ध
सां ध, प ध प, ग प ग, रे सा ॥ संवादी ग

ध्रुपद चौताल विलंबित

स्थायी

शंभो महादेव शंकर त्रैलोचन भक्तिभाजन वामदेव-
त्रिपुरांतक मदनदहन वृषभध्वज गरलधरे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

विश्वनाथ विश्वंभर शिव वद्रीपते पशुपते पिनाक-
पते सुरपते जगदीश भगवान भूतसंगी डमरु धरे ॥ २ ॥

संचारी

आदिदेव नाग भूषण जोगीश भवानीश विश्वरूपी-
चिदानंद अनादि सिद्धकरे ॥ ३ ॥

आभोग

दयावीश नीलकंठ निजानंद निरंजन दत्ते जाके-
नासन परब्रम्ह परमेश्वर चिंतामणि शरणागत भवभय हर ॥ ४ ॥

स्थायी

| ०सा | ३सा | ४ | | ० | २ |
|---|---|---|---|---|---|
| ध सां | ध प | ग प | ध – | – मां | प ध |
| शं ऽ | भो ऽ | ऽ म | हा ऽ | ऽ दे | ऽ व |
| ध मां | – ध | – प | ग – | ग – | ध प |
| शं ऽ | ऽ क | ऽ र | त्रै ऽ | लो ऽ | च न |
| ग – | रे सा | सा मा | सा – | सा सा | रे रे |
| म ऽ | क्ति भा | ज न | वा ऽ | म दे | ऽ व |
| | | | | ग | |
| ग प | ग रे | सा मा | सा सा | सा रे | प प |
| त्रि पु | रां ऽ | त क | म द | न द | ह न |
| | | सा | | सा | सा |
| प ध | ध – | प ध | मां रें | ध ध | प ध |
| वृ प | भ – | ध्व ज | ग र | ल ध | रे ऽ |

## अंतरा

| + | ० | २ | ० | ३ | ४ |
|---|---|---|---|---|---|
| प ध | प सां | – सां | रें सां | सां सां | – सां |
| वि ऽ | श्व ना | ऽ थ | वि श्वं | ऽ भ | ऽ र |
| रें सां | ध सां | रें गं | रें सां | रें सां | – ध |
| शि व | ऽ त्र | ऽ ऽ | द्री ऽ | प ते | ऽ प |
| सां ध | सां सां | सां सां | रें सां | ध प | – ग |
| शू ऽ | प ते | पि ना | ऽ क | प ते | ऽ सु |
| ग – | ध प | – ग | ग रे | सा रे | सा – |
| र ऽ | प ते | ऽ ज | ग ऽ | दी ऽ | श ऽ |
| (ध) सा सा | – ग (प) | प प | प ध | ध सां | प ध |
| भ ग | ऽ वा | ऽ न | भू ऽ | त सौं | ऽ गी |
| सां रें | सां ध | सां ध | | | |
| ड म | रू ध | रे ऽ | | | |

## संचारी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प ग | प प | प प | प ध | ध सां | ध प |
| आ ऽ | दी दे | ऽ व | ना ऽ | ग भू | प ण |
| सां ध | – सां | – सां | सां सां | रें सां | (सां) ध प |
| जो ऽ | ऽ गी | ऽ श | भ वा | ऽ नी | ऽ श |
| २ | | | | | |

| ग – | रे ग | ध प | रे ग | रे सा | रे मा |
|---|---|---|---|---|---|
| वि ऽ | श्व रू | ऽ पी | चि दा | ऽ नं | ऽ द |

| सा सा | – प | प – | प प | प ध | ग – |
|---|---|---|---|---|---|
| अ ना | ऽ दी | सि ऽ | द्ध क | रे ऽ | ऽ ऽ |

---

आभोग

| ध सां | ध सां | – सां | सां – | सां सां | – सां |
|---|---|---|---|---|---|
| द या | ऽ धी | ऽ श | नी ऽ | ल कं | ऽ ठ |

| रें सां | – सां | रें गं | रें सां | – ध | – प |
|---|---|---|---|---|---|
| नि जा | ऽ नं | ऽ द | नि रं | ऽ ज | ऽ न |

| प ध | सां ध | – प | प – | सां ध | प प |
|---|---|---|---|---|---|
| द ऽ | से जा | ऽ के | ना ऽ | स न | ऽ ऽ |

| ग ग | रे ग | ध प | प प | रे<br>ग रे | सा सा |
|---|---|---|---|---|---|
| प र | ऽ ब्र | ऽ म्ह | प र | मे ऽ | श्व र |

| सा – | प<br>ग प | प प | प ध | ध – | प<br>सां ध |
|---|---|---|---|---|---|
| चिं ऽ | ता ऽ | म णि | श र | णा ऽ | ग त |

| सां रें | सां ध | प ध |
|---|---|---|
| भ व | भ य | ह र |

---

## तराना [ त्रिताल द्रुतलय ]

### स्थायी

नितान नितान तों तनन देरे तारे तारे
तद्रे नाद्रद्र तुंद्रद्रद्र द्रियानारे
द्रियानारे तद्रे तद्रे दानी ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

उदेन्ना उदेना तदेन्ना तदेन्ना
द्रेन्ना द्रेन्नां दे ना ऽऽऽऽऽऽऽ
नाद्रद्र तुंद्रद्रद्र द्रियानारे द्रियानारे
तद्रे तद्रे दानी ॥ १ ॥

### स्थायी

| ० | ३ (सां) | + (प) | २ |
|---|---|---|---|
| सा ध – ध | ध ध – प | ग – – ग | प प ध ध |
| नि ता ऽ न | नि ता ऽ न | तों ऽ ऽ त | न न दे रे |
| (सां) | (सां) | | |
| ध – सां – | प – ग – | ग – – – | ग – ध प |
| ता ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ता ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ त द् |
| ग – – – | सा – – – | ग गग गग प | पप पप पप पप |
| रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ना द्र द्र तुं | द्र द्र द्र द्र |
| प ध ध ध | सां सां ध प | ग ग रे ग | ग रे सा सा |
| द्रि या ना रे | द्रि या ना रे | त द रे त | द रे दा नी |

अंतरा

| ग प — ध | मां मां — मां | मां रें — गं | रें सां — सां |
|---|---|---|---|
| उ दे ऽ न्ना | उ दे ऽ न्ना | त दे ऽ न्ना | त दे ऽ न्ना |
| सां — ध सां | — मां सां — | मां रें गं रें | मां ध — प |
| द्रे ऽ न्ना द्रे | ऽ न्ना दे ऽ | ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ग गग गग प | पप पप पप पप | प ध ध ध | सां सां ध प |
| ना द्रद्र दर तुं | दर दर दर दर | द्रि या ना रे | द्रि या ना रे |
| ग ग रे ग | ग रे सा मा | | |
| त द रे त | द रे दा नी | | |

---

दुर्गा [ समय सवेरे ८ बजे ]

सा रे, मप ध, सां — वादी ध

सां ध, म, रे, सा — सम्वादी म

वर्जित नी

ध्रुपद तेव्रा ( त्रिपुट ) मध्यलय

स्थायी

सखी मोरी रूम झूम बादर गरजे
बरसे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

रैन अंधेरी कारी बिजली चमके
कैसे जाऊं जल भरन ॥ १ ॥

## स्थायी

| ३ | + | २ | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|---|---|
| प प | रेम पध – | मप ध | ध – | ध म रे | रे – |
| स खी | मोऽ ऽऽ ऽ | ऽऽ ऽ | री ऽ | रू ऽ म | झ ऽ |
| सा – | म रे – | प – | प प | म प ध | – – |
| म ऽ | चा ऽ ऽ | ऽ ऽ | द र | ग र जे | ऽ ऽ |
| प ध | सां – ध | म रे | | | |
| व र | से ऽ ऽ | ऽ ऽ | | | |

## अंतरा

| २ | ३ | + | २ | ३ | × |
|---|---|---|---|---|---|
| म – | प प | ध(सा) सां – | मां – | सां – | सां ध – |
| रै ऽ | न अं | धे ऽ ऽ | ऽ ऽ | री ऽ | का री ऽ |
| सां मां | सां रें | मां रें सां | ध – | म रे | म – म |
| बि ज | ली ऽ | च ऽ म | के ऽ | ऽ ऽ | कै ऽ से |
| रेम पध | मप ध | सां ध – | म रेसा | | |
| जाऽ ऽऽ | ऽऽ ऊं | ज ल भ | र न | | |

### तोडी [ समय सवेरे ८ बजे ]

सा रे ग, म ध, नी, सां, । वादी ध
सां नि ध प म ग रे सा ॥ संवादी ग

ध्रुवपद ( ताल चौताल, मध्यलय )

साच सुरन गाये बजाये रिझाये
लेहो सबविध आपने गुरुसो ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

गुनि जनकी संगतसो राग पुरन सप्तसुरन
नी, ध, प, मं ग, रे सा सा रे ग मं ग रे सा, सा रे ग मं-
प मं ग रे सा, सा रे, ग, मं, प, ध, पमं ग रे सा,
सा, रे ग मं पं ध नी सां, नी, ध, प, मं, ग, रे, सा ॥

धाकिटतक धुमकिटतक धित्ता किड नग
धिडनग नगिन तगिन तक धित्ता धा ॥ १ ॥

स्थायी

| | | | | | सा रे<br>सा ऽ |
|---|---|---|---|---|---|
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| ग मं | प प | प – | ध – | – ध | नी सां |
| चे सु | र न | गा ऽ | ये ऽ | ऽ ब | जा ऽ |
| – नि | ध नी | ध – | प – | मं – | ध – |
| ऽ ये | ऽ रि | झा ऽ | ये ऽ | ले ऽ | हो ऽ |
| मं मं | ध ध | मं ग | रे ग | रे सा | सा रे |
| स ब | वि ध | अ प | ने गु | रु सो | सा ऽ |

## अंतरा

| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
|---|---|---|---|---|---|
| मं धु | नी सां | सां – | रें सां – | सां सां | सां – |
| गु नि | ज न | की ऽ | सं ऽ | ग त | सो ऽ |
| नी धु – | धु नी | सां रें | रें नी धु | धु नी | सां रें |
| रा ऽ | ग पू | र न | स ऽ | त्य सु | र न |

नी – | धु – | ऽ ऽ | प ऽ | ऽ मं | ऽ ऽ

गु ऽ | ऽ रे | ऽ ऽ | सा ऽ | सा रे | गु मं

गु रे | सा ऽ | सा रे | गु मं | प मं | गु रे

सा ऽ | सा रे | गु मं | प धु | नी सां | ऽ नी

ऽ धु | ऽ प | ऽ मं | ऽ गु | ऽ रे | ऽ सा

| सा रेरे | गुगु मंमं | पप पप | धु धु | धुधु धुधु | धुधु पप |
|---|---|---|---|---|---|
| धा किट | तक धुम | किट तक | धि त्ता | किड नग | तिर किट |

| प– धुधु | मंगु गुगु | गु रे | सा – |
|---|---|---|---|
| नगि नत | गिन तक | धि त्ता | धा सा |

---

## राग असावरी [समय सबेरे ९॥ बजे]

सा रे, म, प, ध़, सां । वादी ध़

सां नि़ ध़ प, म, ग़, रे सा ॥ संवादी ग़

### ख्याल (त्रिताल मध्यलय)

कोन रिझावन जायेरी अलबेलीनार चली–
लपक झपक मोरी जेवरकी सिनगार करे तूं ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

घाट धाट सब रोकत टोकत जिनकर–
आये प्यारी चुनरिया प्यारे प्यारे तूं ॥ १ ॥

### स्थायी

| ° | नि़ ३ | ध़ × | २ |
|---|---|---|---|
| म – प सां | ध़ – प प | म – प प | ग़ – सा रे |
| को ऽ न री | झा ऽ व न | जा ऽ ये ऽ | रे ऽ अ ल |
| ग़ – रे रे | – रे सा सा | नी़ सा रे रे | ग़ रे सा सा |
| बे ऽ ली ना | ऽ र च ली | ल प क झ | प क मो री |
| सा रे म म | प – म प | सां – सां मां | रें नि़ ध़ प – |
| जे ऽ व र | की ऽ सि न | गा ऽ र क | रे ऽ तूं ऽ |

---

### अंतरा

| × | २ | ° | रें |
|---|---|---|---|
| म – प ध़ | – ध़ ध़ ध़ | सां – सां सां | नि़ सां सां सां |
| घा ऽ ट घा | ऽ ट स ब | रो ऽ क त | टो ऽ क त |

| | रें | रें | |
|---|---|---|---|
| प प रें रें | सां – सां सां | नी नी सां नी | ध ध प – |
| जि न क र | आ ऽ ये ऽ | प्या ऽ री तु | न रि था ऽ |

| | |
|---|---|
| नी – नी नी | – ध प – |
| प्या ऽ रे प्या | ऽ ऽ तूं |

---

असावरी [समय सवेरे ९ बजे]

सा रे म प, ध सां। वादी ध

सां नि, ध, प, म ग, रे सा॥ संवादी ग

ध्रुपद [तेवरा]

हे नंदलाल अतही रसाल
निरतत संग गोपीग्वाल॥ ध्रु०॥

अंतरा

एक मधुर बाजत बीन
मधुर बाखुरी पटताल॥ १॥

स्थायी

| २ | म ३ त्रि | + | २ | ३ | + |
|---|---|---|---|---|---|
| ध म | प सां | सां – सां | नी नी | सां सां | नी ध प |
| हे ऽ | नं द | ला ऽ ल | अ त | ही र | सा ऽ ल |

| | | नी | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म म | प प | ध – प | ग ग | ग – | ग रे सा |
| नि र | त त | सं ऽ ग | गो ऽ | पी ऽ | ग्वा ऽ ल |

---

अंतरा.

| म म | + प <u>ध</u> <u>ध</u> | <u>ध</u>२ मां – | ३ मां सां | + <u>नी</u> सां मां |
|---|---|---|---|---|
| ए क | म धु र | या ऽ | ज त | वी ऽ न |

| २ प <u>गं</u> | ३ <u>रें</u> सां | + <u>नी</u> सां <u>रें</u> | २ <u>ध</u> प |
|---|---|---|---|
| म ऽ | धु र | या ऽ सु | री ऽ |

| ३ सां सां | + <u>ध</u> <u>ध</u> प |
|---|---|
| प ट | ता ऽ ल |

---

जौनपुरी [ समय सवेरे ९ बजे ]

मा, रे म प, <u>नी</u> <u>ध</u>, सां — वादी <u>ध</u>

सां <u>नि</u> <u>ध</u> प, म प, <u>ग</u>, रे, सा ॥ — संवादी <u>ग</u>

त्रिताल [ मध्यलय ]

प्रेम डगरिया ना रहिये सखी
ए दुख तापर सहिये ॥ ध्रु० ॥

अतरा

प्रेम डगरकी वात कठिन है
अपने मतिसो रहिये सखी ॥ १ ॥

स्थायी

| ० – म प सां | ३ <u>नी</u> <u>ध</u> म प | म + <u>ग</u> रे म म | २ प <u>नी</u> <u>ध</u> प |
|---|---|---|---|
| ऽ प्रे म ड | ग री या ऽ | ना ऽ र हि | ये ऽ स खी |

| धु<br>म प धु सां | — सां सां गं | रें सां नि सां | नी धु प प |
|---|---|---|---|
| ये ऽ ऽ दु | ऽ रा ता ऽ | प र स हि | ये ऽ स खि |

अंतरा

| ०<br>— म प प | ३<br>धु धु नी नी | +<br>नी सां मां नि | २<br>सां सां सां सां |
|---|---|---|---|
| ऽ प्रे म ड | ग र की ऽ | बा ऽ त क | ठि न है ऽ |
| म प नी सां रें | रें रें सां — | नि सां नि धु | प — धु म |
| अ प ने ऽ ऽऽ | म ति सो ऽ | र हि ये ऽ | ऽ ऽ स खी |

विलावल ( वेलावती ) [ समय सवेरे ११ बजे ]

सा, रे, ग, प, ध, नी, सां। वादी तार षड्ज सां

सां नि ध प, म ग म रे, सा॥ सम्वादी प

ध्रुपद झपताल मध्यलय

स्थायी

ले तेरी लकरी ले तेरो कामरी

बचरा चरावन हूं नही जाऊं माई ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

संग के ग्वाल बलभद्र बिन एकलो

एकलो बनमे हूं नही जाऊं माई ॥ १ ॥

स्थायी

| ध+<br>सां — | २<br>ध नी प | ०<br>म प | ३<br>म ग रे |
|---|---|---|---|
| ले ऽ | ते ऽ री | ल क | री ऽ ऽ |

| (ग)रे — | ग म प | ग ऽ | म (ग)रें मा· |
|---|---|---|---|
| ले ऽ | ते ऽ रो | का ऽ | म ऽ री |

| सा सा | ध — ध | ध — | ध नी प |
|---|---|---|---|
| य च | रा ऽ च | रा ऽ | व ऽ न |

| सां ध | सां रें गं | रें सां | सां प ध |
|---|---|---|---|
| हूं ऽ | न ही ऽ | जा ऊं | मा ऽ ई |

---

## अंतरा

| प — | प नी ध | सां — | सां सां नि |
|---|---|---|---|
| सं ऽ | ग के ऽ | ग्वा ऽ | ल ब ल |

| सां ध | नी सां रें | सां — | सां ध प |
|---|---|---|---|
| भ ऽ | द्र बी न | ए ऽ | क लो ऽ |

| सा — | ध — ध | नी — | ध नी प |
|---|---|---|---|
| ए ऽ | क लो ऽ | ब ऽ | न ऽ मे |

| सां ध | सां गं रें | सां सां | सां प ध |
|---|---|---|---|
| हूं ऽ | न ही ऽ | जा ऊं | मा ऽ ई |

---

## सारंग [ समय दुपेरे १२ बजे ]

सारे, म, प, नी, सां — वादी सां
सां, नी̲, प, म, रे, सा ॥ — संवादी म

ध्रुवपद—झपताल ( मध्यलय ).

### स्थायी

मधु मदन मन करो प्रभुसे तुमारे
साची कही और कोन निभाये ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

जब कोकिला कुहुक उठे चहुं ओर
सीत और मंदं समीरे बहाये ॥ १ ॥

### स्थायी

| + | | २ | | | ० | | ३ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | सां | सां | सां | नी̲ | प | प | रे | — |
| म | धु | म | द | न | म | न | क | रो | ऽ |
| रे | म | प | नी̲ | प | म | रे | — | सा | — |
| प्र | भु | से | ऽ | तु | मा | ऽ | ऽ | रे | ऽ |
| सा | — | (म)रे | म | — | प | — | नी̲ | म | प |
| सा | ऽ | ची | ऽ | क | ही | ऽ | औ | ऽ | र |
| म | प | नि | सां | रें | नी | सां | नी̲ | म | प |
| को | ऽ | न | ऽ | नि | भा | ऽ | ये | ऽ | ऽ |

अंतरा

| + | | २ | ० | | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प नी प | नी | सां | सां सां सां |
| ज | ग्र | को ऽ कि | ला | ऽ | कु हु क |
| नि | सां | रें – मं | रें | रें | सां नी प |
| उ | ऽ | टे ऽ च | हूं | ऽ | ओ ऽ र |
| रें | – | रें – मं | रें | – | सां – सां |
| सी | ऽ | ता ऽ र | मं | – | दा ऽ स |
| म | प | नि सां रें | सां | नि | प मरे सा |
| मी | ऽ | रे ऽ ग्र | हा | ऽ | ऽ ऽऽ ये |

---

सारंग

तराना—त्रिताल ( द्रुतलय ).

दीं दर धित्तिलितनों तानों तानों तनों
तों तदारे दानी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

आदर धित्तिलाना दीं तनन दीं तनन
नितारे ता दीं दीं तनन तों तननन
तों तों तनन तारे तारे दानी ॥ १ ॥

स्थायी

| ० | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|
| नी नी प म | रें रे सा सा | सां – – – | नी प म प |
| दीं ऽ द र | धि त्ति लि त | नों ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ दा नी |

| रें – – – | सां – <u>नी</u> – | सां – – – | <u>नी</u> – म प |
|---|---|---|---|
| ता ऽ ऽ ऽ | नों ऽ ऽ ऽ | ता ऽ ऽ ऽ | नों ऽ ऽ त |

| प रे – – | रेम प<u>नी</u> – प | म <u>नी</u> प म | रे रे सा – |
|---|---|---|---|
| नों ऽ ऽ ऽ | तोंऽ ऽऽ ऽ त | दा ऽ रे ऽ | दा ऽ नी ऽ |

---

अंतरा

| + म मम मम मम | २ प प <u>नी</u> प | ० नीं – सां सां | ३ सां सां सां – |
|---|---|---|---|
| आ दर दर दर | धि त्ति ला ना | दी ऽ त न | न न दीं ऽ |

| सां सां सां सां | नि सां – सां | नि सां – सां | – <u>नी</u> प प |
|---|---|---|---|
| त न न न | नि ता ऽ रे | ता दीं ऽ दीं | ऽ त न न |

| + रें मं – रें | २ रें सां रें – | ० नीं – सां – | ३ <u>नी</u> <u>नी</u> प प |
|---|---|---|---|
| तो ऽ ऽ त | न न तों ऽ | तों ऽ तों ऽ | त न न न |

| प म – <u>नी</u> | प म रे सा |
|---|---|
| ता ऽ ऽ रे | ता रे दा नी |

---

मेघमल्हार [समय दुपेरे १२॥ बजे]
बर सालमे सब्र समय

सा, रे, म प नी सां रें सां । वादी – नी
सां रें सां <u>नी</u> प म म रे, सा ॥ संवादी – म

ध्रुपद सुरफाक द्रुतलय

राधे आई मेघ हर को घर ले जयो
घट भई घना घोर गरजत थररर ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

छुटी पवन गहन दूर रखो भवन
करिये चपलाई सो चपलाई कर ॥ १ ॥

स्थायी

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी + | – | सां ० | – | रें २ | सां | – ३ | नि | मं ० | प |
| रा | ऽ | धे | ऽ | आ | ई | ऽ | मे | ऽ | घ |
| म | प | नी | – | प | प | म | रे | म | म |
| ह | रि | को | ऽ | घ | र | ले | ऽ | ज | यो |
| प | प | प | प | रे | म | – | रे | – | सा |
| घ | टा | भ | ई | घ | ना | ऽ | घो | ऽ | र |
| सा | रे | नि़ | सा | म | म | रे | रे | सा | सा |
| ग | र | ज | त | थ | र | र | र | र | र |

---

अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | प | नी | सां | नि | सां | सां | सां | सां | सां |
| छु | ऽ | टी | ऽ | प | व | न | ग | ह | न |

| नि सां | सां रें | नी सां | नी नी | प – |
|---|---|---|---|---|
| दृ ऽ | र र | हो ऽ | भ व | न ऽ |
| रें रें | मं मं | रें सां | नी – | सां – |
| क रि | ये ऽ | च प | ला ऽ | ई ऽ |
| प नी | सां रें | नी – | सां – | म प |
| सो ऽ | च प | ला ऽ | ई ऽ | क र |

# दुपहर के राग

गौडसारंग [ समय दुपहरके १ बजे ]

सा, गरे मग, प, नी, सां। वादी — ग

सांनिधप गरे मग, सा॥ संवादी — सा

तराना एकताल द्रुतलय

स्थायी

दर दीं तानों तानों तनदेरेना तदारेदानी तदानी ॥ ध्रु० ॥

---

अंतरा

ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे द्रे द्रे तों तननितदारे दानी
द्रे द्रे द्रे द्रे तों त न न न न न तदारे तारे दानी ॥ १ ॥

| ३ | | ४ | | + | | ० | | १ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि़ | सा | ग | रे | म | ग | म | ध | प | ध | म | प |
| द | र | दीं | ऽ | ता | नों | ऽ | ता | नों | ऽ | त | न |
| ग | म | रे | ग | ग | म | ग | रे | ग | सा | रे | सा |
| दे | रे | ना | त | द | रे | दा | नी | त | दा | ऽ | नी |

---

अंतरा

| + | | ० | | २ | | नी ० | | ३ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | — | प | प | ध | — | सां | सां | सां | — |
| ना | द्रे | द्रे | ऽ | तुं | द्र | द्रे | ऽ | द्रे | द्रे | तों | ऽ |
| ध | नी | सां | रें | सां | नि | ध | प | म | म | प | प |
| त | न | नि | त | दा | रे | दा | नी | द्रे | द्रे | द्रे | द्रे |

| सां | — | सां | नि | ध | प | म | प | म | ग | म | रें |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तों | ऽ | त | न | न | न | न | न | त | दा | ऽ | रें |

| ग | — | म | रे | ऩी | रें | मा | — |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ता | ऽ | ऽ | रे | दा | ऽ | नी | ऽ |

---

भीमपलास [ समय दुपहरके २ बजे ]

ऩीसाग॒, म, पऩी, सां। वादी म
सांनि॒धप, मप, ग॒, मग॒रेसा ॥ सम्वादी ऩी

ध्रुवपद चौंताल मध्यलय

स्थायी

धरन मुरन तान तालके प्रमान ओक्त जोक्तके
विधान साध गावे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

आरोही अवरोही अस्ताई संचारी ग॒ ग॒ रे सा
ग॒मपम, ग॒मपम, ग॒ग॒म, पप नी॒ सां, गं॒गं॒ रें सां नी॒ ध प
मग॒, मग॒ रे सा आवे ॥ १ ॥

संचारी

मूर्च्छना प्रमानसो गमक भेद च्युत अच्युत साधारनके
ब्योरे ओक्त जोक्त करके गाये ॥ १ ॥

अभोग

चिंतामणि गुरुध्यान आनमान श्रुतिप्रमाण

उलट पलट सुरन करे प्रेम दृढ करे तन गुनि
जनमधे जाय मान पावे ॥ २ ॥

स्थायी

| ०<br>नि॒ | सा | ३<br>म॑ | ग॒ | ४<br>रें | सा | +<br>नि॒ | सा | ०<br>म॑ | म | २<br>— | म |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध | र | न | सु | र | न | ता | ऽ | न | ता | ऽ | ल |
| प | — | प | म<br>ग॒ | — | म | ग॒ | म | प | प | नि॒ | नि॒ |
| के | ऽ | प्र | मा | ऽ | न | ओ | ऽ | क्त | जो | ऽ | क्त |
| प | नी॒ | सां | नि॒ | ध | प | प | ग॒ | म | ग॒ | रे | सा |
| के | ऽ | वि | धा | ऽ | न | सा | ऽ | ध | गा | ऽ | वे |

अंतरा

| +<br>प | — | ०<br>— | ग॒ | २<br>म | म | ०<br>प | नी॒ | ३<br>— | सां | ४<br>— | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ऽ | ऽ | रो | ही | ऽ | अ | व | ऽ | रो | ऽ | ही |
| नि॒ | सां | म<br>गं॒ | — | रें | सां | सां | सां | सां | नि॒ | ध | प |
| अ | ऽ | स्था | ऽ | ई | ऽ | सं | ऽ | ऽ | चा | ऽ | री |
| म | ग॒ | रे | सा | नी॒ | सा | ग॒ | म | ग॒ | म | प | प |
| नी॒ | सां | गं॒ | मं | गं॒ | गं॒ | रें | रें | सां | — | — | — |

+ सां नि॒ | धं प | मं ग॒ | – म | ग॒ रे | सां –

नि॒ सा | म ग॒ | रे सा |
आ ऽ | ऽ ऽ | ऽ वे |

---

संचारी

प नी॒ | नीं नी॒ | नि॒ सां | नि॒ सां | नी॒ ध | पं –
मू ऽ | र्छ ना | ऽ प्र | मा ऽ | ऽ न | सो ऽ

प प | प ग॒ | ग॒ म | प नी॒ | – नी॒ | सां सां
ग म | क भे | ऽ द | च्यु त | ऽ अ | च्यु त

नी॒ ध | प ग॒ | म म | प ग॒ | – रे | – सा
सा ऽ | ऽ धा | ऽ र | न के | ऽ व्यो | ऽ रे

नि॒ – | नि॒ सा | – सा | नि॒ सा | म ग॒ | रे सा
ओ ऽ | क्त जो | ऽ क्त | क र | के गा | ऽ वे

---

आभोग

+ प – | पं – | ग॒ म | पं नी॒ | – सां | – सां
चिं ऽ | ता ऽ | म णि | गु रु | ऽ ध्या | ऽ न

नि॒ नि॒ | सां गं॒ | रें सां | नि॒ नि॒ | सां नि॒ | ध प
आ ऽ | न मा | ऽ न | श्रु ति | प्र मा | ऽ न

| प <u>नी</u> | ध प | <u>ग</u> म | प म | <u>ग</u> रे | सा – |
|---|---|---|---|---|---|
| उ ल | ट पु | ल ट | सु र | न क | रे ऽ |

| <u>ग</u> म | प <u>नी</u> | सां सां | <u>गं</u> रें | सां <u>नि</u> | ध प |
|---|---|---|---|---|---|
| त च | गु नी | ज न | म घे | ऽ जा | ऽ य |

| प <u>ग</u> | म <u>ग</u> | रे सा |
|---|---|---|
| मा ऽ | न पा | ऽ वे |

---

**सिंदुरा** [समय दुपहरके ३ बजे]

सारे, मप, नी, सां। वादी – नि
सां<u>नि</u> धप, म<u>ग</u>, रे सा॥ सवादी – <u>ग</u>

ध्रुपद तालतेवरा मध्यलय

स्थायी

लाडली मानन करिये होरीके दिननमें
कौन तेहारी बात ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

बरस बरसके ये दिन आयो।
बैठी है भोवे तान॥ १॥

स्थायी

| ˋ२ रे म | ३ प ध | नी+ सां – – | २ <u>नी</u> प | २ प प | + प म प |
|---|---|---|---|---|---|
| ला ऽ | ड ली | मा ऽ ऽ | ऽ ऽ | न न | क रि ऽ |

ग॒ — | — रे | रे नी॒ प<br>(ध) | ग॒ — | — — | सारे ग॒
ये ऽ | ऽ ऽ | ही ऽ री | के ऽ | ऽ ऽ | दि न न

रे — | रे सा | नी॒ सा — | रे म | — म | प नी —
में ऽ | ऽ ऽ | को ऽ ऽ | न ऽ | ऽ ते | हा ऽ ऽ

नी — | सां — | प नी सां | रें नी॒ | ध प | ग॒ रे सा
री ऽ | ऽ ऽ | था ऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ | त ऽ ऽ

---

अंतरा

म प — | नी — | नी — | नी सां — | सां — | नि सां
च र ऽ | म ऽ | च ऽ | र स ऽ | के ऽ | ऽ ऽऽ

निसा रेंग॒ — | रें सां | नी सां | रें ति॒ — | प ध | म —
येऽ ऽऽ ऽ | दि न | आ ऽ | ऽ ऽ ऽ | यो ऽ | ऽ ऽ

म प — | नी — | — — | सां — — | प नी | मां रें
बं ऽ ऽ | ठी ऽ | ऽ ऽ | है ऽ ऽ | भों ऽ | ऽ ऽ

नी॒ ध प | ग॒ — | रे सा |
वे ऽ ऽ | ता ऽ | ऽ न |

---

## सिंदुरा—त्रिताल ( मध्यलय )

### स्थायी

आयेरी गोपी बन बन रास करत
गिरिधारी मुरारी ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

आवत राधा खेलत रंग उडावत है
पिचकारी मुरारी ॥ १ ॥

### स्थायी

| + | २ | ० | ३ |
|---|---|---|---|
| नी – – नी | सां – प – | प नी सां रें | नी ध ग रे |
| आ ऽ ऽ ये | री ऽ ऽ ऽ | गो पी ऽ ऽ | ब न ब न |
| रे ग रे सा | रे म प ध | नी – सां रें | नी ध म प |
| रा ऽ स क | र त गि री | धा ऽ री मु | रा ऽ ऽ री |

---

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – प प | नी – सां – | रें गं रें सां | रें नि ध प |
| आ ऽ व त | रा ऽ धा ऽ | खे ऽ ल त | रं ऽ ग उ |
| नी – ध प | ध – म प | नी – सां रें | नी ध म प |
| डा ऽ व त | है ऽ पि च | का ऽ री मु | रा ऽ ऽ री |

---

धानी [समय दुपहरके ४ बजे]

| | |
|---|---|
| नी सा, ग, म प नी सां। | वादी – ग |
| सां, नी प, मप, ग, सा ॥ | संवादी – प |
| | रे ध वर्जित |

त्रिताल मध्यलय

स्थायी

ऐसे तो मोरे संया निपट अनारी बल–
हमको छांड सोतिन घरजाये बल ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

इनायत मुझे बुलाय मुझे बतियाकी
तोहे लाज शरम ॥ १ ॥

स्थायी

| + | २ | ० | ३ |
|---|---|---|---|
| ग – ग सा | ग म नी प | ग म नी प | ग – नी सा |
| ऐ ऽ से तो | मो रे सं या | नि प ट अ | ना री ब ल |
| प नी नी सां | – सां नी प | ग म नी प | ग ग नी सा |
| ह म को छां | ऽ ड सो ऽ | ति न घ र | जा य ब ल |

---

अंतरा

| २ | ० | ३ | + |
|---|---|---|---|
| प प ग म | प नी नी सां | सां – – – | प सां नि सां |
| इ ना य त | मु झे बु ला | ऽ ऽ ऽ ये | मु झे ब ति |

| नी प म प | ग म नी प | ग – नि सा |
|---|---|---|
| या की तो हे | ला ऽ ज श | र म ब ल |

---

मुलतानी [ समय ४॥ शामको ]

नी सा, ग, मंप, नी सां । वादी – प
सां, नि ध प, मंग, रे, सा संवादी – ग

ध्रुवपद तेवरा ( मध्यलय )

स्थायी

होरी खेलत नंदलाल ब्रजकी नर नार सने ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

अबीर गुलालभर मारत है हसत
हसत देत करतारी ॥ १ ॥

संचारी

ऐसे खेलत ब्रजलाल कुब्जा देखी मोह
गयी जशोमती सब गोपी ॥ २ ॥

आभोग

सूरदास कहे धन धन प्रभुबलिहारी तुमारी ॥ ३ ॥

स्थायी

| नि सा | ग मं | प प – | प मं | मं प | ग रे सा |
|---|---|---|---|---|---|
| हो री | खे ऽ | ल त ऽ | नं ऽ | द ऽ | ला ऽ ल |

| म॑ प | ग॒ म॑ | पनी – | रें॑ सां नि | ध॒ प | ग॒ रे॒ मा |
|---|---|---|---|---|---|
| ब्र ज | की ऽ | न र ऽ | ना ऽ | र ऽ | स ऽ ने |

---

अंतरा

| ॰ प प | ३ ग॒ म॑ | + पनीसां | २ नी सां | ३ गं॒ रें॒ | + निसांनि |
|---|---|---|---|---|---|
| अ वी | र गु | ला ऽ ल | भ र | मा ऽ | र त ऽ |

| ध॒ प | प – | म॑ प प | ग॒ – | ग॒ – | प प – |
|---|---|---|---|---|---|
| है ऽ | ऽ ऽ | हा स त | दे ऽ | दे ऽ | क र ऽ |

| सां नि | ध॒ प | ग॒ रे॒ सा |
|---|---|---|
| ता ऽ | ऽ ऽ | ऽ री ऽ |

संचारी

| + प म॑ प | २ म॑ प | ३ ग॒ म॑ | + प नी नी | २ सां ऽ | ३ सां – |
|---|---|---|---|---|---|
| ऐ ऽ सो | खे ऽ | ल त | ब्र ज ऽ | ला ऽ | ल ऽ |

| नी सां गं॒ | रें॒ – | सां – | निसांनि | ध॒ – | प – |
|---|---|---|---|---|---|
| कु ब जा | दे ऽ | खी ऽ | मो ऽ ह | ग ऽ | यी ऽ |

| म॑ प प | ग॒ – | म॑ प | ग॒ रे॒ सा | – – | – – |
|---|---|---|---|---|---|
| ज शो म | ती ऽ | स ब | गो ऽ पी | ऽ ऽ | ऽ ऽ |

---

आभोग

| र्मं प प | र्मं प | ग॒ र्मं | प नी – | ग॒ं रें | सां सां |
|---|---|---|---|---|---|
| सु ऽ र | दा स | क हे | ध न ऽ | ध न | प्र भु |

| नि सां ग॒ं | रें ऽ | सां – | नि सां नि | ध॒ प | र्मं प |
|---|---|---|---|---|---|
| ब लि ऽ | हा ऽ | री ऽ | तु मा ऽ | री ऽ ऽ | ऽ ऽ |

ग॒ रे सा |

---

जयजयवंती (जुजावती) समय ५॥ शामको.

सा, रे, रे ग॒ रे सा, नी़ ध़ प़, ग म प, नी सां । वादी रे

सां नि॒ ध प, रे, रे ग म प, मग॒ रे सा ॥ संवादी प

ध्रुवपद तेवरा मध्यलय

स्थायी

अदभुत फाग रचो गोकुल
गोपी ग्वालन देखन आई ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

अबीर गुलालकी धूम मचाई ।
चर्चा करे सब लोग लुगाई ॥ १ ॥

स्थायी

| १ नी़ सा | ३ ध़ नी़ | + रे – – | २ ग॒ रे | ३ ग म | × प ध म |
|---|---|---|---|---|---|
| अ द | भु त | फा ऽ ऽ | ग र | चो ऽ | गो ऽ ऽ |

| ग॒ | रे | सा | – | नी सा – | रें | ग॒ | रे | सा | नी नी ध |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कु | ऽ | ल | ऽ | गो पी ऽ | ग्वा | ऽ | ल | न | दे ख नं |

| प | ध | म | ग॒ | रे ग॒ रे |
|---|---|---|---|---|
| आ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ ई ऽ |

---

अंतरा

| म | प | नी | नी | सां – – | सां | – | सां | – | रें गं रें |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | बी | र | गु | ला ऽ ऽ | ल | ऽ | की | | धू ऽ ऽ |

| रें | – | सां | – | नि सां रें | नी | – | ध | – | प – – |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ऽ | ऽ | ऽ | म ची ऽ | ऽ | ऽ | है | ऽ | ऽ ऽ ऽ |

| म | प | नी | सां | सां – सां | रें | नि | ध | प | ध म ग॒ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च | ऽ | र्चा | ऽ | क ऽ रे | स | व | लो | ऽ | ग लु गा |

| ग | म | रे ग॒ रे |
|---|---|---|
| ऽ | ऽ | ई ऽ ऽ |

---

राग पूर्वी [ समय शाम ६ बजे ]

नी, रेग, मध सां — वादी ग

सां नि धप, मं, गमग रे, सा — संवादी नी

ध्रुवपद तेवरा मध्यलय

स्थायी

शाम सगरे झगरे त्यजरे खेलिये
फाग बनाये बनीये ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

होरीके दिन आपही बनठन
आपही रंग मचाईये ॥ १ ॥

स्थायी

| + नि सा रे सा | २ नी रे | ३ ग ग रे | + प प म | २ मं मं ग | मं ३ ग मं | प मं |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शा ऽ म | स ग | रे ऽ | झ ग रे | त्य ज रे | ऽ खे | लि ये |
| प मं ग | नी रे | ग म | ग रे – | सा – | सा – | |
| फा ऽ ग | ब ना | ए ब | नी ऽ ऽ | ये ऽ | ऽ ऽ | |

अंतरा

| मं ध – | सां – | सां सां | मां गं रें | सां – | नी रें |
|---|---|---|---|---|---|
| हो री ऽ | के ऽ | दि न | आ ऽ प | ही ऽ | ब न |
| नी ध प | मं ध – | प प | मं नी ध | प प | मं ग |
| ठ न ऽ | आ ऽ | प ही | रं ऽ ग | म चा | ऽ ऽ |
| रे ग म | ग रे | सा – | | | |
| ई ऽ ऽ | ये ऽ | ऽ ऽ | | | |

मारवा [समय शाम ६। बजे]

नि़ रे॒ ग, मं, ध सां — वादी ग

सां नि ध मं, ग, रे॒ सा॥ — संवादी नी़

ध्रुवपद — चौताल — मध्यलय

गाव गावके लुगाये दौर दौर देख देख
रिझे रीझे प्यारीके बलैय्या लेत ॥ ध्रु० ॥

अंतरा.

वे सब बुझत शाम सुंदर कमल-
नयन तेरो कहा लागजो सोच सकुचन
मोसो कहत मुख फेरात मनो ना तू कहे
देत ॥ १ ॥

स्थायी

| + | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | — | रे॒ | ग | — | रे॒ | सां | — | सा | सा | रे॒ | सा |
| गा | ऽ | व | गा | ऽ | व | के | ऽ | लु | गा | ऽ | ये |
| सा | — | सा | रे॒ | — | रे॒ | मं | ध | मं | ग | रे॒ | सा |
| दौ | ऽ | र | दौ | ऽ | र | दे | ऽ | ख | दे | ऽ | ख |
| नी़ | रे॒ | मं | ध | मं | ग | ग | ग | ध | — | नी | ध |
| रि | झे | री | ऽ | झे | ऽ | प्या | री | के | ऽ | ब | लैं |
| नी | ध | ग | — | ग | मं | ध | — | मं | ग | रे॒ | सा |
| ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | या | ऽ | ऽ | ऽ | ले | ऽ | त | ऽ |

### अंतरा

| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | – | मं | – | ध | – | सां | – | – | सां | – | सां |
| वे | ऽ | स | ऽ | ध | बु | ऽ | ऽ | ऽ | झ | ऽ | त |
| सां | – | सां | सां | सां | सां | रें | नी | ध | मं | ध | – |
| शा | ऽ | म | सुं | द | र | क | म | ल | न | य | न |
| ग | ध | – | ध | मं | ग | ग | – | रे | – | सा | सा |
| तें | रो | ऽ | क | हा | ऽ | ऽ | ऽ | ला | ऽ | ग | जो |
| रे | – | ग | ध | मं | ग | ग | रे | रे | सा | सा | सा |
| सो | ऽ | च | स | कु | च | न | मो | सो | क | ह | त |
| ग | ग | मं | ध | ध | ध | सा | रें | नी | नी | मं | ध |
| मु | ख | फे | ऽ | ऽ | ऽ | रा | ऽ | त | म | नो | ऽ |
| नी | रें | नी | ध | मं | ग | ग | रे | रे | रे | सा | रे |
| ना | ऽ | तू | क | हे | ऽ | दे | ऽ | ऽ | ऽ | त | ऽ |

---

### मांड [समय साज ६ बजे]

सा रे, म, प ध, सां — वादी – म
सां नि ध म ग, सा रे ग सा — सम्वादी – ग

### स्थायी दादरा (मध्यलय).

राधारकारो कान्ह रोके गईल माई ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

सखिया जल भरन गयी देखि रूप चकित भई,
मनमें तब सकुच रही देखि छबि कन्हाई ॥ १ ॥

### स्थायी मध्यलय

| + |  | ० |  | + |  | ० |  | + |  | ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां – नि | ध ध प | मं प ध | ध – म | ग – ग | सां रे ग | ग – सा | सा – – |
| रा ऽ धा | ऽ व र | का ऽ रो | का ऽ न्ह | रो ऽ के | ग ई ल | मा ऽ ऽ | ई ऽ ऽ |

|  |  |  | नि |  |  |  |  |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म – म | प प ध | प ध सां | ध – म | ग – रे | सा रे ग | ग – – | सा – – |
| रो ऽ के | ग ई ल | मा ऽ ऽ | ऽ ऽ ई | रो ऽ के | ग ई ल | मा ऽ ऽ | ई ऽ ऽ |

---

### अंतरा

| + | ० नी | + | ० | + | ० |
|---|---|---|---|---|---|
| म म प | – ध ध | सां सां सां | सां सां सां | सां – ध | सां – रें |
| स खि या | ऽ ज ल | भ र न | ग ई ऽ | दे ऽ खि | रू ऽ प |

|  | नी |  |  |  |  |
|---|---|---|---|---|---|
| सां गं रें | सां ध – | गं गं गं | – गं गं | गं मं रें | सां सां – |
| च कि त | भ ई ऽ | म न मे | ऽ त ब | स कु च | र ही ऽ |
| म – म | प प ध | पध सांरें गंरें | सां – नीध | – म – | म ग रे |
| दे ऽ खि | छ बि क | न्हाऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ ई ऽ | रो ऽ के |
| सा रे ग | ग – – | सा – – | ग म प |  |  |
| ग ई ल | मा ऽ ऽ | ई ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ |  |  |

---

झिंझोटी [समय शाम ५ बजे]

प़ ध़ सा रे ग प । वादी ग
म ग रे सा नि़ ध़ प़॥ संवादी प़

ध्रुवपद तेवरा (मध्यलय)

### स्थायी

आज बृज होरी खेलत नंदलाल उडावत गुलाल ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

समुझ समुझ होरी खेलो मोहन संग
अपनो मुख समाल ॥ बृज होरी० ॥ १ ॥

### स्थायी

| २ | | ३ | | + | | | २ | | ३ | | + | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प़ | ध़ | सा | रे | ग | म | ग | म | प | प | प | म | ध | प |
| आ | ज | बृ | ज | हो | ऽ | री | खे | ऽ | ल | त | नं | ऽ | द |
| म | प | म | ग | म | प | – | ध | नी | ध | प | म | प | ग |
| ला | ऽ | ल | ऽ | उ | डा | ऽ | व | त | गु | ला | ऽ | ल | ऽ |

### अंतरा

| सा | सा | ग | म | म | प | – | प | प | ग | म | प | म | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | मु | झ | स | मु | झ | ऽ | हो | री | खे | लो | मो | ह | न |
| म | ग | – | – | प | नी | नी | सां | सां | नी | नी | ध | प | – |
| सं | ग | ऽ | ऽ | अ | प | नो | मु | ख | स | मा | ऽ | ल | ऽ |

रागिणी गारा [ समय शाम ६॥ बजे ]

ऩी सा, ग॒ रे ग॒, म म, प, वादी रे
सा प, म प, ग म, रे ग॒ सा रे, ऩी सा, संवादी प

ठुमरी दादरा (मध्यलय)

स्थायी

जियामे लागी आन बान
जियामे बसी कैसे फसी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

परन लागी झुकके पैंय्या
तुम हो मेहरबान सैंय्या
तुमबिन मोहे कलन परत
तुमरे कारन जागी ॥ १ ॥

स्थायी.

| रे | ग॒ | रे | सां | ध॒ | ऩी | रें | — | सा | रें | ग॒ | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जि | या | मे | ला | ऽ | गी | आ | ऽ | न | बा | ऽ | न |
| मा | ग | ग | ग | ग | — | ग | म | प | म | म | म |
| जि | या | मे | ब | सी | ऽ | कै | ऽ | से | फ | सी | ऽ |

अंतरा.

| रे | ग | सा | सारे | गग | म | ग | म | प | गम | मग | म— |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | र | न | लाऽ | ऽऽ | गी | झु | क | के | पैंऽ | य्या | ऽऽ |

| ग ग म | – प प | ग म ग | ग – रेसा |
|---|---|---|---|
| तु म हो | ऽ मे हेर् | या ऽ न | सैं ऽ य्याऽ |
| सा प म | प ग म | रे ग सा | रे नी सा |
| तु म बि | न मो हे | क ल न | प र त |
| रे ग रे | सा ध नी | रे रे सा | रे ग रे ग म |
| तु म रे | का र न | जा ऽ ऽ | गीऽऽऽऽ |

---

काफी [समय शामको ६॥ बजे]

सा रे ग, म प, ध नी सां। वादी—प
सां नि ध प, म, ग रे सा॥ संवादी ग

ध्रुवपद सुरफाक (मध्यलय)

स्थायी

रुम झुम बरसे आये बदरवा पिया बिदेसमो—
थरथरात छतियन निसदिन मन भावे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

नयनन नींद नावे दामिनी दमकावे पियाबिन—
कलन परत नाथ नाथ धावे ॥ १ ॥

संचारी

रह न जात घरी पलछिन तन देही मोहे आवे
मदन मोहन ता सुन पियारे ॥ १ ॥

## आभोग

निकसत नाही प्राण हो रही चित पाषाण तापर
करे बाखान राग तान गावे ॥ २ ॥

### स्थायी

| × | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | रे | रे | ग॒ | ग॒ | म | म | प | – |
| ह | ऽ | म | झ | ऽ | म | च | र | से | ऽ |
| प | सां | नि॒ | ध | प | प | म | – | म | प |
| आ | ऽ | ये | च | द | र | वा | ऽ | ऽ | ऽ |
| ग॒ | ग॒ | ग॒ | रे | सा | – | रे | मा | – | – |
| पि | या | ऽ | वि | दे | ऽ | स | मो | ऽ | ऽ |
| सा | नि | नि | सां | – | गं॒ | रें | सां | नी॒ | ध |
| थ | र | थ | रा | ऽ | त | छ | ति | य | न |
| नी॒ | ध | नी॒ | प | ध | प | ग | – | म | – |
| नि | स | दि | न | म | न | भा | ऽ | वे | ऽ |

---

### अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | प | नी | नी | नि | सां | सां | – |
| न | य | न | न | नीं | ऽ | द | ना | ऽ | वे |
| नि | सां | रें॒ | गं॒ | रें॒ | सां | नी॒ | ध | प | – |
| दा | ऽ | मि | नी | ट | म | का | ऽ | वे | ऽ |

प नी | सां रें | सां नि | ध प | ग म
पि या | बि न | क ल | न प | र त

प मं | नी ध | प प | म ग | म प
ना ऽ | थ ना | ऽ थ | धा ऽ | ऽ वे

---

संचारी

प नी | नी सां | – गं | रें सां | नी ध
र ह | न जा | ऽ त | घ री | प ल

नी प | ध प | नी प | ग – | म –
छि न | त न | दे ही | मो ऽ | हे ऽ

रे ग | रे ग | रे ग | रे ग | नी सा
आ ऽ | वे ऽ | म द | न मो | ह न

मा – | ग म | प ग | – म | – –
ता ऽ | सु न | पि या | ऽ रे | ऽ ऽ

---

आभोग

म म | प प | नी – | नी सां | – सां
नि क | स त | ना ऽ | ही प्रा | ऽ ण

नि सां | रें गं | रें सां | सां नि | ध प
हो ऽ | र ही | चि त | पा पा | ऽ ण

| प | नी | सां | रें | सां | नि॒ | ध | प | म | – |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ता | ऽ | प | र | क | रे | बा | खा | ऽ | न |

| प | सां | नि॒ | ध | – | प | म | ग | म | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | ऽ | ग | ता | ऽ | न | गा | ऽ | वे | ऽ |

---

काफी—त्रिताल ( मध्यलय )

स्थायी

मनमोहन लाल रसिया बासुरीया कैसी—
तो बजाई तूने प्रीत चाढे प्रीत चाढे
मन मेरे माई ऐसी सुरत तेहारी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

हरी हरी कारी कारी जुगल जादुकी भरी
दधि मोरी खे मोरी प्राण निकसावेको
वै फसिया शिकलायो तोहे कौन ॥ १ ॥

स्थायी

| | | | सा नि॒ |
|---|---|---|---|
| | | | म न |
| ° सा रे रे ग॒ | ३ – ग म म | × प – – म | २ गम पध नि॒सा |
| मो ह न ला | ऽ ल र सि | या ऽ ऽ बा | सुरी या ऽ ऽ |
| नी॒ प म प | ग॒ ग॒ सा रे | रे नी॒ ध नी॒ | प ध म प |
| कै सी तो ब | जा ई तू ने | प्री त चा ढे | प्री त चा ढे |

| ग म ग प | ग म सा नि़ | सा रे ग़ म | ग रे सा नि़ |
|---|---|---|---|
| म न मे रे | माई ऐ सी | सु र त ते | हा री म न |

---

### अंतरा

| म म म म | प प नी़ प | प नी नी नी | सां सां सां सां |
|---|---|---|---|
| ह री ह री | का री का री | जु ग ल जा | दु की भ री |
| प नी सां सां | रें नि़ ध प | प नी़ ध प | ग – ग ग |
| द धि मी री | खे ऽ मो री | प्रा ण नि क | सा ऽ वे को |
| सा ग म प | म – सा नि़ | सा रे ग़ म | ग़ रे सा नि़ |
| बै ऽ फ सि | या ऽ शि क | ला यो तो हे | कौ न म न |

---

* इस रागमें सब स्वर लगते हैं.

**पिलु** [ साजके ७ बजे ]

नी़, सा नी़ ध़ प़ नी़ सा ग़, मपधनी़सां — वादी ग़

सां नि़ ध प, म ग़, रे सा — सवादी नी़

**ठुमरी** त्रिताल (विलंबित लय)

पिककी बोलिन बोल, पपिहारे ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

सुन पावेगी बिरहाकी माति
देगी पंख मरोर पपिहारे ॥ १ ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म प – | ग॒ रे ध॒ नी॒ नी॒ | सा – सा प | प प म ग |
| पि क की ऽ | बो ऽ लि न | बो ऽ ल प | पि हा ऽ रे |

---

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी॒ सा ग म | प – प – | ग म नी॒ प | ग॒ – रे सा |
| सु न पा ऽ | वे ऽ गी ऽ | वि र हा कि | मा ऽ ति ऽ |
| प – प – | पध नी॒ध ध प | गम पम ग | म ग – सा |
| दे ऽ गी ऽ | पऽ ऽऽ स म | रो ऽ ऽऽऽ | ऽ ऽ ऽ र |

---

॥ श्रीः ॥ [समय शामको ६॥। बजे]

मा, रे॒, प, मंप, नी सां। वादी प
सां नि ध॒ प, मं ग, रे॒, सा ॥ संवादी सा

ध्रुवपद सुरफाक (मध्यलय)

स्थायी

गौरी अरधाँग नाचत संगीत शंकर त्रिपुरहर ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

त्रिशूल डमरु नाग व्याघ्रांबर अंबर
गज चर्मांबर परिधान कर ॥ १ ॥

## स्थायी

| × | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | – | सां | – | नी | ध | – | प | ध | प |
| गौं | ऽ | री | ऽ | अ | र | ऽ | धौं | ऽ | ग |
| मं | ध | ध | ग | रे | रे | रे | रे | रे | सा |
| ना | ऽ | च | त | सं | ऽ | ऽ | गी | ऽ | त |
| (सा)प | – | प | प | रे | रे | रे | रे | रे | सा |
| शं | ऽ | क | र | त्रि | पु | र | ह | ऽ | र |

---

## अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं | ध | नी | सां | सां | सां | सां | रें | रें | सां |
| त्रि | ऽ | शू | ल | ड | म | रु | ना | ऽ | ग |
| नी | – | सां | गं | रें | सां | (ध)सां | – | ध | ध |
| व्या | ऽ | घ्रां | ऽ | ब | र | अं | ऽ | ब | र |
| प | प | प | – | ध | – | ध | (नी)ध | ध | प |
| ग | ज | च | ऽ | मौं | ऽ | ऽ | ऽ | व | र |
| प | प | मं | ध | मं | ग | रे | सा | रे | सा |
| प | रि | धा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ, | न | क | र |

---

# रातके राग

यमन-कल्याण [ समय ७ रातको ]

ऩी, रे ग, मं प, ध, नी सां। — वादी ग
सां नि ध, प, मं ग, म ग रे, सा॥ ॥ — संवादी ऩी

ध्रुवपद सुरफाक ( मध्यलय )

स्थायी

शंकर शिव पिनाकी गंगाधर
वृषधर वामदेव ईश्वर डमरूधर ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

भस्म अंग सोहत भुजंग भालचंद्र
शिंगा फुंकत है भोला दिगंबर ॥ १ ॥

संचारी

तिलक ललाट गले मुंडमाला
त्रिनयन वरदाता गौरी संग त्रिशूलधारी ॥ २ ॥

आभोग

पशुपति विश्वनाथ मृत्युंजय
जप महादेवनाम हर हर ॥ ३ ॥

स्थायी

| + | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | नी | ध | ध | प | प | प | मं | — | ग |
| शं | ऽ | क | र | शि | व | पि | ना | ऽ | कि |
| ग | रे | ग | म | ग | रे | ऩी | रे | सा | सा |
| गं | ऽ | गा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ध | र |

सा सा | रे ग | रे ग | रे सा | — सा
धू ऽ प | ध र | वा ऽ | म दे | ऽ व

ग रे | ग म | ग रे | ऩी रे | मा सा
ई ऽ | श्व र | ह म | रू ऽ | ध र

---

अंतरा

प ध | प मा | — सां | मां — | सां सां
म ऽ | स्म अं | ऽ ग | मो ऽ | ह त

सां सां | गं रें | गं मं | गं गं | रें सां
सु जं | ऽ ग | भा ऽ | ल चं | ऽ द्र

सां — | सां नि | ध (नी)सां | नी ध | प —
शि ऽ | गा ऽ | फुं ऽ | क त | है ऽ

प मं | ग रे | ग रे | ऩी रे | सा सा
भो ऽ | ला ऽ | ऽ दि | गं ऽ | ब र

---

संचारी

मं ग | मं प | प — | प प | प —
ति ल | क ल | ला ऽ | ट ग | ले ऽ

| नी | ध | नी | सां | नी | ध | नी | ध | प | — |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मुं | ऽ | ऽ | ड | मा | ऽ | ऽ | ऽ | ला | ऽ |
| प | मं | ग | म | ग | रे | ऩी | रे | सा | — |
| त्रि | न | य | न | व | र | दा | ऽ | ता | ऽ |
| ऩी | — | रे | ग | मं | मं | मं | ग | मं | ध |
| गौ | ऽ | री | सं | ऽ | ग | त्रि | शू | ऽ | ल |
| प | — | मं | ग | मं | ध | प | — | प | — |
| धा | | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ | ऽ |

---

आभोग

| प | ध | प | सां | सां | — | सां | सां | — | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | शु | प | ति | वि | ऽ | श्व | ना | ऽ | थ |
| सां | — | रें | गं | गं | रें | सां | रें | सां | नि |
| मृ | ऽ | त्युं | ऽ | ज | य | ज | प | म | हा |
| ध | — | ध | प | मं | प | मं | प | ग | मं |
| दे | ऽ | व | ना | ऽ | म | ह | र | ह | र |

---

## यमन-कल्याण ( चौताउ मध्यलय )

### स्थायी

तूं ही भज भज रे मन कृष्ण वासुदेव
पद्मनाभ परम पुरुष परमेश्वर नारायण ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

योग याग जप तपकर वामदेव नारद शुक
वशिष्ट सनकादिक सकल सुर गावत
ध्यावत अष्टयाम करत रहत पारायण ॥ १ ॥

### स्थायी

| ° रे | | ३ | | ४ | | + | | ° २ | | २ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | रे | सा | रे | सा | सा | सा | रे | ग | — | प | — |
| तूं | ऽ | ही | ऽ | भ | ज | भ | ज | रे | ऽ | ऽ | ऽ |
| | ध | | | | | | | | | | |
| नी | प | — | प | ग | ग | ग | — | प | ग | रे | सा |
| म | न | ऽ | कृ | ऽ | ष्ण | वा | ऽ | सु | दे | ऽ | व |
| सा | — | रे | सा | — | सा | सा | रे | सा | ग | ग | ग |
| प | ऽ | द्म | ना | ऽ | भ | प | र | म | पु | रु | ष |
| | | | | | | | | ग | | | |
| प | प | मं | — | ग | ग | ग | म | रे | ग | ऩी | रे |
| प | र | मे | ऽ | श्व | र | ना | ऽ | रा | ऽ | य | ण |

## अंतरा

| + | | ० | ध | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ध | प | सां | सां | सां | सां | सां | सां | रें | सां | सां |
| यो | ऽ | ग | या | ऽ | ग | ज | प | त | प | क | र |
| नी | | | | | | | | | | | |
| ध | – | ध | सां | – | रें | सां | – | नी | ध | प | प |
| वा | ऽ | म | दे | ऽ | व | ना | ऽ | र | द | शु | क |
| प | सां | – | सां | नी | ध | प | – | मं | ग | ग | ग |
| व | शि | ऽ | ष्ट | स | न | का | ऽ | दि | क | स | क |
| | | | | म | | | | | | | |
| ग | ग | ग | प | – | ग | ग | ग | रे | नि | रे | सा |
| ल | सु | र | गा | ऽ | व | त | ध्या | ऽ | व | ऽ | त |
| सा | – | नी | ध | – | प | प | प | प | प | मं | ग |
| अ | ऽ | ष्ट | या | ऽ | म | क | र | त | र | ह | त |
| | | ग | | | | | | | | | |
| ग | म | रे | ग | नी | रे | | | | | | |
| पा | – | रा | ऽ | य | ण | | | | | | |

भूपाली [ समय रातको ८ बजे ]

सा, रे, ग, प, ध, सां। वादी ग
सां, ध, प, ग, रे, सा, संवादी ध

ध्रुवपद सुरफाक ( मध्यलय )

स्थायी

साधे सुर साधे सुर सुर लोक देत ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

ओडव यही राग संगीतमत प्रमाण,
सारे गप धसां धप गरे सा
उलट पलट सुरनके ॥ १ ॥

स्थायी

| प+<br>ग | — | °<br>ग | — | २<br>ध | प | ३<br>ग | रे | °<br>सा | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | ऽ | धे | ऽ | सु | र | सा | ऽ | धे | ऽ |
| ग | प | ध | सां | सां | ध | प | ग | सा | रे |
| सु | र | सु | र | लो | ऽ | क | दे | ऽ | त |

---

अंतरा

| ग | — | प | ध | ध | सां | — | सां | — | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ओ | ऽ | ड | व | य | ही | ऽ | रा | ऽ | ग |

| सां | ध | सां | सां | रें | रें | सां | ध | — | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सं | ऽ | गी | त | म | त | प्र | मा | ऽ | ण |

| सा | रे | ग | प | ध | सां | ध | प | ग | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| सा — | | सनं — ध— | | पध — प | | गग — रे | | सा | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | — | उल ऽ ट | | पल ऽ ट | | सुर ऽ न | | के | ऽ |

---

भुपाली ध्रुपद सुरफाक ( मध्यलय )

नृत्यगीत

स्थायी

नाचे संगीत नटवर भेरुधरे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

धरन मुरन परनसो ओडव मात्रा दस–
धाकिटतक धुमकिटतक धित्तागदिगन
तिरकिटनगिनतगिन तक धित्ता धा ॥ १ ॥

स्थायी

| + ग | — | ० गं | — | १ ध | प | ३ गं | रे | ० सां | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ना | ऽ | चे | ऽ | सं | ऽ | ऽ | ऽ | गी | त |

| ग | प | ध | सां | ध | प | ग | रे | सा | रे |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| न | ट | व | र | भे | ऽ | रु | ध | रे | ऽ |

---

अंतरा

| प ग | प ध | मां सां | सां मां | रें सां |
|---|---|---|---|---|
| ध र | न मु | र न | प र | न मो |
| सां ध | सां मां | रें – | मां ध | प प |
| ओ ऽ | ड व | मा ऽ | त्रा ऽ | ट स |
| सा रेंरें | गग पप | पप पप | पध – | ध ध |
| धा किट | तक धुम | किट तक | धित् ता | गदि गन |
| सां सां | ध सांमां | सां– ध– | प प | गरे सारे |
| तिर किट | न गिन | तगि न– | त क | धित्ताऽ धा |

---

खमाज समय [ रात ६॥ बजे ]

साम, गम, पधनी, सां । वादी ग
सांनि धप मग रे सा ॥ सवादी प

धृपद. चौताल ( मध्यलय )

स्थायी

बंसी धुनमो बजाये बाजत श्रीबिंद्रावन–
उमंड घुमंड रहो सघन गरजत बादर विमान ॥ध्रु०॥

अंतरा

रहस रहस बरसत गोपीजन दामिनी दमकत–
नैनारत नारे भोवे धनुख बाण ॥ १ ॥

## स्थायी

| + | | ० | | २ | | ° | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | – | सां | – | नी | सां | (सां) ध | सां | नी | प | ध | म |
| यं | ऽ | सी | ऽ | धु | न | सो | ऽ | व | जा | ऽ | ये |
| ग | म | प | ध | सां | नि | ध | प | ग | म | ग | ग |
| वा | ऽ | ज | त | श्री | ऽ | विं | ऽ | द्रा | ऽ | व | न |
| सा | सा | म | ग | प | प | म | नी | ध | नी | सां | सां |
| उ | मं | ड | घु | मं | ड | र | हो | ऽ | स | घ | न |
| सां | मं | ग | मं | रें | सां | नी | सां | सां | नि | प | ध |
| ग | र | ज | त | या. | ऽ | द | र | वि | मा | ऽ | न |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | नी | ध | नी | सां | सां | नि | सां | रें | सां | सां |
| र | ह | स | ऽ | र | ह | स | व | र | स | त | गो |
| रें | गं | रें | सां | नी | सां | रें | नी | ध | ध | प | प |
| पी | ऽ | ज | न | दा | ऽ | मि | नी | द | म | क | त |
| नी | ध | म | ग | म | नी | ध | नी | सां | सां | – | – |
| नै | ऽ | ना | ऽ | र | त | ऽ | ना | ऽ | रे | ऽ | ऽ |
| सां | मं | गं | मं | नी | सां | रें | नी | ध | नी | प | ध |
| भो | ऽ | वे | ऽ | ध | नु | ख | ऽ | बा | ऽ | ऽ | ण |

## खमाज तराना

तों तनन तनन तनदेरेना तनदेरेना
दरना दीं तना तदारे तद्रेदानी
उदानी उदानी तदानी तदानी
तन दर दर तदरे दानी ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

दर दर तों दर दर तों तननननतन उदनदीं तदेरेना
तन उदनदीं तदेरेना धिगनगतक् नगधिरकिट तक
तकधिरकिटतक तकधिलांग तक् धा ॥ १ ॥

तराना त्रिताल ( द्रुतलय )

### स्थायी

नि
सां –
तों ऽ

| ० | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|
| नीधपनी | ध प म प | ग म नी – | ध – ग म |
| तननत | न न त न | दे रे नाऽ | ऽ ऽ त न |
| ग म नी – | ध – – – | नी सां नि सां | – म ग – |
| दे रे नाऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | द र ना दीं | ऽ त नाऽ |
| म प – म | ग रे नी मा | म नी ध नी | सां सां मां रें |
| त दा ऽ रे | त द्रे दा नी | उ दा नी उ | दा नी त दा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| रें नि सां सां | प नी सां सां | नी सां रे नि॒ | ध<br>— प नी सां |
| नी त दा नी | ता ना दर दर | त द रे ना | ऽ ऽ नी तों |

---

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| + नी<br>मम मम ध — | २<br>नीनी नीनी सां — | ०<br>रें रें रें रें | ३<br>सां नी सां सां |
| दर दर तों ऽ | दर दर तों ऽ | त न न न | न न त न |
| +<br>ध रें सां रें | २<br>— सां नि सां | ०<br>ध — नी॒ ध | ३<br>— — नी॒ ध |
| उ द न दीं | ऽ त दे रे | ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ त न |
| ध रें सां रें | — सां नि सां | सा<br>नी॒ — ध — | — — — — |
| उ द न दीं | ऽ त दे रे | ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| — — — — | धरे सासा रेंरें | नीनी नीनी सासा सासा | नीनी नीनी सासा सासा |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | धिग नग तक् | नग धिर किट तक | तक धिर किट तक |
| नीनी सासा-सासा | ध प नी सां | | |
| तक धिला ग तक् | धा ऽ तों ऽ | | |

---

## सोरट [समय ७॥ बजे]

. . सा रे, म प, नी ध प, सां । वादी प
सां नी ध प, रे म प ध म ग, रे ग, सा ॥ संवादी रे

ध्रुपद चौताल (मध्यलय)

### स्थायी

बाजन लागी बांसुरी बृजनंदलालन की
श्रवन सुनत सुध बुली तनकी ॥ धृ० ॥

### अंतरा

सुर सुरत मूर्छना राग ताल सम घेर घेर–
आये गये वन उपवनकी ॥ १ ॥

### स्थायी

| ३ | | ४ | | + | | ० | | २ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | रे | म | प | नी | नी | सां | सां | प | नी | सां | रें |
| बा | ऽ | ज | न | ला | ऽ | गी | ऽ | बां | ऽ | ऽ | सु |
| नि | ध | प | – | म | प | (नी) ध | प | प | – | ध | म |
| ऽ | री | ऽ | ऽ | बृ | ज | नं | ऽ | द | ऽ | ला | ऽ |
| रे | ग | ग | सा | सा | सा | ग | म | प | प | नी | सां |
| ल | न | की | ऽ | श्र | व | न | सु | न | त | सु | ध |
| रे | गं | रें | सां | नी | सां | रें | नि | ध | प | म | रे |
| बु | ऽ | ली | ऽ | त | न | ऽ | ऽ | की | ऽ | ऽ | ऽ |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म प | नी नी | नी नी | सां – | सां सां | सां – |
| सु र | सु र | त ऽ | मू ऽ | छें ऽ | ना ऽ |
| प नी | नी सां | – सां | सां रें | रें – | – – |
| रा ऽ | ग ता | ऽ ल | स ऽ | ऽ म | ऽ ऽ |
| गं – | रें रें | – पं | मं – | मं रें | रें सां |
| घे ऽ | र घे | ऽ र | आ ऽ | ये ग | ये ऽ |
| प नी | रें नि | ध म | रे – | | |
| ब न | उ प | ब न | की ऽ | | |

---

गौड-मल्हार ( समय शाम ७॥ बजे ) बरसातमें सब समय.

रे ग रे, म ग रे सा, रेपमपधसां ।
सां, ध, नीप म ग म रे सा । वादी म
संवादी सा

त्रिताल मध्यलय

स्थायी

गरजत बरसत भीजत आईलो
तुमरे मिलनको अपने प्रेम पियरवा–
देहो गरुव लगाय ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

जो लो तुम हम एक संग रहिलो
*तोलो मनुवा रहिल सुराय*
सावन आई लो लाल चुनरिया
देहो गरुव लगाय ॥ १ ॥

## स्थायी

| ० | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|
| म रे म म | प प म प | सां – ध प | म प म ग |
| ग र ज त | ब र स त | भी ऽ ज त | आ ई लो ऽ |
| रे म रे म | म ग रे सा | रे ग म प | मरे (म) मरे |
| तु म रे मि | ल न को ऽ | अ प ने ऽ | प्रे ऽ ऽऽ म्पी |
| सा रे सा – | म – म – | म प प प | मप धनी सानि धप |
| य र वा ऽ | दे ऽ हो ऽ | ग रु व ल | गाऽ ऽऽ ऽऽ यऽ |

---

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – म – | प प नी ध | नि नी सां सां | सां रें सां – |
| जो ऽ लो ऽ | तु म ह म | ए क सं ग | र हि लो ऽ |
| नी नी<br>ध ध नी नी | नी नी सां – | सां रें नि सां | ध नी प – |
| तो ऽ लो ऽ | म न वा ऽ | र हि ल सु | रा ऽ य ऽ |
| रे ग रे ग | म ध प – | ग ग म रें | सा रे सा – |
| सा ऽ व न | आ ई लो ऽ | ला ऽ ल चु | न रि या ऽ |

| म – म – | रे प प प | मप धनी सां – | नीध पम ग – |
|---|---|---|---|
| दे ऽ हो ऽ | ग रु व ल | गाऽ ऽऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ य |

---

देस [ समय ८। रातको ]

सा, रे, म प, नी, सां। वादी रे

सा नि़ ध प, म ग रे ग, सा॥ सवादी प

त्रिताल चतरंग ( मध्यलय )

स्थायी

चतरंगको गावे रसरंगतसो करतीवर कोमल-
देख भाल कर करतीवर अति कोमल
सुरसो न्यारो न्यारो सुरसंगतसो॥ ध्रु०॥

अंतरा

द्रद्रद्र तनन द्रद्र तनों तानदेरे तुंद्रद्रद्रद्रद्र
द्रद्रद्रदानी॥ १॥

संचारी

उनंचास कोटितान तिनके कठिन रंगीले एन्योरे
मम पप नीनीसां सांरे सांनि़ धप मग धाकिटतक
धुमकिटतक धित्ताधित्ता धित्ताकिडनग नगतिर
किटतक, तकधिरकिटतक तक धिलांग तकधा॥ २॥

## स्थायी

| | | | ग म |
|---|---|---|---|
| | | | च त |
| ० | ३ | + नि | २ |
| ग रे ग सा | — रे म प | मां रें नि॒ नि॒ | प ध म ग |
| रं ग को गा | ऽ वे र स | रं ऽ ग त | सो ऽ क र |
| रे — ग ग | ग म प ध | म रे रे रे | ग॒ रे मा सा |
| तीऽ व र | कोऽ म ल | दे ऽ ख भा | ऽ ल क र |
| मा सा म रे | म म प प | नी — नी नी | सां नि मां — |
| क र ती ऽ | व र अ ति | को ऽ म ल | मु र सो ऽ |
| रें ग॒ं रें नि | सां सां नि सां | सां रें नि॒ नि॒ | प — नी॒ ध |
| न्या ऽ रो न्या | ऽ रो सु र | सं ऽ ग त | सो ऽ च त |

---

## अंतरा

| ० | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|
| मं म म प | पं प नी नी | नी सां — नि | सां मां नी सां |
| द्र द्र द्र त | न न द्र द्र | त नों ऽ ता | ऽ न दे रे |
| रें ग॒ं रें सां | नी नी मां सां | प नी सां — | रें नि॒ नी॒ ध |
| तुं दर दर दर | दिर दिर दिर दिर | दिर दिर दिर ऽ | दा नि च त |

---

संचारी

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं नी ध ध | – नी ध – | नी ध – ध | नी ध प ध |
| उ नं ऽ चा | ऽ स को ऽ | टी ता ऽ न | ति न के ऽ |
| नी रें सां नि | नी ध प – | ग – म ग | रें ग सा – |
| क ठि न रं | गी ऽ ले ऽ | ए ऽ ज्यो ऽ | ऽ ऽ रे ऽ |
| म म प प | नी नी सां – | सां रें सां नि | ध प म ग |
| रे मम मम पप | प प पप नी सां | – नी सां – | रें गं रें सां |
| धा किट तक धुम | किट तक धित्ता | ऽ धि त्ता ऽ | धित्ता किड नग |
| नीनी निनि सासा सासा | नीनी नीनी सासा सासा | नीनी सासा नीनी | प – प ध |
| नग तिर किट तक | तक धिर किट तक | तक धिलाग तक | धा ऽ च त |

---

## पुरिया

समय रात ८॥ बजे

सा, निधनी मं धसा, रेग, मंधसां । — वादी ग

सांरेंनि, धमंग, मंगरे सा ॥ — सवादी नी

ध्रुवपद–( तेवरा मध्यलय )

स्थायी

तूं ही सबको उधार तूं ही गुरु –

तूंही मंत्र अगमनिगमको वेद ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

जोग जप तप तूंही झूंठी माया मोह ओडव
पाडव संपूरन नारद व्यास गावे ॥ १ ॥

### स्थायी (मध्यलय)

मं — ग | रे सा | मं ध | सा — सा | नी रे | ग —

तूं ऽ ही | स ध | को ऽ | धा ऽ र | तूं ऽ | ही ऽ

रे ग — | मं ध | मं ग | मं — ग | नी रे | ग —

गु रु | तू ऽ | ही ऽ | मं ऽ त्र | अ ग | म नि

रे ग रे | नी रे | सा सा |

ग म को | ऽ वे | ऽ द |

---

### अंतरा

मं ग — | मं ध | मं ध | सां — सां | नी रें | गं —

जो ऽ ग | ज प | त प | तूं ऽ ही | झूं ऽ | टी ऽ

नी रें नि | नी रें | नी ध | नी रे ग | मं ध | मं ध

मा ऽ या | मो ऽ | ह ऽ | ओ ड व | पा ऽ | ड व

सां — सां | रें नि | ध नी | मं ग — | मं ग | रे सा

सं ऽ पू | र न | ना ऽ | र द ऽ | व्या स | गा वे

---

## केदार [ समय ८॥ रातको ]

सा, म, म प, ध प, सां । वादी म
सां नि ध प, मं प ध प, म, रे सा॥ संवादी रे

ध्रुपद चौताल विलंबित

### स्थायी

मायेरी जसोदासुत आनंदकंद ग्वाल वृंदले –
मुनींद्र शोभासुख सिंधुरूप रास रचो ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

मुरली मधुर अधर धरे ब्रजवनिता चित जो –
हरे लोक लाज सुरपति जाकी चरन उलच ॥ १ ॥

### संचारी

पायनने नूपुर सजत बजत करत शोर कैसी जाऊं
ऐसी रात वाही बन माई ॥ २ ॥

### आभोग

चिंतामणि उपजिजबे संग सखी आयकही –
चलो देख रसिक मन वांछित फल पावही ॥ ३ ॥

### स्थायी

| + | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | ध | प | प | ध | प | म | म | – | म | प | प |
| ज | सो | दा | ऽ | सु | त | आ | नं | ऽ | द | कं | द |
| म | – | म | प | – | प | ग | म | रे | सा | रे | सा |
| ग्वा | ऽ | ल | वृं | ऽ | द | ले | ऽ | मु | नी | ऽ | न्द्र |

नी|नी
सा — | म — | प प | प प | प ध | सां सां
शो ऽ | भा ऽ | सु ख | सिं ऽ | धु रू | ऽ प

नी
ध — | प प | ध — | प म | — म | प —
रा ऽ | स र | चो ऽ | ऽ मा | ऽ ये | री ऽ

---

अंतरा

\+ ० २ ० ३ ४
प प | सां — | सां सां | सां सां | सां सां | रें सां
मु र | ली ऽ | म धु | र अ | ध र | ध रे

सां ध | सां मां | सां रें | सां ध | प प | म —
वृ ज | व नि | ता ऽ | चि त | जो ह | रे ऽ

म — | सा म | — म | प प | ध नी | सां रें
लो ऽ | क ला | ऽ ज | सु र | प ति | जा की

सां ध | ध प | ध प | म — | — म | प —
च र | न उ | ल व | मा ऽ | ऽ ये | री ऽ

---

संचारी

सा म | — म | म म | प — | — प | — प
पा ऽ | ऽ य | न ऽ | ने ऽ | नू पू | ऽ र

प प | ध प | सां सां | नी नी | ध प | प प
स ज | त ब | ज त | क र | त शो | ऽ र

म – | प प | ध प | म म | रे – | सा –
कै ऽ | सी जा | ऽ ऊं | ऐ सी | रा ऽ | त ऽ

सा – | म – | प प | ध – | प – | म –
बा ऽ | ही ऽ | ब न | मा ऽ | ऽ ऽ | ई ऽ

आभोग

\+
प – | सां – | सां सां | सां सां | सां रें | सां –
चिं ऽ | ता ऽ | म णि | उ प | जि ज | बे ऽ

सां ध | ध सां | सां रें | सां नि | ध प | म –
सं ऽ | ग स | खी ऽ | आ ऽ | य क | ही ऽ

सा सा | – म | प प | सां ध | सां रें | सां सां
च लो | ऽ दे | ऽ ख | र सि | क ऽ | म न

सां रें | सां नी | ध प | – प | ध म | म प
वां ऽ | छि त | फ ल | ऽ पा | ऽ व | ही ऽ

---

हमीर [ समय रात ९॥ बजे ]

सा, गमध, नीनीसां । वादी ध
सांनिधप, मंपधप, गमरेसा ॥ संवादी रे

## ध्रुपद तेवरा [मध्यलय]

### स्थायी

श्रीरामचंद्र कृपाल भज मन हरण भवमय दारुणं
नवकंजलोचन कंजपद कंजारुणं ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

कंदर्प अगणित अमित छवि नवनील नीरद सुंदरं
पट पीत मानहूं तडित रुचिशुचि नौमि जनक सुतावरं ॥ १ ॥

---

### स्थायी

सां – 
श्री ऽ

| + | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी ध | – | प | प | – | ग | म | ध | – | रें | सां | नि | ध | प |
| रा | ऽ | म | चं | ऽ | द्र | कृ | पा | ऽ | ल | भ | ज | म | न |
| मं | प | ध | नी | ध | मं | प | ग | – | म | नी | ध | प | प |
| ह | र | न | भ | व | भ | य | दा | ऽ | रु | णं | ऽ | न | व |
| प | ध | प | प | – | प | प | ग | म | रे | ग | म | ध | प |
| कं | ऽ | ज | लो | ऽ | च | न | कं | ऽ | ज | प | द | कं | ऽ |
| ग | म | रे | सा | – | सां | – | | | | | | | |
| जा | ऽ | रु | णं | ऽ | श्री | – | | | | | | | |

---

अंतरा

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | प – |
| | | | | | | कं ऽ |
| सां – सां | सां सां | सां सां | सां नि ध | नी सां | सां रें | |
| द ऽ पं | अ ग | णि त | अ मि त | छ वि | न व | |
| सां – सां | नी ध | नी रें | सां – सां | सां – | सां – | |
| नी ऽ ल | नी ऽ | र द | सुं ऽ द | रं ऽ | प ट | |
| गं गं गं | गं मं | रें सां | सां नि ध | मं प | ध प | |
| पी ऽ त | मा ऽ | न हूं | त डि त | रु चि | शु चि | |
| ग म रे | ग म | ध प | ग म रे | सा – | सां – | |
| नौ ऽ मि | ज न | क सु | ता ऽ व | रं ऽ | श्री ऽ | |

---

राग हिंडोल [ समय रात ९॥ बजे ]

सा, ग, मं, ध, सां। — वादी ग

सां, नि, ध, मं, ग, सा॥ — संवादी सा

तराना तेवरा [ मध्यलय ]

स्थायी

नादर दर तुंदर तुंदर नारे तनदेरे दीं–
दीं दीं, उदानी दानी दानी देरेना वना ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

गावे ओड़व राग सब गुनि जन–
हिंडोल सागग मंध नीनी–
मंधनी सां–सां–नीनीध नीध
धर्म मंग–सा–सा– ॥ १ ॥

स्थायी

| × | २ | ३ | × | २ | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| सा ग ग | मं ध | मं ध | सां – – | नी ध | नी ध |
| ना दर दर | तुं दर | तुं दर | ना ऽ रे | त न | दे रे |
| मं ग – | सा – | सा – | सा नि़ ध़ | सा सा | ग ग |
| दीं ऽ ऽ | दीं ऽ | दीं ऽ | उ दा नी | दा नी | दा नी |
| नी नी ध | मं ग | सा – | | | |
| दे रे ना | त ऽ | ना ऽ | | | |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ध मं ध | सां – | सां – | सां – सां | सां सां | सां सां |
| गा ऽ वे | ओ ऽ | ड व | रा ऽ ग | स ब | गु नि |
| नी नी ध | नी ध | मं ग | सा ग ग | मं ध | नी नी |
| ज ऽ न | हिं डो | ऽ ल | | | |
| मं ध नी | सां – | सां – | नी नी ध | नी ध | ध मं |
| मं ग़ – | सा – | सा – | | | |

## कामोद [ समय १० बजे ]

सा, रे, प, धप सां । वादी प
सांनिधप, मंपधप गमरेसा ॥ संवादी रे

ध्रुपद ( ताल एकताल ) मध्यलय

स्थायी

अब कोन तुम बतलावत निपट निठुर अत–
निरलज काहे हमको सतावत ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

झूंठी सब बात करत ब्रज बनिता सबहूं ठगत–
जावो जावो तुम अपने मारग समजो न हमें–
इतन मूरख ॥ १ ॥

---

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | धें | प |
| | | | | | | | | | | अ | ब |
| ° | | ३ | | ४ | | + | | ° | | | |
| म | रे | सा | सा | म | रे | प | — | प | प | ध | प |
| को | न | तु | म | ब | त | ला | ऽ | व | त | अ | ब |
| प | ध | प | म | म | रे | सा | सा | सा | ध़ | प़ | प़ |
| नि | प | ट | नि | ठु | र | अ | त | नि. | र | ल | ज |
| सा | सा | म | रे | मं | प | प | ध | मं | प | ध | प |
| का | हे | ह | म | को | स | ता | ऽ | व | त | अ | ब |

## अंतरा

| ० | | ३ | | ४ | | + | | ० | | २ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | — | नि सां | — | सां | सां | सां | ध | सां | रें | सां | सां |
| झूं | ऽ | टी | — | स | ब | बा | ऽ | त | क | र | त |
| सां | ध | सां | सां | सां | — | सां | रें | सां | ध | ध | प |
| त्र | ज | ब | नि | ता | ऽ | स | ब | हूं | ठ | ग | त |
| मं | प | ध | ध | प | प | रे | म | रे | रे | सा | सा |
| जा | वो | जा | वो | तु | म | अ | प | ने | मा | र | ग |
| सा | सा | म | रे | प | प | प | ध | मं | प | ग | म |
| स | म | जो | न | ह | मे | इ | त | न | मू | र | ख |

---

छायानट [ समय १० बजे ]

सा, रेसारे, रेगमप, सां। — वादी प

सांनिधप, रेगमप, गमरेसा ॥ — संवादी रे

ख्याल ( त्रिताल ) मध्यलय

### स्थायी

भरी गगरी मोरी ढुरकाई छैलवा
रोकत है कछु बृजकी गुजरीया ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

मै जमुना जल भरन जातिथी
आय अचानक घेरलई सब
रोकत है पनघटकी गलिया ॥ १ ॥

---

स्थायी

| | | | रे ग |
|---|---|---|---|
| | | | भ री |
| म नी ध प | रे ग म प | ग म रे सा | – रे सा – |
| ग ग री मो | ऽ री लु र | का ऽ ई छै | ऽ ल वा ऽ |
| ध – सा सा | रे ग म प | ग म रे सा | रे सा म ग |
| रो ऽ क त | है ऽ क छु | ट्ट ज की गु | ज रीया भ री |

---

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – प प | नी ध नी नी | सां सां सां सां | सां रें सां – |
| मै ऽ ज मु | ना ऽ ज ल | भ र न जा | ऽ ति थी ऽ |
| नी – नी नी | नी ध सां सां | सां रें नी सां | ध नी ध प |
| आ ऽ य अ | चा ऽ न क | घे ऽ र ल | ई ऽ स ब |
| म – म म | प – प प | ध नी सां ध | नी धं म ग |
| रो ऽ क त | है ऽ प न | घ ट की ग | लि या भ री |

---

## छायानट ध्रुवपद ( सुरफाक मध्यलय )

### स्थायी

शंभो शिव महेश आदि त्रिलोचन भवमय
भवेश दानव दलन दीनेश ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

जटाजूट पिनाकधर भस्मरुंडमालाधर गरलगरेहर—
ओढे व्याघ्रांबर ॥ १ ॥

### संचारी

नाचत चंद्रभाल भम् भम् बाजे घन
अनुपम गावे त्रिपुरेश्वर ॥ २ ॥

### आभोग

वीरचंद्र नरपति प्रकाशकरे अधरधरे राग—
तान गावे सुंदर ॥ ३ ॥

### स्थायी

| × | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सां | | | | | | | |
| प | सां | ध | — | ध | नी | ध | प | — | प |
| शं | ऽ | भो | ऽ | शि | व | म | हे | ऽ | श |
| रे | ग | म | प | ग | म | म | रे | रे | सा |
| आ | ऽ | दि | त्रि | लो | ऽ | ऽ | ऽ | च | न |

| सा म | म ग | सा नि़ | ध़ ध़ | प़ प़ |
|---|---|---|---|---|
| भ व | भ य | भ – | वे ऽ | ऽ श |
| सा – | रे ग | म प | ग म | रे सा |
| दा ऽ | न व | द् ल | न दी | ने श |

अंतरा

| प ध | प सां | – सां | सां सां | रें सां |
|---|---|---|---|---|
| ज टा | ऽ जू | ऽ ट | पि ना | ऽ क |
| सां सां | सां ध | सां रें | गं मं | रें सां |
| घ र | भ ऽ | स्म रुं | ऽ ड | मा ला |
| ध प | प रें | सां सां | ध प | प रे |
| ध र | ग र | ल ग | रे ऽ | ह र |
| रे ग | म प | ग – | म रे | सा – |
| ओ ऽ | ढे ऽ | व्या ऽ | घ्रां ऽ | व र |

संचारी

| + प ग | ° प प | २ प – | ३ प प | • – प |
|---|---|---|---|---|
| ना ऽ | च त | चं ऽ | द्र भा | ऽ ल |
| नी ध | नी सां | नी ध | नी ध | प मं |
| भ म् | भ म् | वा जे | घ न | अ नु |

| ध | प | ग | म | ग | रे | सा | रे | .मा | सा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | म | गा | वे | त्रि | पु | रे | ऽ | श्व | र |

आभोग

| प | ध | प | सां | – | सां | सां | सां | सां | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वी | ऽ | र | चं | ऽ | द्र | न | र | प | ति |
| सां | सां | रें | गं | मं | पं | गं | मं | रें | सां |
| प्र | का | श | क | रे | अ | ध | र | ध | रे |
| सां | सां | ध | प | ग | म | रे | रे | सा | सा |
| रा | ग | ता | न | गा | वे | सुं | ऽ | द | र |

राग विहाग [ समय १० रातको ]

सा, ग, मप, नी सां । वादी ग
सा, नि प मं गमग , सा, ॥ संवादी नी

ध्रुपद झपताल [ मध्यलय ]

स्थायी

सखि आज नंद नंद सुखकंद मुखचंद्र
हसत आनंदसो मचि आज होरी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

एक संग सब ग्वाल शामसो बात करत
उतवृजकी सब नारी लिये राधा गौरी ॥ १ ॥

## स्थायी

| +<br>प | | २ | | | ० | | ३ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | सां | – | सां | नी | प | प | – | प |
| स | खि | आ | ऽ | ज | नं | द | नं | ऽ | द |
| म | ग | ग | प | प | प | म | ग | – | सा |
| सु | ख | कं | ऽ | द | मु | ख | चं | ऽ | द्र |
| सा | सा | म | ग | म | प | प | नी | – | – |
| ह | स | त | ऽ | आ | नं | द | सो | ऽ | ऽ |
| सां | गं | सां | – | सां | नी | प | नी | प | नी |
| म | चि | आ | ऽ | ज | हो | ऽ | री | ऽ | ऽ |

---

## अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | प | नी | – | नी | नी | सां | सा | – | सां |
| ए | क | सं | ऽ | ग | स | ब | ग्वा | ऽ | ल |
| सां | सां | नी | नी | प | प | नी | प | नी | ध |
| शा | म | सो | ऽ | ऽ | चा | त | क | र | त |
| सां | गं | गं | मं | पं | मं | मं | गं | – | सां |
| उ | त | वृ | ज | की | स | ब | ना | ऽ | री |

| सां | गं | सां – मां | नी | प | नी प नी |
|---|---|---|---|---|---|
| लि | ये | रा ऽ धा | गो | ऽ | री ऽ ऽ |

---

## शंकरा [ समय रात ११ बजे ]

सा, ग, प, नीध सां — वादी ग
सां नीप, नीध, ग, पग, सा, — संवादी नी

### ध्रुपद तेवरा [ मध्यलय ]

सखी तबसो चैन न आवे
जबसो निरख्यो नंदलाल ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

गले मोतियनमाल सोहत
अधरे बंसी बजावत
घुंवरू पगमे बाजन लागे
ता ता थैं थ ता ता थैं थैं ॥ १ ॥

### स्थायी

| ३ नि | सां | + नी ध प | २ प | ग | ३ प | प | + प ग ग | २ सा | – |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | खी | त ब सो | चै | ऽ | न | न | आ ऽ ऽ | वे | ऽ |
| सा | सा | ग ग – | प | प | प | – | प नी ध | सां | नि |
| ज | ब | सो ऽ ऽ | नि | र | ख्यो | ऽ | नं ऽ द | ला | ल |

---

### अंतरा

| + | २ | ३ | + | २ | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| प प – | सां सां | सां सां | सां–सां | सां – | सां – |
| ग ले ऽ | मो ति | य न | मा ऽ ला | सो ऽ | ह त |
| सां सां सां | नी नी | प प | प नी ध | नी सां | नी नी |
| अ ध रे | ग्रं ऽ | सी व | जा ऽ ऽ | ऽ ऽ | व त |
| सां गं गं | पं पं | गं सां | नी सां सां | नी – | नी प |
| घुं घ रु | प ग | मे ऽ | बा ज न | ला ऽ | ऽ गे |
| ध़ सा – | ग – | प – | नि – सां | नी प | |
| ता ता ऽ | थै ऽ | थै ऽ | ता ऽ ता | थै ऽ | |

---

## तिलंग [ समय रात १०। बजे ]

सा, ग, मप <u>नी</u>प, सां।
सां, <u>नी</u>प मप गमग, सा ॥

वादी म
संवादी <u>नी</u>
वर्जित रे ध

### ध्रुपद एकताल [ मध्यलय ]

### स्थायी

भरन जो गयी जलजमुनातटपनघट-
नटनागरको प्रगट दरस भयो ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

मुकुट मुरली सीस फूल श्रवन कुंडल
छब दिखाय आली मेरो मन हरलीनो ॥ १ ॥

## स्थायी

| ० | | ३ | | ४ | | + | | ० | | २ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | सा | ग | – | ग | म | – | ग | म | प | प |
| भ | र | न | जो | ऽ | ग | यी | ऽ | ज | ल | ज | मु |
| नी | प | नी | सां | नी | सां | नी | प | ग | म | प | – |
| ना | ऽ | त | ट | प | न | ध | ट | न | ट | ना | ऽ |
| नी | प | म | म | म | प | सां | नी | प | प | प | म |
| ग | र | को | ऽ | प्र | ग | ट | द | र | स | भ | यो |

## अंतरा

| + | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | म | प | नी | प | नी | सां | सां | सां | – | सां |
| मु | कु | ट | मु | र | ली | सी | ऽ | स | फू | ऽ | ल |
| प | नी | प | नी | सां | सां | नी | सां | सां | नि | – | प |
| श्र | व | न | कुं | ड | ल | छ | ब | दि | खा | ऽ | य |
| मं | मं | गं | सां | – | सां | प | नी | सां | सां | पनी | सांसां |
| आ | ऽ | ली | मे | ऽ | रो | म | न | ह | र | लीऽ | ऽऽ |

| पनी पनी | मम पप | ग म |
|---|---|---|
| ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ | नो ऽ |

---

## तिलक–कामोद [ रात १० बजे ]

नी, प, नी, सा, रेगसा , रेमपधमप, सां — वादी नी
सां, प धमग, सारेगसानी, ॥ — संवादी प

### ठुमरी त्रिताल [ मध्यलय ]

स्थायी

नीर भरन कैसे जाऊं सखीरी अब
डगर चलत मोसे करत रार मैं ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

ऐसो चंचल छैल नट हट खट–
मानत ना काहूं की बात बिनति
करत मैं तो गई रे हार मैं ॥ १ ॥

स्थायी

| ग रे प म | ग सा रे ग | सा – नि प | नी सा ग सा |
|---|---|---|---|
| नी र भ र | न कै ऽ से | जा ऽ ऊं स | खी री अ ब |
| प नी सा रे | रे ग सा रे | म प प ध | म म ग सा |
| ड ग र च | ल त मो से | क र त रा | ऽ र मैं ऽ |

अंतरा

| × म म प नी | नी सां – मां | पं नी नी नी | सां मां मां रें |
|---|---|---|---|
| ऐ सो चं च | ल छै ऽ ल | न ट हृ ट | ख ट मा न |
| गं सां गं रें | मं गं – सां | प नी सां रें | नी नि ध प |
| त ना का हूँ | की वा ऽ त | बि न ति क | र त मैं तो |

| प नी ध प | ध म (म) ग सा |
|---|---|
| ग ई रे हा | ऽ र मैं ऽ |

---

दरबारी कानडा [ समय रातको १०॥ बजे ]

सारेग मरेसा, मपध, नी, सां। — वादी ग
सां, ध, नीप, मपग, मरेसा॥ — सम्वादी ध

ध्रुपद चौताल [ मध्यलय ]

स्थायी

राजत चंद्र ललाट त्रिलोचन त्रिपुरारी
गंगाधरन अरधांगी नार ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

व्याघ्रांबर अंबर भस्म भूषण जटाजूट
नीलकंठ शंकर शिव दुखहर ॥ १ ॥

संचारी

हर हर शिव शंकर कैलासवासी अस्तुत
करत धीरज व्रतधारी ॥ २ ॥

आभोग

वैजनाथ महाकाल विश्वेश्वर बद्रीनाथ
भूतेश्वर सरवेसर भवहर ॥ ३ ॥



स्थायी

| ० सा ध़ ध़ | ३ नी़ सा | ४ रे रे | + प — | ० ग॒ — | २ — रे |
|---|---|---|---|---|---|
| गं ऽ | ऽ ज | ऽ त | चं ऽ | द्र ऽ | ऽ ल |

| रे — | रे रे | सा — | रे — | सा रे | नि़ सा |
|---|---|---|---|---|---|
| ला ऽ | ऽ ऽ | ट ऽ | त्रि ऽ | लो च | ऽ न |

| सा ग॒ | म रे | रे सा | म — | म — | म प |
|---|---|---|---|---|---|
| त्रि पु | ऽ रा | ऽ री | गं ऽ | गा ऽ | ध र |

| ग॒ — | म प | नी ध॒ — | ग॒ — | म रे | — सा |
|---|---|---|---|---|---|
| न ऽ | अ र | ऽ ऽ | धां ऽ | गी ना | ऽ र |

अंतरा

| + नी — | ० सा — | २ सा सा | सा० सां — | ३ — सां | ४ — सां |
|---|---|---|---|---|---|
| ध्या ऽ | घ्रां ऽ | ब र | अं ऽ | ऽ ब | ऽ र |

ध ध | नी सां | सां सां | सां रें | सां नी | — प
म ऽ | स्म भू | प ण | ज टा | ऽ जू | ऽ ट

म — | म प | — प | ^प^सां — | नी प | ग ग
नी ऽ | ल कं | ऽ ठ | शं ऽ | क र | शि व

नी ग | — म | रे सा |
दु ख | ऽ ह | ऽ र |

---

## संचारी

\+ | ० | २ | ० | ३ | ४
सा सा | ^नी^ध ध | ध प | प — | — प | — प
ह र | ह र | शि व | शं ऽ | ऽ क | ऽ र

म प | सां — | ^नी^प — | म प | ग — | — —
कै ऽ | ला ऽ | स ऽ | वा ऽ | सी ऽ | ऽ ऽ

म प | नी प | प प | — — | रें — | प —
अ ऽ | स्तु त | क र | ऽ ऽ | ऽ ऽ | त ऽ

ग म | म प | नी प | ग — | रे — | सा —
धी ऽ | र ज | त्र त | ऽ ऽ | धा ऽ | री ऽ

म – | प ध | – नी | सां सां | – नी | सां सां
वै ऽ | ज ना | ऽ थ | म हा | ऽ का | ऽ ल

ध ध | नी सां | रें सां | नि सां | रें ध | नी प
वि ऽ | श्वे ऽ | श्व र | त्र ऽ | द्री ना | ऽ थ

गं – | मं – | रें सां | ध ध | नी सां | नी प
भू ऽ | ते ऽ | श्व र | स र | श्वे ऽ | स र

प ग | – रे | – सा |
भ व. | ऽ ह | ऽ र |

---

अडाना [ समय रातको १०॥ बजे ]

सा रे म प, ध नी सां — वादी सां
सां, नी प, म प ग, म रे सा ॥ — संवादी प

त्रिताल द्रुतलय

गगरी मोरी भरन नही देत
धीट लंगरवा मतवारो ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

जित जाऊं उत आडो ही डोरत
अब न रहूं मैं तोरी नगरी ॥ १ ॥

### स्थायी

| | | | रें सां |
|---|---|---|---|
| | | | ग ग |
| ० | ३ | × | २ |
| रें नी सां प | नि म प सां | मां – नी ध | नी – प – |
| री मो री भ | र न न ही | दे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ त ऽ |
| म – प प | नी प ग – | ग – म रे | रे सा रें सां |
| धी ऽ ट लं | ग र वा ऽ | ऽ ऽ म त | वा गे ग ग |

---

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म ध ध | नी सां सां सां | नी सां रें मां | सां ध नी प |
| जि त जा ऽ | उं ऽ उ त | आ ऽ डो ही | डो ऽ र त |
| म प नी सां | गं मं रें सां | नी सां रें सां | नी प रें सां |
| अ व न र | हूं ऽ मैं ऽ | तो ऽ री न | ग री ग ग |

---

बहार [ समय रातको १०॥ बजे, ठंडीमें सब समय ]

सा, म, ग म प, ग, म, ध, नी नी सां, वादी म

सां, नि प म प, ग म, रे, सा ॥ सम्वादी सां

ध्रुवपद—सुरफाक ( मध्यलय ).

### स्थायी

ब्रज बनिता बनि बनि चाली आली
नवमित सिंगारसाजे बरन बरनके
रंगरंगके बसन पहिरे सांवरी सलोने
गोरी बावरी अप अपने जोवन पर ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

झुमर डारत भुव डगर सुहावत
ताली दे दे गावत डफ मृदंग बजावत-
चोरत चित हसत खेलत मेलत भुज इक
इक्के गर ॥ १ ॥

## स्थायी

| + ध | | | ० | | | २ | | | ३ | | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | सां | \| | नि॒ | नि॒ | \| | प | — | \| | म | प | \| | ग॒ | म |
| ब्र | ज | \| | ब | नि | \| | ता | ऽ | \| | ब | नि | \| | ब | नि |
| नी॒ | — | \| | ध | नी | \| | सां | — | \| | नी | — | \| | सां | — |
| चा | ऽ | \| | ऽ | ऽ | \| | ली | ऽ | \| | आ | ऽ | \| | ली | ऽ |
| नि॒ | नि॒ | \| | प | म | \| | प | ग॒ | \| | — | म | \| | रे | सा |
| न | व | \| | सि | त | \| | सिं | गा | \| | ऽ | र | \| | सा | जे |
| सा | सा | \| | सा | म | \| | म | म | \| | म | — | \| | — | — |
| ब | र | \| | न | ब | \| | र | न | \| | के | ऽ | \| | ऽ | ऽ |
| प | नी॒ | \| | ध | नी | \| | सां | — | \| | सां | सां | \| | सां | सां |
| रं | ग | \| | रं | ग | \| | के | ऽ | \| | ब | स | \| | न | प |
| सां | सां | \| | गं॒ | गं॒ | \| | मं | रें | \| | — | सां | \| | रें | — |
| हि | रे | \| | सा | ऽ | \| | व | री | \| | ऽ | स | \| | लो | ऽ |

| + | | ° | | २ | | ३ | | ° | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | — | गं॒ | मं | रें | — | रें | — | सां | — |
| ने | ऽ | गो | ऽ | री | ऽ | आ | ऽ | व | री |
| प | नी॒ | प | नी॒ | सां | सां | नि | सां | ध | नी |
| अ | प | अ | प | ने | जो | ब | न | प | र |

---

अंतरा

| + | | ° | | २ | | ३ | | ° | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध | — | ध | नी | सां | — | सां | सां | सां | सां |
| झु | ऽ | म | र | डा | ऽ | र | त | भु | व |
| नी | सां | रें | सां | नी॒ | — | ध | नी | — | — |
| ड | ग | र | सु | हा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| — | — | सां | सां | गं॒ | — | मं | रें | — | सां |
| ऽ | ऽ | व | त | ता | ऽ | ली | दे | ऽ | दे |
| नी | सां | रें | ध | — | — | — | — | नी॒ | प |
| गा | ऽ | व | त | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ड | फ |
| ग॒ | ग॒ | म | प | रे | — | सा | सा | — | — |
| मृ | दं | ग | ब | जा | ऽ | व | त | ऽ | ऽ |
| सा | — | म | म | म | म | प | प | म | प |
| चो | ऽ | र | तं | चि | त | ह | स | त | खे |

| ग़ | म | – | – | ऩी | – | ऩी | म | म | म |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | त | ऽ | ऽ | मे | ऽ | ल | त | भु | ज |

| प | ऩी | प | नी | सां | सां | सां | सां | ध | नी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इ | क | इ | क | के | ऽ | ऽ | ग | ऽ | र |

---

## मिया ( तानसेन ) मल्हार

ध, ऩी, सा, मरेप ध नी सां । [ समय रात १०॥ बजे ]
सां, ऩी, प, मप, ग़, मरेसा । [ बरसातमें सब समय ]

वादी ऩी
संवादी ग़

### ध्रुवपद चौताल ( मध्यलय )

#### स्थायी

बरसत घनशाम मोर पोंछी घटा तिलक–
बीच भ्रममरोर रन धुरवा देखियत–
नेत्र कमल सरोज जल चऊं ओर ॥ ध्रु० ॥

#### अंतरा

बाँसी धुन गरजत पीतांबर पवन फेरत
गोप घन साथ जल जैसे चातक ॥ १ ॥

---

## स्थायी

| ° | | ३ | | ४ | | +५ | | ° | | २ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | सां | नी | प | ग | म | नी | ध | नी | सां | – | सां |
| य | र | स | त | घ | न | शा | ऽ | म | मो | ऽ | र |
| नी | – | सां | – | नी | प | म · | प | प | नी | सां | सां |
| पीं | ऽ | छी | ऽ | घ | टा | ति | ल | क | ची | ऽ | च |
| | | म | म | | | | | | | | |
| नी | प | प | ग | ग | ग | म | म | म | रे | सा | – |
| भ्र | म | म | रो | ऽ | र | र | न | धु | र | वा | ऽ |
| | | | | | | | | | | नी | नी |
| ग | ग | म | रे | – | सा | म | – | म | प | ध | ध |
| दे | ऽ | रि | य | ऽ | त | ने | ऽ | त्र | क | म | ल |
| | | | | | | | नी | | | | |
| नी | सां | – | सां | सा | सां | रें | सां | सां | नी | म | प |
| स | रो | ऽ | ज | ज | ल | च | ऊं | ऽ | ओ | ऽ | र |

## अंतरा

| + | | ° | | २ | | ° | | ३ | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | प | नी | ध | नी | नी | नी | सां | सां | सां | सां | – |
| चौं | ऽ | सी | ऽ | धु | न | ग | र | ज | त | पी | ऽ |
| नी | सां | रें | रें | सां | सां | सां | – | नी | – | प | प |
| तां | ऽ | व | र | प | व | न | ऽ | फे | ऽ | र | त |

| रें | – | पं | <u>गं</u> | मं | रें | – | सां | नि | नि | सां | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गो | ऽ | प | घ | न | सा | ऽ | थ | ज | ल | जै | से |

| सां | रें | सां | – | <u>नी</u> | प |
|---|---|---|---|---|---|
| चा | ऽ | ऽ | त | ऽ | क |

---

बागेश्री ( वागीश्वरी ) [ समय ११ बजे ]

सा, म<u>ग</u>, मध, <u>नी</u>सां । वादी म

सां, <u>नी</u>ध, म, पम<u>ग</u>रेसा ॥ सम्वादी सा

त्रिताल मध्यलय

### स्थायी

कोन करत तोरी बिनति पियरवा
मानो ना मानो हमरी बात ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

जबसे गये पिया सुधहू न लीनी ।
चाहे सोतिन के घर जात ॥ १ ॥

### स्थायी

| ० ध सां – <u>नी</u> <u>नी</u> | २ ध म प ध | + म <u>ग</u> <u>ग</u> रे सा | ३ रे रे सा – |
|---|---|---|---|
| को ऽ न क | र त तो री | वि न ति पि | य र वा ऽ |

| नि़ सा नि़ ध़ | नी़ मा – सा | म ध सां – (नी) | ध ग़ रे सा (नी म) |
|---|---|---|---|
| मा ऽ नो न | मा ऽ ऽ नो | ह म री ऽ | बा ऽ ऽ त |

---

### अंतरा

| ग़ म ध नी़ (०) | – सां सां सां (३) | नी़ सां मं गं़ (+) | सां – नी़ ध (२ नी) |
|---|---|---|---|
| ज ब से ग | ये ऽ पि या | सु ध हू न | ली ऽ नी ऽ |
| ध – ध ध (नी) | सां – नी़ ध | ध म प ध | ग़ – रे सा |
| चा ऽ हे ऽ | सो ऽ ति न | के ऽ घ र | जा ऽ त ऽ |

---

## मालकंस [ समय १२॥ रातको ]

धऩीसाम, ग़, मध़, नी़, सां ।
सांनी़धम, ग़मग़, सा ॥ १ ॥

वादी म
संवादी सा
रे प वर्जित

ध्रुपद ताल सुरफाक मध्यलय

### स्थायी

आवन कह गये अजहु न आये सब निस
बीति मोहे गिनत तारे ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

दीपक जोत मलिन होत चलि अन्न का करिये
सखि किन सौतिन बिलमाये प्यारे ॥ १ ॥

## संचारी

होत चेरी जनम जनमको, मोपर
कृपा करो नंद दुलारे ॥ १ ॥

## आभोग

तानसेनके प्रभु आवनकी जो पाये
राखोंगी नयना कजरे ॥ २ ॥

## स्थायी

| + | | ० | | २ | | ३ | | ० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि सा | — | म | म | म | म | म | ग | ध | नी |
| आ | ऽ | व | न | क | ह | ग | ये | ऽ | ऽ |
| ग | म | ध | ध | म | ध | नी | नी | ध | म |
| अ | ज | हू | न | आ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ये |
| म | म | ग | ग | म | सा | सा | — | ध | नी |
| स | च | नि | स | वी | ऽ | ति | ऽ | मो | हे |
| सा | म | म | ग | म | ग | म | सा | ध | नी |
| गि | न | त | ता | ऽ | ऽ | ऽ | रे | ऽ | ऽ |

## अंतरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| म म | म ध | — नी | सां सां | सां सां |
| दी प | क जो | ऽ त | म लि | न हो |
| सां सां | — मां | मां — | सां — | सां — |
| ऽ त | ऽ च | ली ऽ | अ ऽ | ग्र ऽ |
| मां — | सां सां | ध ध | ध म | ग — |
| का ऽ | क रि | ये ऽ | ऽ स | खी ऽ |
| म ध | नि सां | सां — | सां — | नि नि |
| कि न | मौं ऽ | ति ऽ | न ऽ | वि ल |
| ध ध | म — | ग ग | म — | सा — |
| मा ऽ | ये ऽ | प्या ऽ | ऽ ऽ | रे ऽ |

---

## संचारी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सा सा | म म | — म | म म | म म |
| हो ऽ | त चे | ऽ री | ज न | म ज |
| म म | ग — | म ग | म ध | नि सां |
| न म | की ऽ | मो ऽ | प र | कृ पा |
| नी ध | ध म | ग — | म म | ग — |
| ऽ क | रो ऽ | नं ऽ | द दु | ला ऽ |

| ग | म | ध | म | ग | — | म | ग | सा | — |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | रे | ऽ |

आभोग

| म | ध | नी | सां | — | सां | सां | — | सां | मां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ता | ऽ | न | से | ऽ | न | के | ऽ | प्र | भु |
| मां | — | सां | सां | नि | ध | — | म | म | ग |
| आ | ऽ | व | न | की | ऽ | ऽ | नो | पा | ऽ |
| म | ध | म | ध | नी | सां | मां | सां | नी | ध |
| ग | ऽ | यों | ऽ | ऽ | गी | न | य | ना | ऽ |
| म | म | ग | — | म | ग | सा | — | ध | नी |
| क | ज | रा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | रे | ऽ |

---

परज [ समय रात २ बजे ]

साग, मं, धनीसां — वादी सां

सां, निधप गमंग मंगरेसा ॥ — सम्वादी प

ख्याल त्रिताल ( मध्यलय )

स्थायी

का करुना मानेरी सखीरी मोर मुकुट
चाले धीट लंगर–डगर चलत पनिया–
भरत ठिठोरी करत ॥ ध्रु० ॥

## अंतरा

सनद पिया मोरी मानत नाही वार वार
मोसे करत ठिठोरी ॥ १ ॥

## स्थायी

| ° | ३ | + | २ |
|---|---|---|---|
| नि सां नि ध | प ध – नी | रें सां – ध | नी – सां – |
| का ऽ क रु | ना मा ऽ ने | री ऽ ऽ सु | खी ऽ री ऽ |
| नि सां नि ध | प प मं ग | ग – मं ग | रे सा नि सा |
| मो ऽ र मु | कु ट वा ले | धी ऽ ट लं | ग र ड ग |
| ग ग मं ध | मं ध नी सां | सां सां सां गं | रें सां नि ध |
| र च ल त | प नि या भ | र त ठि ठो | री क र त |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं ध मं ध | नी – सां सां | सां रें सां रें | नि – सां – |
| स न द पि | या ऽ मो री | मा ऽ न त | ना ऽ ही ऽ |
| मं गं गं मं | गं रें सां सां | सां रें सां सां | नि ध मं ध |
| वा ऽ र वा | ऽ र मो से | क र त ठि | ठो ऽ री ऽ |

## वसंत [समय रात २ बजे]

सा, ग, मध सां । — वादी – सां
सांनिधप मंधप मंगरे सा ॥ — संवादी – म

ध्रुपद सुरफाक मध्यलय

### स्थायी

वसंत आगत भई आज सखीरी
वरन वरन कोमल कुसुम दल नव फुले
अति विचित्र कुहु कुहु पिक बन बन बोले ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

चलत पवन शीतल मधुकर सब गुंजे
त्रिपुरनाथ फागुन ऋतुपियारे ॥ १ ॥

एकताल द्रुतलय

फुलवा बीनत डार डार, गोकुलकी संग कुमारी
चंद्रवदन चमकत वृक भान किशोरी ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

लेहो चलि चलो कुमारी अपनो आचल समारी
आये वृज चंद्र लाल येरी सजनी ॥ १ ॥

### स्थायी

| + | | ० | | २ | | ३ | | ० | | ४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि | सां | — | सां | नी | ध | नी | ध | मं | ग | | |
| व | सं | ऽ | त | आ | ऽ | ग | त | भ | ई | | |
| मं | ध | नी | सां | रें | सां | नी | सां | मं | ध | | |
| आ | ऽ | ज | स | खी | ऽ | ऽ | ऽ | री | ऽ | | |

सां रें | मां रें | नि ध | मं ग | ग ग
च र | न ध | र न | को ऽ | म ल

ग ग | मं ग | ग मं | ग रे | रे मा
कु सु | म द | ल न | च फु | ऽ ले

मा मा | मा म | ऽ म | मं ग | मं ग
अ ति | चि त्रि | ऽ त्र | कु हु | कु हु

मं ध | सां सां | नि ध | मं ध | मं ध
पि क | व न | च न | बो ऽ | ले ऽ

---

अंतरा

ध मं | ध सां | सां सां | सां — | नि सां
च ल | त प | व न | शी ऽ | त ल

मां मां | सां सां | रें सां | नी ध | मं ध
म धु | क र | स व | गुं ऽ | ऽ जे

सां सां | गं रें | — सां | सां — | मां —
त्रि पु | र ना | ऽ ऽ | ऽ ऽ | थ ऽ

मां — | सां सां | रें मां | नि ध | मं ध
फा ऽ | गु न | ऋ तु | पि या | ऽ रे

---

## स्थायी

| + | ० | २ | ० | ३ | ४ |
|---|---|---|---|---|---|
| सां सां | सां सां | नी ध | नी रें | नी ध | मं ध |
| फू ल | वा री | न त | डा ऽ | र डा | ऽ र |
| मं ऽ | मं ग | ध मं | मं ग | रे रे | — सा |
| गो ऽ | कु ल | की ऽ | सं ग | कु मा | ऽ री |
| नी सा | म म | म ग | मं ध | सां सां | सां सां |
| चं ऽ | द्र व | द न | च म | क त | बृ क |
| सां रें | सां सां | नी सां | नी ध | मं ध | नी — |
| भा ऽ | न कि | शो ऽ | री ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ |

## अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग — | मं ध | नी सां | रें सां | सां सां | — सां |
| लै ऽ | हो ऽ | च ली | च लो | कु मा | ऽ री |
| नी सां | नी ध | ध — | मं ध | सा नी | — नी |
| अ प | नो ऽ | आ ऽ | च ल | स मा | ऽ री |
| सां — | गं — | गं गं | मं गं | रें रें | सां सां |
| आ ऽ | ये ऽ | बृ ज | चं ऽ | द्र ला | ऽ ल |
| रें गं | रें सां | सां सां | नी सां | नी ध | मं ध |
| ए ऽ | री ऽ | स ज | नी ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ |

## सोहिनी ( शोभिनी ) [ समय रात ३ बजे ]

साग, मंध, नीरें सां ।
सांनिध, मंग, रे, सा ॥

वादी सां
संवादी ध

त्रिताल मध्यलय

### स्थायी

काहे अब तुम आये हो मेरे द्वारे
सोतन संगजागे रस पागे अनुरागे जागे ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

झुटी झुटी बतिया करोना मनरंग अब
वही जावो जिन जुवति सन अनुरागे ॥ १ ॥

### स्थायी

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| सां – – नि | मं ध मं ध | सां – – – | नि ध नि ध |
| का ऽ ऽ हे | अ ब तु म | आ ऽ ऽ ऽ | ये ऽ हो ऽ |
| – ग – मं | ग – रे सा | सा सा सा ग | ग मं – ग |
| ऽ मे ऽ रे | द्वा ऽ ऽ रे | सो त न सं | ग जा ऽ गे |
| मं ग मं ध | सां – – – | नी ध मं – | – ग ग मं |
| र स पा ऽ | गे ऽ ऽ ऽ | अ नु रा ऽ | ऽ गे पा गे |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं ध मं ध | नि नि सां सां | सां रें सां रें | नि सां नि ध |
| झू टी झू टी | च ति या क | रो ना म न | रं ग अ व |
| सां मं गं रें | सां रें नी सां | नि ध ध सां | नि मं – ध |
| व ही जा वो | जि न जु व | ति स न अ | तु रा ऽ गे |

---

ललित [समय रात ४॥ बजे]

नीरेगमंम, ग, मंधसां । — वादी म
सांनिध मंध मगरेसा ॥ — संवादी सां

ध्रुवपद सुरफाक मध्यलय

रंग जुगतसो गावे बजावे ताल मान
सुरसंगत आवे ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

द्विगुण तिगुन चौगुनसो भेद बतावे
जब लागे थाट प्रमान देखावे ॥ १ ॥

संचारी

अपना मुखसो गुनी कहावे ताल मानके-
बेवर पावे ॥ २ ॥

आभोग

तानसेन कहे होवे गुनियन छत्रपती अकबरको-
रिझावे ॥ ३ ॥

स्थायी

| + | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी रे | ग म | म म | म — | — म | — म | — म | मं — | ग — | — — |
| रं ऽ | ग जु | ग त | सो ऽ | ऽ गा | ऽ वे | ऽ त्र | जा ऽ | वे ऽ | ऽ ऽ |
| मं — | ध मं | — ध | सां — | सां सां | रें नि | ध ध | मं ध | नि ध | मं ग |
| ता ऽ | ल मा | ऽ न | ऽ ऽ | सु र | सं ऽ | ग त | आ ऽ | ऽ ऽ | वे ऽ |

अंतरा

| + | ० | २ | ३ | ० |
|---|---|---|---|---|
| ध मं | ध सां | सां सां | सां — | सां सां |
| द्वि गु | ण ति | गु न | चौं ऽ | गु न |
| सां — | नी रें | नि ध | ध म | मं म |
| सो ऽ | भे ऽ | द् व्र | ता ऽ | वे ऽ |
| मं ग | मं ध | मं ध | सां सां | सां सां |
| ज ब | ला ऽ | ऽ ऽ | ऽ गे | था ट |
| सां सां | नी रें | नी ध | मं ग | मं ग |
| प्र मा | ऽ न | दि खा | ऽ ऽ | वे ऽ |

## संचारी

| + | | ° | | २ | | ३ | | ° | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | रे | ग | म | म | म | म | — | म | म |
| अ | प | ना | ऽ | मु | ख | सो | ऽ | गु | नी |
| — | म | ग | — | म | ग | म | ग | रे | ग |
| ऽ | क | हा | ऽ | ऽ | ऽ | वे | ऽ | ऽ | ऽ |
| ग | — | म | — | ध | — | मं | ध | सां | — |
| ता | ऽ | ल | ऽ | मा | ऽ | ऽ | न | के | ऽ |
| नी | रें | नी | नी | ध | ध | मं | ग | ग | — |
| वे | ऽ | ऽ | ऽ | व | र | पा | ऽ | वे | ऽ |

## आभोग

| × | | ° | | २ | | ३ | | ° | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध | मं | ध | सां | — | सां | सां | सां | — | — |
| ता | ऽ | न | से | ऽ | न | क | हे | ऽ | ऽ |
| नी | रें | नी | ध | मं | ध | सां | सां | सां | — |
| हो | ऽ | वे | ऽ | गु | नि | य | न | छ | ऽ |
| सां | सां | सां | — | नी | रें | नी | ध | मं | ग |
| त्र | प | ति | ऽ | अ | क | न | र | को | ऽ |
| म | म | — | ग | म | ग | रे | रे | सा | नी |
| रि | झा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | वे | ऽ |

## जोगिया [ समय रात ४ बजे ]

सा, रे म, प, धसां । वादी ध
सांनिधप, मरेसा ॥ संवादी रे

ध्रुपद तेवरा मध्यलय

### स्थायी

रंग अवीर कहासे पाऊं सखियन
मिल लूटलई शाम ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

अब तुम संग होरी न खेलूं
क्यों नवहा जावो जहातक हैं तुमरी राह ॥ १ ॥

### स्थायी

| + | २ | ३ | + | २ | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| रे म प | प ध | प ध | सां – – | नी ध | – प |
| रं ग अ | बी ऽ | र क | हा ऽ ऽ | से ऽ | ऽ ऽ |
| रे म प | म रे | सा – | प ध प | ध सां | सां सां |
| पा ऽ ऽ | ऽ ऽ | ऊ ऽ | स खि य | न ऽ | मि ल |
| प नी ध | म रे | म प | म प ध | म रे | सा – |
| लू ऽ ट | ल ई | ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | शा ऽ | म ऽ |

---

### अंतरा

| + | २ | ३ | + | २ | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| म म – | प ध | सां – | ध सां – | ध – | सां – |
| अ ब ऽ | तु म | सं ऽ | ऽ ग ऽ | हो ऽ | री ऽ |

| रें – – | सां नि | ध – | प – – | म म | म रे |
|---|---|---|---|---|---|
| न ऽ ऽ | खे ऽ | लू ऽ | क्यों ऽ ऽ | न च | हा ऽ |

| मा सा सा | प म | प ध | रें सां – | नी ध | म म |
|---|---|---|---|---|---|
| जा वो ऽ | ज हा | त ऽ | क त ऽ | है ऽ | तु म |

| प ध – | म रे | – सा |
|---|---|---|
| री ऽ ऽ | रा ऽ | ऽ हू |

---

राग कालंगडा [ रातको ५ बजे ]

सा, रे, ग, म, प, ध, नी, सां, — वादी म

सां, नी, ध, प, म, ग, रे, सा, — संवादी रे

दादरा मध्यलय

जागिये रघुनाथ कुंवर
पंछी बन बोले ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

चंद्र किरण सीतलभई
चकईकी मिलन गई
त्रिविध मंद चलत पवन
पल्लव द्रुम डोले ॥ १ ॥

स्थायी

| × ग म ग | रें सा रे | × नी नी सा | रें ग म |
|---|---|---|---|
| जा ऽ गि | ये र घु | ना ऽ थ | कुं व र |

| ग | म | प | ध | प | म | म | ग | रे | ग | — | म |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पं | ऽ | छी | ऽ | य | न | सो | ऽ | ऽ | ले | ऽ | ऽ |

अंतरा.

| × | | | ° | | | × | | | ° | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | म | म | ग | म | प | ध | प | ध | प | — |
| चं | ऽ | द्र | कि | र | ण | शी | त | ल | भ | ई | ऽ |
| प | ध | नी | सां | सां | — | नि | सां | नि | ध | प | — |
| च | क | ई | ऽ | की | ऽ | मि | ल | न | ग | ई | ऽ |
| म | म | म | म | ग | म | ध | ध | ध | ध | प | प |
| त्रि | वि | ध | मं | ऽ | द | च | ल | त | प | व | न |
| ध | — | प | म | म | म | म | ग | रे | ग | म | — |
| प | ऽ | छ | घ | टु | म | डो | ऽ | ऽ | ले | ऽ | ऽ |

रामकली [ समय रातको ५ बजे ]

सारेगम, प, ध, नीसां — वादी ध

सांनिधप, मपधप, मगरेसा — संवादी म

ध्रुपद झपताल मध्यलय

आज नंदलालसखी प्रेममादक पिये
संग ललना लिये तीर जमुना चरन ॥ ध्रु० ॥

### अंतरा

फ़लि केसर कुसुम मालती सघनबन
मंद सुगंध लिये तीर ज़मुना बरन ॥ १ ॥

### स्थायी

| × | ३ | ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|---|---|
| ध॒ – | ध॒ प प | (नि) ध॒ म | प म म | म रे॒ | रे॒ ग म |
| आ ऽ | ज नं द | ला ऽ | ल स खी | प्रे ऽ | म मा ऽ |

| ० | ३ | × | १ | ० | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| ग रे॒ | रे॒ सां – | (नी) ध॒ – | ध॒ ऩी सा | रे॒ – | रे॒ सा – |
| द क | पि ये ऽ | सं ऽ | ग ल ल | ना ऽ | लि ये ऽ |

| × | २ | ० | ३ |
|---|---|---|---|
| म रे॒ | रे॒ ग म | रे॒ – | (रे॒) सा सा सा |
| ती ऽ | र ज मु | ना ऽ | व र न |

---

### अंतरा

| × | २ | ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|---|---|
| म – | म (नी) ध॒ – | नी सां | सां सां सां | ध॒ – | ध॒ नी सां |
| फ़ ऽ | ली के ऽ | स र | कु सु म | मा ऽ | ल ती ऽ |

| ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
|---|---|---|---|---|---|
| रें मां | सां (नी) ध॒ प | म – | म नी॒ ध॒ | नी सां | सां सां सां |
| म घ | न व न | मं ऽ | द सु ऽ | गं ऽ | ध लि ये |

| × |  | २ |  |  | ० |  | ३ |  |  |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | रे | रे | ग | म | रे | — | रे | रे | सा |
| ती | ऽ | र | ज | मु | ना | ऽ | व | र | न |

समाप्त

# भैरव

राग भैरव त्रिताल (मध्यलय)

पिया मिलनकी बारीरें अरी एरी सखी जतनको बतावो मैं तोरे बलिहारीवारी मैं ॥ धृ० ॥ बहुत दिनन पाछे पिया मोरे आये मंगल गावो सखी ए सारी मैं ॥ १ ॥

भैरव त्रिताल

प्याला मुज भरदेरे मतवारो मोरी संय्या वीतगईली सगरी रैन भैली भौर ॥ धृ० ॥ हम तुम पीवें चखे चखावे देखके जावे दुरजन लोग अब करलियो अतशोर ॥ १ ॥

सदर

मेहेरकी नजरकीजे सुख संपत दीजे तूं करीम करतार ॥ धृ० ॥ नित उठ आस तेहारी साफ नजर तेरे दारका भिकारी जगमे करम फजलकी शरम रखलीजे ॥ १ ॥

सदर धृपद ता. ४ (मध्यलय).

शारदा सरस्वती सार्वकला समारानी सर्वाणी सर्वकी सरीत्रयी रूप धरनी ॥ धृ० ॥ खलनी दलनी कौंद करनी विरदवेद पाल करनी दीनन सुखदानी सरनी असुरन नेस्तार करनी हरनी भौम भार महा मोह हरनी ॥ १ ॥ पतीत पावनी निराकरनी अद्भुतगति देव तरनी परमरूप धारनी विश्वभार हरनी ॥ चिंतामणि आनंद करनी अनेक जनम दोख दलनी करनी सुखविलास मकल आनंदकी खानिदानी गायक नेस्तारसुखसिंधुतरनी ॥ १ ॥

सदर एकताल (विलंबित)

कोयल बोले माई मोडिंग लालके बागपे ॥ धृ० ॥ काहे को निम-दिन बोल सुनावत आवत मोरे द्वारपे ॥ १ ॥

भैरवी चौताल ( विलंबित )

जो तूं रचो समान दया असे नना प्रकार जाये नांव विशाल सदा हरहर गुन गाय गाय ॥ धृ० ॥ दुगसुख जीये आये माये ओरन अंतर लाये ओक्त जोक्त संपूरन ध्यान अंतर लाये लाये ॥ १ ॥ जाकी माया निरंकार देखिन जात अप्रंपार सुग्नरमुनि कर विचार जाको शिव ध्याय ध्याय ॥ १ ॥ प्रेमदाम श्रीनिवास पूरन घटघट प्रकाश जल स्थल त्रिभुवन विशाल सदा हरहर गुन गाय गाय ॥ २ ॥

तराना त्रिताल ( द्रुतलय )

तदारे दानी तों तनननन देरेना तन नित तन देरेना उदानी दानी तदानी दानी तों तननन देरेना ॥ धृ० ॥ उदतन उदतन नित्तन नित्तन तनों तों तनन तदीं दीं तनन तदीं दीं तनन तदीं दीं तनन तन देरेना. तन नादर दर दर तुं दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दानी धिं तिरकिट तकनरु तिरु धा कडें धा किड धां धा कतिन्ना कडें ताइत धा ॥ २ ॥

भैरवी त्रिताल ठुमरी ( मध्यलय )

कैसे ये भलाईरे कन्हाई पनिया भरन मोरी गगरि गिराई करके लराई ॥ धृ० ॥ सनद कहे ऐसो धीट भयो कन्हाई का करूं मैं नही मानत कन्हाई करत लराई ॥ १ ॥

सदर पंजाबी ठेका

रसीली तोरी अंखियाने जादू मारा ॥ धृ० ॥ जादूकी पुडिया भरभर भारी काकरे बैद विचारा ॥ १ ॥

भैरवी कव्वाली

बाजुबंद खुली खुली जात सावलियाने हो जादुमारा ॥ धृ० ॥ नाम हे चाली नाम हे बोली रे अचरा उरी उरी जात ॥ सावलि ॥१॥

भैरवी ठुमरी (पंजाबी ठेका)

दरवजवा ठाडि रहूं । पियाकी आवनकी भई देरिया ॥ ध्रु० ॥
ताया पियाको वेगी बुलावोरे निकस जात जिया ए पिया ॥ १ ॥

भैरवी झपताल (मध्यलय)

भवानी दयानी महावाक्‌वाणी सुरनर मुनिजन मानी सकल बुध-
ग्यानी ॥ ध्रु० ॥ जगजननी जगजानी महिषासुरमर्दिनी ज्वालामुखी
चंडी अमर पद दानी ॥ १ ॥

## देसकार

राग देसकार झपताल (मध्यलय)

चिडिया चौंचानी चकईकी सुनो बानी कहती जसोदा रानी जागो
मेरे लाला ॥ ध्रु० ॥ रविकी किरणजानी कमलानी विकसानी कुमुदानी
सकुचानी दधिमथत ग्वाला ॥ १ ॥

देसकार त्रिताल (द्रुतलय)

जागो जागो जाग कीनो ओरेभोर कहत कहत सुनत सुनत दुबरकी
रस बतिया ॥ ध्रु० ॥ बैस बेस बैठे न्यारेहो फिर बैठे भुजनसो भुज
मिलाय सब बीती रतिया ॥ १ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

सुध लीजे विनति हमारी गिरिधारी हूं तो शरण तेहारी ॥ ध्रु० ॥
तुम हूं दाता मै हूं भिखारी तुमबिन कोन पतित दुखहारी मनरंग
आस तेहारी ॥ १ ॥

ताल एकताल (विलंबितलय)

तो उनके कारन जाग ली पियरवा आईल भईल भोर हो ॥ ध्रु० ॥
सुमिरन कर रही असियन मोरी लाग रहीली चऊं ओर ॥ १ ॥

## दुर्गा

राग दुर्गा त्रिताल (मध्यलय).

देवि भजो दुरगा भवानी जगत जननी महिषासुरमर्दिनी ॥ ध्रु० ॥
हिमनगनंदिनी भवभयकंदिनी शरनागत चतुर अभयवरदानी ॥

राग दुर्गा ख्याल ताल तिलवाडा (विलंबित)

तूं जिन बोल रे प्यारे रंग चूवे पेहर ॥ ध्रु० ॥ रैन अंधेरी मानन
धरिये मोरा जियरा डरे गो ॥ १ ॥

राग तोडी ताल (त्रिताल)

लंगरका करिये जिनमारो मोरे अंगवा लगजादे ॥ ध्रु० ॥ सुन
पावे मोरी सासननंदिया दौर दौर घर आवे ॥ १ ॥

सदर

बेगलिया पतिया पतगवा मोरे पियासन मोरा संदेसवा ॥ ध्रु० ॥
घरी घरी पल पल छिन छिन मैका जुगसे बीतत हैं बीगलिया चिरी हो
छतिया पतिया ॥ १ ॥

सदर ता. एकताल (विलंबित)

लाल मनावन मैं चली समुझात नहीं मैं काहूं की बात ॥ ध्रु० ॥
हूं तोरे कारन व्याकुल भयी प्यारे तूं उठ चल मोरे साथ ॥ १ ॥

सदर

तोरी छब मोरे मनही मनभावे अधकसुहावे ॥ ध्रु० ॥ साथसखी
मिल देहो मुबारख सुंदर सुधर गाये बजाये रिझाये ॥ १ ॥

आसावरी

त्रिताल (मध्यलय)

मोरे कान भनकवा परिलो रीमा जब आवेंगे हमरे लालन आपही
मोरे मंदरवा ॥ ध्रु० ॥ जब आवेंगे मोरे दरवजवा तनमनधन नोछावर
करिहो सदारंगीले महमदसाई रतन झनकवारे ॥ १ ॥

चतरंग त्रिताल ( मध्यलय )

चतरंग रस सुन गाये बजाये सुरताल मिल आलापकर सुनाईये ॥ ध्रु०॥ नादरदर तिलाना तदीं तदींदीं नितारे नितारे तारे दानी सा–सा सारेम रेमप मपध पधनी धनीसां हर्षगोयंके फर्दा तर्कनूं संताकिनो बाजे चूं सफर्यू रोजगारा कुनौ ॥१ ॥

ख्याल त्रिताल ( मध्यलय )

भोर कही मिलन बहिरवा मोरी भाई पीतम ढिंगवा रासमंदिलरा-बाजे मंदरवा ॥ ध्रु० ॥ आवो गावो नाचो सब संगकी सहेली संदारंग धरे रहिलवा ॥ १ ॥

भजन त्रिताल ( मध्यलय )

प्रभुको सुमर सुमर मन मेरे पाप कटे जासो सब तेरे ॥ ध्रु० ॥ दो दिनके सुखकारन मूरख पावत उमर बखेरे गंगाजमुना काशी जंगल हरघटमो हरनेरे ॥ १ ॥

जोनपुरी

त्रिताल ( मध्यलय )

कानन करो मोसे रार अब ही जाय करे हो पुकार लंगर झगर गगरिया मोरी दीनी डारी ॥ ध्रु० ॥ अंछर जा जसोदासो कहियो अपने लंगर ढीट को संभारो ॥ १ ॥

झुमरा ( मध्यलय )

बाजे झनन झनन पायलिया मोरे राजदुलारीके अंगनवा ॥ ध्रु० ॥ मान मतंग मतवारोही डौले इन नयनन अतछांडे मा ॥ १ ॥

तिलवाडा मात्रा १६ ( विलंबित )

भली बजाईरे तुने वासुरिया बनवारी ॥ ध्रु० ॥ अनेक रंग तरंग उपजावत मोहलयी सब बृजनारी ॥ १ ॥

ध्रुपद चौताल ( विलंबित )

गोकुल गोचारन गोपाल गरुड़पत गरुडगामी गोविंद इंदु गिरिधारी ॥ ध्रु० ॥ जनार्दन हृषीकेश रंगनाथ रणछोड वामन बनवारी ॥ १ ॥

भजन त्रिताल ( मध्यलय )

करले सिंगार चतुर अलबेली साजनके घर जाना होगा ॥ ध्रु० ॥
मिट्टी ओढावन मिट्टी बिछावन मिट्टीसे मिल जाना होगा ॥ १ ॥
न्हा ले धो ले सीस गुंथा ले फिर वहासे नही आना होगा ॥ २ ॥

अलैय्या ( बिलावल )

ध्रुवपद चौताल ( विलंबित )

जटामधे गंग अंग भभुता रमाई बिछाई खाल व्याघ्रांबरकी ॥ ध्रु० ॥
पुन तीनत्रिशूलधर गले मुंडमाल सोहि लगाई समाधी व्याघ्रांबरकी ॥१॥

ख्याल एकताल ( विलंबित )

दैंया कहां गये वे लोग बृजके बसैय्या ॥ ध्रु० ॥ ना मोरे पंख और पायल ना को मो सुधको लेवैय्या ॥ १ ॥

त्रिताल ( मध्यलय )

कवन बटरिया गईलो माई देहो बता दे अब भागत चुरिय गईलवा लेन गई सुध आरे हटवारे इतने गली मे गईलो कवनरा माई ॥ १ ॥

तराना ( द्रुतलय )

तों तननन तन तुंदरना तान देरेना तन तुंदर तदरे दानी दीं तननननन उदत तनन नितत तनन नित नित तदरे दानी ॥ ध्रु० ॥
उदनारे नादर दर दीं दीं तना तना तदरे दानी दीं तननननन उदत तनन नितत तनन नितनित तदरे दानी ॥ १ ॥

### सदर

दर दर तर्दी दीं तनद्रेना तननना नितानतन देरे तंदानी यलली या लला ललि ॥ ध्रु० ॥ दारंदीलेआमाची दिल सहुण हरखा दर बगल चष्मे मकुंद दर्यास्ते आशके व तुफा ॥ १ ॥

### सारंग

ध्रुपद चौताल (विलंबित)

ए महादेव शंकर जटाजूट त्रिनयन नीलकंठ ॥ ध्रु० ॥ व्याघ्रांबर ओढे सीस बभुत रमाई लगाई समाधि व्याघ्रांबरकी ॥ १ ॥

सुरफाक त्रिताल (मध्यलय)

पूर्णब्रह्म श्रीरामा सुखधामा स्वामी नवमी दिवसे मधुमासे ॥ ध्रु० ॥ रविकुल माध्यान्हे कर्कट लग्ने जन्मे पुनर्वसु नक्षत्र विलासे ॥ १ ॥

ख्याल त्रिताल (मध्यलय)

घुंगरवा मोरा बाजोरे बाजोरे ॥ ध्रु० ॥ सुनपावे मोरी सास ननदिया उनहूं आये लाज ॥ १ ॥

सदर

बृजमे दधि बेचन जात सखीरी बीच मिलगयो शामसुंदर ग्रुसे ठिठारी करत बेगी आवो ॥ ध्रु० ॥ दधिकी मटकी फोरी सगरी चुनर फारी बतिया करत मोरी देखे सब बृजनारी फजित भये जनवा ॥ १ ॥

धमार (विलंबित)

बृजमे धूम मचाई मोहनके लाल मुरारी गावत होरी तारी दे दे ॥ ध्रु० ॥ एक गावत एक मृदंग बजावत एक नाचत गत न्यारी ॥ १ ॥

## मेघमल्हार—गौंटसारंग

### ध्रुपद चौताल ( विलंबित )

आयोरे पावस दल सांज काजमधे ना नरेंद्र प्रबल जान पीतम अकेली नवकुंजसदन ॥ ध्रु० ॥ पवनपानी गजबदरा मत वारो कारमार आवत डर पावस दल पंछ रदन ॥ १ ॥

### गौंड सारंग त्रिताल ( मध्यलय )

पलन लागी मोरी अखियां आलि बिन पियु मोरा जिया घबरावे चैन नही आवे घरि पल छिनदिन रैन ॥ ध्रु० ॥ वीरपथिकवाले जावो संदेसवा पीयासन कहियो मोरी व्यथा तुमरे दरसबिन परत नाही बिरहन बिकल ॥ १ ॥

### एकताल ( विलंबित )

कजरारे प्यारी तेरे नयन सलोने मदभरे पियाके प्यारे एरी अंजन बिन ॥ ध्रु० ॥ चंचल चपल चकचक जो चमकत खंज मीन मृगवारे वारे डारे एरी अंजन बिन ॥ १ ॥

### ध्रुपद ( चौताल विलंबित )

माधो मुकुंद मधुसूदन मुरारी मायापति मनरंजन ॥ ध्रु० ॥ पतीत पावन दीनबंधु काटत दुख दौंद फंद सुदामाके दारिद्र भंजन ॥ १ ॥

## भीमपलास

### ध्रुपद चौताल ( विलंबित )

सास सदन मदन कदन दरसनको ले पूजा जात देखि एकबार ॥ ध्रु० ॥ सहज निकट आये हरी हरख हरख पुछन लागी काहा जात एरी ग्वाल यंकहे पकर लीनी वाको करको हर ॥ १ ॥

### त्रिताल ( मध्यलय )

गोरे मुखसो मोरे मन भाये लुक छुप दरसन अतही सुहावे ॥ ध्रु० ॥ नयन मिरग सम चंद्रमुखी वदन कमल अत सदारंगमनछांड ॥ १ ॥

एकताल (विलंबित)

लोग चवाव करत कित जाऊं सखी प्यारे की प्रीतकरी नयनासे न्यारी ॥ ध्रु० ॥ हूं तो करत अपनी बतियामोसे भाई कोन सुने जर तूं जार ॥ १ ॥

अस्ताई (तिलवाडा विलंबित)

अब तो बडी वेर भई टेरत हू मैं करम करे रबा मांडे साई ॥ ध्रु० ॥ भवर जंजालमे आन फसी हू भवसागरमे गहे पकरो मोरी बैया ॥ १ ॥

(त्रिताल मध्यलय)

ढोलन माडे घर आमिवे सोणा मिया तो मैंनी तांडे सद के जावाँ ॥ ध्रु० ॥ सुखवे खांतो मैं जीवां सदारंगीले दरस तांडा पावावे ॥ १ ॥

## सिंदूरा

एकताल (विलंबित)

पीतम प्यारे की पॉती जो आई बाचे दे मोरी बीरन मनुवा ॥ ध्रु० ॥ आमोरे बालम बैठ मोरे कांगनवा देहूं तोहे कांगनवा ॥ १ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

राजा तेरे बागमे तो कलिया बीन न जाऊं ॥ ध्रु० ॥ कलिया बीन न मयी चली धन जोबन और माई काटन लागे दौद कहु मैं नेवारी चहुली वार ॥ १ ॥

होरी ताल दिपचदी (मध्यलय)

बृजमे खेलन मत जाऊं मोरे बाला मिल जैंये परी नंदके लाल ॥ ध्रु० ॥ देखो देखो सखी बृजमे धूम मची है । निमदिन उडत अबीर गुलाला ॥ मिल ॥ जहा कृष्णजीने असुर संघारे कालिनागको नर्तनवाला ॥ मिल ॥ कृष्णदास कर जोरी कहत हैं घट घट व्यापक को बंसीवाला ॥ ३ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

गावो रिध सिध मंगलदाता वंदो सरसती भारती माता ॥ ध्रु० ॥
मूषकवाहन श्री गणनायक सिंदुरारि विभु जगके त्राता ॥ १ ॥

## धानी

त्रिताल (मध्यलय)

मोरी कर पकरत गई बंगरि मुरक सखी ऐसो धीट लंगर ठाटो मग बर जोरी मोरी एकहू न मानी ॥ ध्रु० ॥ हूं तो पनिया भरन निकसी पन घट पनिया चल जात ऐसो छैला सनंदपा हुसेन छुटी मसलख न बैर ॥ १ ॥

सदर

काहे हरलीनो सुधबुध बालम जानगयी अब बने निठुर तुम ॥ ध्रु० ॥
राहत कत नित बितत रतिया बतिया करत क्यों झूटी हरदम ॥ १ ॥

सदर

कृष्ण मुरारी बिनति करत कर हारी। चुरिया करक बंगरि मुसक बतिया करत लाजन आई निठुर कन्हई ठिठोरी करत डरत नाई मैं तो हारी ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

सब ही नर नारी देखत लाजन आई इत उत काहेको मुसुकयात ऐसी अबकी जानेदे बात मिलोंगी रात रहोंगी साथ सुनोंगी बात घरको जानेदे रतिया आनेदे सास सुने तो दोंगीगारी ॥ १ ॥

## मुलतानी

त्रिताल (मध्यलय)

सुंदर सुरजन वा साईरे साईरे मनभाईरे ॥ ध्रु० ॥ निसदिन तुमिरो ध्यान धरत है आनमिले रससाईरे ॥ १ ॥

सदर

आज बाजत बधाई बरसाने मै सुनकर आई अपने काज ॥ ध्रु० ॥ नर नारीन मिल मंगल गाऊं सननननननन दरस ध्यायी ॥ १ ॥ उर्फ तेर्फ धन लाग दाटसो सुन नाही रे तान धाधाकिटतक धुमकिट किटतक परन झरन बाजी नोबत कान ॥ २ ॥

ताल तिलवाडा ( विलंबित )

गोकुल गांवको छोरा बरसानेकी नार ॥ ध्रु० ॥ इन दोऊ अना मिल मोह लयीरे यही सदारंगनेहार रे ॥ १ ॥

त्रिताल

रुणुक झुनक मोरी पायल बाजे । बिछुवा छुमछुम छननन साजे ॥ ध्रु० ॥ सेज चढत मोरी झांझन हाले सास ननंदकी लाजे ॥ १ ॥

**जयजयवंती.**

ध्रुपद चौताल ( विलंबित )

जय मालरानी तूं मान महाराणी विद्या सरसती वैकुंठ निशानी ॥ ध्रु० ॥ तूं ही गुपत तूं ही प्रगट तूं ही जलस्थलमें सकल श्रेष्ठ मानी तूं आदि भवानी ॥ २ ॥

संचारी

तूं ही सूर परम सूर तूं ही देव आदिदेव तूं ही नामरूपसकल गुननकी खानी ॥ ३ ॥

आभोग

तानसेनकी माई कहा कहूं प्रभुताई जगत जाहिर करदीनी तूं ने मेरी वाणी ॥ ४ ॥

अस्ताई झुमरा ( विलंबित )

लरामाई माजन उनबिन कहो कैसे कटे दिन रजनी ॥ ध्रु० ॥ कौन सुने कहो कैसे आली दुखकी बतिया ॥ १ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

दामिनी दमके डरमोहे लागे उमगे दलबादल शामघटा ॥ ध्रु० ॥ लीख भेजूं उस नंदनंदनको मेरी खोल आँखि देखो वृथा ॥ १ ॥

## पूर्वी

त्रिताल (मध्यलय)

एरी मैको सब सुख दीनो दूध पूत और अन दन लछमी पिया पायो गोविंद रंग भीनो ॥ ध्रु० ॥ अधम उधारन जशविस्तारन कृपा करन दुख हरन सुख करन आजजके सब लायक किनो ॥ १ ॥

सदर

मथुरा न जावो कोन वहा है कुबजा नारी नारी अनारी ॥ ध्रु० ॥ हूं तो पे परनारी मानो उतहून जैय्यो कृष्ण मुरारी ॥ १ ॥

सदर

कगवा बोले मोरी अटरिया सकुन भईलवा सखी मोरी भुजवा फडकन लागे ॥ ध्रु० ॥ अब न करो तुम मोरे पियरवा डारु गरे फुलन के हरवा सखीरी उनपर तनमन वारी ॥ १ ॥

सदर एकताल (विलंबित)

सदारंग नित ऊठकर देत दुवाई ॥ ध्रु० ॥ काजे दुनीया बीच फ़लिवे गुमानना कर कर मधुर वे शरत् बुलावे ॥ १ ॥

## मारवा

त्रिताल (मध्यलय)

काहुकी रीत काहुकरे सखीरी मीत पियरवा जो जो करिये सो सो आपने मनकी ॥ ध्रु० ॥ होवाधीन तन धन मनरंग तुम तो मेहेरबान सबके सदारंग पर रंग बरसावे ॥ १ ॥

### सदर

आनावे मिल जानावे सामिदा शरद्गिगानावे ॥ ध्रु० ॥ चंदनका कठडा बनाया तापर बैठे तानावे ॥ १ ॥

### झुमरा (विलंबित)

ननदिया चवावन मोरीरे सब घरघर चवाव करत फिरत रहत नित झूट साच ॥ ध्रु० ॥ काहूंके लगाये बुझाये कहा होत है माई साचको कहा आंच ॥ १ ॥

### ध्रुपद चौताल (विलंबित)

गायक सब मिल विचार लेहो या बातको सुध अस्ताई सुध अच्छर तान रागकी संगत मे धरन मुरन सुंदर तब कहिये वाको ॥ ध्रु० ॥ ओक्त जोक्त काव्यमे धारे अनुप्रास तब धुरपद बनाय गावे सुनावे ऐसे जो होवे श्रेष्ठ श्रवन सुखदायक ॥ १ ॥

### मांड

### दीपचंदी (मध्यलय)

बालम मोरा सुनिहो बालम मोरा ॥ ध्रु० ॥ मेहेल पधारो धीमा मोसे बोलो यारीरे झुरके झुकार रंगमे ॥ १ ॥

### दादरा (मध्यलय)

मन मानत नाही शाम विना मन मानत नाही ॥ ध्रु० ॥ मंदिरवान सोहाय तजके विंद्रावन प्यारे वतनसे ढुंढनको सखी आपही निकसुं करके जोगिनीयाका बेस ॥ १ ॥

### केरवा (मात्रा ४)

तोसे बचन दे मै हारी बलमा हारी बलमा हारी बलमा ॥ ध्रु० ॥ क्यों जी पिया बगियामे चलोंगे तुम हो कंथ हजारी ॥ १ ॥

### दीपचंदी

पिया बिन नाही आवत चैन । कारे करू कित जाऊं ॥ध्रु० ॥ याद आवत जब उनकी बतिया मोहे ॥ १ ॥

### झिंझोटी

त्रिताल ( मध्यलय )

पियासे संदेशा मोरा कहियो जा कागारे जारे जारे ॥ध्रु० ॥ याद आवत जब उनकी बतिया मोहे रहम रहस गर लागो जियवा ॥ १ ॥

### सदर

मांवरी सुरतियापे मै जाऊं वारीरे । चाल चलत रूम झम मतवारीरे ॥ ध्रु० ॥ नैना मिलावत बार बार मोसे । हैदर प्यारी तोरी छब न्यारी न्यारीरे ॥ १ ॥

### टप्पा

या गुमानि या खेलाडा न करो मोहे मैंतो तीदको समारनवाला ॥ ध्रु० ॥ या शोरी एक टप्पा गाके दिल बेहेला जा ॥ १ ॥

### खेमटा

मेरी गली न आनो समलिया ॥ ध्रु० ॥ मेरे गलीके लोग बुरे है। डारेंगे तेरे गलेमे फॉसा ॥ १ ॥

### गारा

ठुमरी दादरा ( मध्यलय )

कौने अलबेलीकी नार । झमाझम पानी भरेरी ॥ ध्रु० ॥ हाथमे चुरिया कांदे गगरीया बाकी चितवनसे मोहे घायल करोरी ॥ १ ॥

तराना त्रिताल ( मध्यलय )

तनतुंदर तदरे तानी तारेदानी तदानी तनतुंदर दानी तारेदानी तदानी ॥ ध्रु० ॥ नादर दर तदारे दानी नादर दर दानी तदानी तन तुंदर तद्रेदानी तारेदानी तदानी ॥ १ ॥

टप्पा मध्यमान ( मध्यलय )

मिया जानियारवे मिया सांडिया मैं विरहूं सांग लैरालेले ॥ ध्रु० ॥ इंडतो शोरी छडदे मर चुकिया लेसलेले ॥ १ ॥

काफी

होरी ता० दीपचंदी ( मध्यलय )

वृजमे होरी मचाई सखीरी ॥ ध्रु० ॥ इतसे निकसी कुंवर राधिका उतसो कुंवर कन्हाई खेलत फाग परस्पर हिलमिल सो सुख वरनन जाई घर घर बजत बधाई ॥ १ ॥

त्रिताल ( मध्यलय )

कदर पिया नैय्यां मोरी कैसे जाऊं पार । तूं खेवट अनारी हू ठाडी मझ धाम ॥ ध्रु० ॥ ना मोरी संया ना रखवैय्या आनपरी मझ धाम ॥ १ ॥

सदर

चित चढी मोहनि मुरत सखी अब । नयन निरखत नटवरकी छब ॥ ध्रु ० ॥ मनहर रसिया आज अविनाशी छाय रह्यो वृज वंसिया धट सब ॥ १ ॥

तराना त्रिताल ( द्रुतलय )

तन देरेना दानी दी तन नादर दर तुंदर दर तन देरेना तदरे दानी ॥ ध्रु० ॥ खलक मेको याचि कुशलो फूत्के रश्मि मेको लिंदा खलके आलंकार निस्ता तन नादर दर तुं दर दर तन देरेना तदरे दानी ॥ १ ॥

पिलु

ठुमरी पंजाबी ठेका ( मध्यलय )

पिया विदेस गये गयेरी माधो रे ॥ ध्रु० ॥ आपन आवे पतियान भेजे जोगिन भेस लिये ॥ १ ॥ लिखि लिखि पतिया मे भेजूं संयाको कलियोगिनी याका भेस गयेरी माधो ॥ १ ॥

तराना त्रिताउ ( मध्यलय )

नादर दीं तनन देरेना तदरेदानी ना देरे देरे तन देरे तो तदारे दानी ॥ ध्रु० ॥ दर दर दर तान तन तदियरे नितारे दीं तों तारेतद्रे दानी ना देरे देरे तन देरे तों तदारे दानी ॥ १ ॥

केरवा ( मध्यलय )

कान्हा बंसी बजाय गिरिधारी । तोरी बंसी लागी मोको प्यारी ॥ ध्रु० ॥ दधि बेचनको जातिथी जमुना कान्हाने घागर फोरीरे ॥ १ ॥

**श्रीराग**

त्रिताल ( मध्यलय )

एरी हूं तो आसन गैली पास न गैली लुगवा-धरे मैका नाम ॥ ध्रु० ॥ जबसे पिया परदेस-गवनकी नो देहली न दीनो पाव ॥ १ ॥

अस्ताई तिलवाडा ( विलंबित )

गजर वा बाजोरे बाजोरे बाजो ही ॥ ध्रु० ॥ घरी पल छिन माई या बीतत है अष्टयाम-काम कीये सब काम ॥ १ ॥

ध्रुपद सुरफाक ( मध्यलय )

शंकर बिखधर पिनाकधर डमरूधर चंद्रमा ललाटधर ॥ ध्रु० ॥ फणिधर त्रिशूलधर त्रैलोचन गौंगा जटा मुकुटधर ॥ १ ॥

इमन-कल्याण

त्रिताल ( मध्यलय )

अब गुन न कीजिये गुनिसो क्या जाने गुनकी सार हो गुनी गुनी जान गुनकी सार ॥ ध्रु० ॥ बडी बेर समुझे नहीं समझत वार बेर कौन कहे एकबार कह दीनी कौन कहे अब बार बार ॥ १ ॥

तराना त्रिताल (द्रुतलय)

तन नादेंद्रे तों तनन तदरेदानी तारेदानी तदरेदानी तननननननननना तदरेदानी तना तना तना तननारे नादर दर दानी तुंदर दर दानी तदरे दानी तनननननन तन ॥ ध्रु० ॥ सारेग सारेग गरेपग पपधसां पधपम गरेसा–सागरे मगरेसा धिरिकिट तक धिरकिटधा धित्लान् धित्लान् ॥ १ ॥

एकताल (विलंबित)

एरी अलमीला एरी आज रूप सुंदर राजेंद्र राजा जगतमे बनाया ॥ ध्रु० ॥ जो जाकीमार सोही वेगीत न वेगी मोरे अत करोरे मंदर ॥ १ ॥

भूपाली

त्रिताल (मध्यलय)

जबसे तुमिसन लागली पीतन वेलरी प्यारे बलमा मोरे ॥ ध्रु० ॥ जो नैन देखो माहे कलन परे तोहे चर्चाकरे सबसे लरे ॥ १ ॥

तिलवाडा (विलंबितलय)

बरनभयी रा सखीया मनलगीरे ॥ ध्रु० ॥ महमदसापिया सदारंगीले बात करत रे ॥ १ ॥

त्रिताल (द्रुतलय)

अरिये मोरी मा हमसन बैरी लंगर भैलवा खोवन नित को ॥ ध्रु० ॥ महमद साको कसक छांडमिल सदारंग रहिये ॥ १ ॥

तराना (द्रुतलय)

तों तनन तनन तनदेरेना तनदेरेना तननन देरेना तारे दानी ॥ ध्रु० ॥ धिती लितिलाना तों तननन देरेना तनातना तन तननन देरेना तदारे दानी तन तदानी तार्दानी दानी तदानी ॥ १ ॥

## खमाज

### होरी दीपचंदी ( मध्यलय )

मृपे डार गयो सारी रंगकी घागर मै तो धोकेसे–देखन लागी उधर ॥ ध्रु० ॥ बेरंग ठाडो जाने न दूगी जाके कहा जरा ठरो कदर ॥ १ ॥

### ठुमरी पंजाबी ( त्रितिन )

बाँकीरे सुरत तिरछी नजरिया । मन हरलीनो तेरी नेक नजरिया ॥ ध्रु० ॥ तुमतो जोबन पर मान न कीजे थोडीरे दीननकी लागी बजरिया ॥ १ ॥

### दादरा

लचक लचक मोहन चलत आवे मन भावे सैंग्या ॥ ध्रु० ॥ अधर अधर मधुर मधुर मुरसे बीन बजावे । मंद हसत जियामे नमत सुरत मन लुभाये ॥ १ ॥

### त्रिताल ( मध्यलय )

कोयलिया कुहुक सुनावे सखीरी मैको विरह सतावे पियाबिन कछु न सुहावे हो ॥ ध्रु० ॥ निशि अंधियारीकारी बिजली चमके जियरा मोरा डर पावे ॥ १ ॥ इतनी बिनति मोरी उनसे कहियो जाय तुम-बिन जियरामे निकसी जाय उमगे जोबन पर मोरी आली संग्या-मोरा घर न आवे हो ॥ १ ॥

## सोरठ

### एकताल ( मध्यलय )

दृगन लागी मेरे सावरे सलोने सुंदर मुरत बॉकी चितवन प्यारी ॥ ध्रु० ॥ चंचल अचपल चपल पिया प्यारी की है मुसकिन न्यारी न्यारी ॥ १ ॥

—:०:—

सदर

पिया करधर देखो धरकत हे मोरी छतिया ऐसो रतिया कारे धारे अतही उरावे अतही अचानक हाथमे मोहे-गईलीनी ॥ ध्रु० ॥ तुमतो सरस रसिया अपने रसके गाहक ओतो काहूकीयेक न मानी अतही सुंदर निकसत मोरे मुखसो बतिया ॥ १ ॥

दादरा

मोर मुगुट श्रवण कुंडल बंसी अधर सोहे ॥ध्रु०॥ कुंजभवन परमधाम गोप गोपी सहित शाम रमत कृष्ण कमल वदन लेत चित मोहे ॥ २ ॥

ठुमरी त्रिताल (मध्यलय)

धीट लंगर मोरी बैंय्या गहोना । छांडलंगर मोरी बैंय्यागहोना ॥ ध्रु० ॥ मैतो परघरकी नारी मोरे भरोसे गोपालरहोना ॥ १ ॥ मीराके प्रभु गिरिधर नागर चरण कमलचित टारे टरेना ॥ २ ॥

## गौडमल्हार

त्रिताल (मध्यलय)

झुकि आई बदरिया सावनकी सावनकी मन भावनकी ॥ ध्रु० ॥ सावनमे उमगे जोबनवा छांडचले परदेस पियरवा शुध न रही घर आवनकी ॥ १ ॥

सदर

बलमा बहार आई दादुर मोरे पपिया पीवनगत छाई ॥ध्रु० ॥ निस अंधियारी बिजरी चमके कोयल शबद सुनाई ॥ १ ॥

सदर

आयी बदरिया बरसन हारी गरज गरज दामिनी दमकावे जो चूंनरमे झलक किनारी ॥ ध्रु० ॥ मधुर मधुर कोयल बन बोले भवन भवन गावत बृजनारी चलत पवन शीतल नारायण ॥ १ ॥

### सदर

नित उठ पियाबिन प्राण तरसे ये मायेरी जियरालरजे ननि ननि बुंद बरसत धन गरजे ॥ ध्रु० ॥ मधुर कोयलिया ऐसो पपिय्या अपने धुनसो गावे दामिनी दमक रहे दमक झमकसो ननि ननि बुंद बरसत धन गरजे ॥ १ ॥

## देस

### त्रिताल (मध्यलय)

कुबजा ही मन मानी मोसे अबोल नोजी राजधारी ॥ ध्रु० ॥ जमुनाके नीरे गौवा चरावे बंसीमे कछु अटल जगावे मीठी तान सुनावे छतिया छोल नोजी राजधारी ॥ १ ॥

### तराना

तन नादर दर तुंदर दर ततदीं दीं तन तदियनरेना तनोंदेरेना तनों देरेना तन दर दर तदीयनरे ना तना तदरे दानी देरेना देरेना ॥ ध्रु० ॥ ततदीं ततदीं तनों तदरेदानी देरेना देरेना देरेना तनों देरेना तनों देरेना तन दर दर तदियनरेना तना तदरे दानी देरेना देरेना देरेना देरेना ॥ १ ॥

### सदर

मै हारी बनबन डार डार मुरला बोले मेहा बोछारन बरसेरे ॥ ध्रु० ॥ कारी घटा धन फिर उमंडावत पपिया बोले सदारंग मनवा लरजे मेहा बोछारन बरसे ॥ १ ॥

---

## पूरिया

एकताल ( विलंबितलय )

फूलनको हरवा गूंदलावोरी मालनीया डार बने के गरे ॥ ध्रु० ॥
हिरा मोतीयनको सेरा विराजे बनरीके कजरे मरततोल ॥ १ ॥

त्रिताल

छिन छिनवाट तकत हूं मैतोरी कब घर आवे मोरे प्यारे ॥ ध्रु० ॥
जबसे गये मोरी सुधहूनलीनी सदारंग काहे रहो न्यारे ॥ १ ॥

सदर

सपने मे आये जबते मोरी माई सोतनकीरी कल बिगर गई ॥ ध्रु० ॥
जो चाहो सदारग की नैठनको माई पकर नाशकी सखीरी कल उधर गई ॥ १ ॥

तराना त्रिताल ( द्रुतलय )

नादर दरदी तदी तदी दी दीततनननननन तारे तदरे दानी धाधा किडकिड धुंना किडकिड वडेंधा वडेंधा वडेंधा ॥ ध्रु० ॥ नादर दर दर तुं दर दर दर दी तननननन सांनिध नीध गमगरेसा धा धा किड किड धुंना किडकिड वडेंधा वडेंधा वडेंधा ॥ १ ॥

## केदार

अस्ताई एकताल ( विलंबितलय )

मोर बोले ए रीत सावन बन घन डार डार ॥ ध्रु० ॥ आज पिया घर आ मोरी सजनी मै लेऊं बलैय्या वार वार ॥ १ ॥

त्रिताला ( मध्यलय )

पायल वाजे शोभा राजकी नरभई कामसो ॥ ध्रु० ॥ अटल छत्र जब देखे राज बहादर लपक झपक पग धरत धरत अति धूम धामसो ॥ १ ॥

### तराना  त्रिताड ( द्रुतलय )

ना दर दर दानी तदानी तों देरेना तदारे दानी दीं तन तुंदर दानी ॥ ध्रु० ॥ उदानी तदानी नत तनों तान देरे तदरेदानी दीं द्रेना द्रेना दीं तदारे तद्रे दानी ॥ १ ॥

### त्रिताल

राम नाम यश नीको भजमन । अमृत नाम रमत जन मनमें और लगत सब फिको ॥ ध्रु० ॥ चार दिननको जीवन जगमें । क्यों नही लेत भलाई शमदम दया विवेक टेकधर काट ताप मन जीको ॥ १ ॥

## हमीर

### ध्रुपद  चौताड ( विलंबितलय )

सखी शामसुंदर नटवर पर भेरव बनावे लटकी मटकी छटकी छमक झमक दिखावे ॥ ध्रु० ॥ थिरकी थिरकी मुरकी मुरकी मुख मुरकावे ठोर ठोर ठिठिर ठिठिर धीट डर पावे ॥ १ ॥ खरज ऋषभ गंधार मध्यम पंचम निषाद सप्तसुरज तीनग्राम गिनती गिनावे रग रंगीले छेला छबीले मेरो मन भावत सुरके प्रभु दरस दीजे मोहे छकावे ॥ २ ॥

### त्रिताल

क्यां निकसी चांदनी सावनकी झरिया फूल रही बननारी मोहे अत मन भावे ॥ ध्रु० ॥ एक डर है मोरे सगर लोकका पायलिया मोरी झननन बाजे ॥ १ ॥

### एकताल  ( विलंबितलय )

मेरा अलबेला मेरा मीत पियरवा मोरा प्यारा रे ॥ ध्रु० ॥ लाड गहेला अतहिनवेला सदारंग सन खेलारे खेला अरे इन कर रासोंगी प्यारा रे ॥ १ ॥

तराना (द्रुतलय)

दर दर दीं दीं तननना तनना तनना तना नादर दर दीं दीं तनन दीं तनानन तों तदरे दानी ॥ ध्रु० ॥ दर दर दर दर दर दर दर दर दीं तननन तनन तों तनन दीं तननन दर दर दर दानी यलि यल लल लमु ॥ १ ॥

## हिंडोल

एकताल (विलंबितलय)

तानन गाये बजाये गतमे ताल परन नीकी समसंग ॥ ध्रु० ॥ बीन रबाब मृदंग संग लिये गावत गुनि आये संगतसो ॥ १ ॥

त्रिताल

चनक बूंद परिलोरे बलमा चलो हमतुम मिल खेले धमार ॥ ध्रु० ॥ गमन करबे लिये रुत नही संदारंगकी गले साची मान ॥ १ ॥

सदर (मध्यलय)

कोयलिया बोले बनमे डारे डारे ॥ ध्रु० ॥ सावन की रुत आई बरसत फुंवार मोर करत कलोले ॥ १ ॥

चौताल (विलंबितलय)

नादवेद अप्रंपार पार हूं न पाये गुनि गंधर्व गाय गायके सब सुरनर मुनीजन देव ॥ ध्रु० ॥ के ते गुनी गंधर्व किंनर चपल हार बैठे किनहून पायो तेरो सकल श्रेष्ठ नर देव ॥ १ ॥

## कामोद

त्रिताल (मध्यलय)

ऐसा तूं मे कोन जानत थी बलमा हम तुम सन करत चतुराई ॥ ध्रु० ॥ हमसे रूठ सोतिन घर जाये चतुर सुधर ऐसी कीनी चतुराई ॥ १ ॥

तिलवाडा (विउम्बित)

ए माति मालिनी या भरीरे जोवन उत्तर न काहूं देत ॥ ध्रु० ॥
हरवा गूंदन लाई मन वस करवेको मैननमे हर लेत ॥ १ ॥

झपताल (मध्यलय)

गोरे वदन पर शाम दिठोना तिलक भालपर यूंदन माई ॥ ध्रु० ॥
गोरे गोरे करजामे हरी हरी चुरिया दम पंची आनत अरु फुंदना माई ॥ १ ॥

---

छायानट

त्रिताल (मध्यलय)

प्यारी नवल लाडली राधिका प्यारी लाडकरे जो ललन सुनत हम रसकी वतिया करत कार ॥ ध्रु० ॥ रहस रहस मोहे डोले अंगनवाछांड चले मोहे निकल गये अचल जोवन ढिंग सदारंग प्यार ॥ १ ॥

अस्ताइ

झुमरा (विलंबितलय)

एरी अरगुंद लानोरी मालनीया नो होय घने केसी ससे हारा ॥ ध्रु० ॥ लागी लगन सुलतान साले माकी चनीरनी सींगलागो नेहारा ॥ १ ॥

तराना

द्रे द्रे द्रे तननितनों तदरे दानी द्रे द्रे द्रे तान द्रे द्रे द्रे तान देरेना उदनितान द्रे द्रे तानों तदरेदानी ॥ ध्रु० ॥ ना द्रे द्रे दानी तुंद्रे द्रे दानी तन तुंद्रे तेलेलाना तेलेलाना धाकिट तक धुमकिट तक धित्ता क्डॅ तधातनों तदरेदानी ॥ १ ॥

## बिहाग

### त्रिताल ( मध्यलय )

बालमुरे मोरे मनके चीते होवन देरे होवन देरे मीतपियरवा ॥ ध्रु० ॥ तुम मदारंग जिन जावो बिदेसवा सुख नींदरिया सोवन देरे सोवन देरे मीतपियरवा ॥ १ ॥

### मदर

देखो सखी कन्हैय्या रोके ठाडो है गली पनियाभरन कैसे जाऊं सुमोरी आली ॥ ध्रु० ॥ हूं जल जमुना भरन जात रही बीचमे मिल-गयो ये नंदके छैल ॥ १ ॥

### तराना त्रिताल ( मध्यलय )

ना दिर दिर दिर तुं दिर दिर दिर दीं तन देरेना तदारे तारेदानी ना दिर दिर दानी तुं दिर दिर दानी तननननन धितूलान् तुं दिर दिर दानी ॥ ध्रु० ॥ पपसां निसां गरेंसां निसां सांनिध पम गरे गसा धिरकिट तक धिरकिट तक धि धि धि ना किडनग तक्डॅधा तक्डॅधा धुमकिटधा ॥ १ ॥

## शंकरा

### तिलवाडा ( विलंबितलय )

सो जानुरे जानु बालमुवा देख तेहारी प्रीतकी वचन ॥ ध्रु० ॥ उत्तर बनावत बन नही आवत मोहे देत प्रीतके लछन ॥ १ ॥

### त्रिताल ( मध्यलय )

सावलडो म्हाने भायो देखतही चितडो लुभायो ॥ ध्रु० ॥ सावली मूरत रंगभरी मूरत मुखसो बीन बजायो ॥ १ ॥

त्रिताल

तों तनननन तन देरेना तारेदानी तन तदानीउदनित तदरेदानी तार्दानी ॥ ध्रु० ॥ तनदेरेना तों तननन देरेनातदारे दानी तन तदानी उदनित तदरे दानी तार्दानी ॥ १ ॥

## तिलंग

दादरा (मध्यलय)

शाम सुंदर मदन मोहन कुंजजीसंग बात कीनो अबमोसे गोकुल रहन जात ॥ ध्रु० ॥ गोकुल रीतछांड दीनो मथुरामे धायलीनो धाय धाय गाये गाये अबमोसे गोकुल रहन जात ॥ १ ॥

सदर

राम सुमिर राम सुमिर यही तेरो काज है ॥ ध्रु० ॥ मायाको संग त्याग प्रभुजीके चरण लाग । जगतसुख अमत्य मान झुटो सब भाज है ॥ १ ॥

ठुमरी (पंजाबी ठेका)

सजन तुम काहेको नेहा लगाये । रहे रहे जिया घबराये ॥ ध्रु० ॥ दिन नही चैन रात नही निंदिया पलकनलागी सारी रात ॥ १ ॥

## तिलक कामोद

त्रिताल (मध्यलय)

दुखवामे कासे कहूं मोरी सजनी तरफ तरफ निकस जात जिया पियाबिन नाही पर एक घडी पलछिन ॥ ध्रु० ॥ ना जानूं कवन देस बिलम रहे प्रेम दास एरी सखी मैं तो सगरी रैन तडफ तरफ बीति तारे गिनगिन ॥ १ ॥

## सदर

चुनिगयी जिया बिच प्यारे छब तेहारी । नयना रतनारे मतवारे मारत बान ॥ ध्रु० ॥ धायलरी कर डारत जही चितवनमे मुसुक्यांत ॥ १ ॥

## सदर केरवा ( मध्यलय )

प्रभु तेरी महिमा किस विध गाऊं । किस विध गाऊं प्रभु किस विध नाचूं तेरो अंत कही नही पाऊं ॥ ध्रु० ॥ अलख निरंजन नाम तेहारो किसविध ध्यान लगाऊं ॥ १ ॥

## दरबारी–कानडा

### एकताल

दुलहन तेरी आछिबनी छबकी झलना सलोने रंगभीनी ए बनरी ॥ ध्रु० ॥ सुनसा मुख दिखाय रिझाय लीनो महमदसा जब आवे सदारंगदल मलना सलोने रंगभीनी ए बनरी ॥ १ ॥

### त्रिताल ( मध्यलय )

बंधनवा बांधारे बांधो सब मिलके मालनिया । महमदसा प्यारेके घरकाज ॥ ध्रु० ॥ सदारंगीली ताननसो बंधावो गावोरीमा सब सायतसो काज ॥ १ ॥

### तराना त्रिताल ( द्रुतलय )

तों तन तन देरेना दानी । तननारे तनननारे उतनितानितनदेरेनों तनदेरेनों तों तनननन तों तनननन ॥ ध्रु० ॥ उतनितानि तननारे तनननारे तों तनन तों तों तों तनन तदरेदानी तों तननारे तों तनननन तों तनननन ॥ १ ॥

## अडाना

### त्रिताल

सुंदरी मोरी काहेको छीन लयी छैलवा कारे कियो मैं तोगरे ॥ ध्रु० ॥ तूं तो नही इतरात रंगीले मानकहूं मैं तोरा रे ॥ १ ॥

### सदर

एरी मोहे जानेदे रीमा शामसुंदर वाके संगवा ॥ ध्रु० ॥ लोकलाज नही न लजहूं लागरहूं मैं उनदीकेगरवा ॥ १ ॥

### एकताल (द्रुतलय)

सुंदर लगो है पियरवा चंचल चपल चखन लखन निम निम गुर गुर फिरे मुगुरानी वानी ॥ ध्रु० ॥ लचक चलनी मुकुट झकनी अलक तिलक झलक मलक हलकानी कुंडलिनी कपोलिनी आनि-वानी ॥ १ ॥

### सदर (विलंबितलय)

पियरवा मही आन मिलानी जहामन अटकी मोरे नयना ॥ ध्रु० ॥ हाथोको दांगी कंगनगारे अनुवट करवट पैने न जाने ॥ १ ॥

## बहार

### त्रिताल (मध्यलय)

कैसी निकसी चांदनी सरदरात मधुमात निकलभई पिउपिऊं टेरत भामिनी ॥ ध्रु० ॥ छिन आंगन छिन जातभवनमे छिनबैठे छिन ठाडि हुं डोलत कलन परत तरफत निरहाकुल चमकत जो दुःखदामिनी ॥ १ ॥

### सदर

फुलवाली कंथ मैका वसंत गइवा मोल देरे ॥ ध्रु० ॥ अस्तर पियामो योजा कहिये तनक सनिर वा तोल देरे ॥ १ ॥

## तराना

उदतन द्रितन द्रियानारे दीं तानों दीं तनन देरे नादीं दीं तननन तादीं दीं तनननन देरेना द्रेन्ना द्रेन्ना दीं तदारे तारे तुं दीर तदरे-दानी ॥ ध्रु० ॥ यललि यललि यललों यललों यलि यलायला यलल्ले यलललल्ले यलललल्ले ना दिर दिर ना तुंदिर दिरना तों तदारे तन देरे ना, नादिर नादिर दीर तुंदिर तुंदिर दिर धित्लान् तुंदिर दिर दानी उदानी दानी तदानी दानी ॥ १ ॥

## मिया–मल्हार

### त्रिताल

बिजली चमके बरसे मेहरवा आई बदरिया गरज गरज में अत ही डरावे ॥ ध्रु० ॥ घन गरजे बन बिजली चमके पपिया पिऊकी टेर सुनावे कहा करूं कित जाऊं मुराद जी तरसे मा ॥ १ ॥

### सदर

उमंड घुमंड घन बरसे बुंदरिया चलत पुरवाई सननन सननन थर थर कापे मनुवा लरजे जिंगुरवा बोलत झों झननन झननन ॥ ध्रु० ॥ चमक चमक चमके जोगिनीया दमक दमक दमके दामिनीया मनुवा बनकर लागन आई ब्रिजतान मान ब्रिज तियये धिटधिट धातिकिट तगदिगन ॥ १ ॥

### तराना ( द्रुतलय )

तन नादिर दिर दानी तों तन तदानी दोज् दीं तनननन नदीं तनननन दारा दारा तुं दिर दिर तन यलियललि ॥ ध्रु० ॥ चर्के चश्मे जिंद तर्के कोई सेरा मेरा सत् मा किया सामान सागर कूंनके बेरा मेरा सत् ॥ १ ॥

## धानेश्री

ध्रुपद (चौताल)

मायेरी धरन धरन धन धन फूलिकोयाली कांहू कांहूं विरह व्यापने लागो अंग अंग ॥ ध्रु० ॥ बलमा बिदेस देस जो बलांऊ सास लेन अबय विपत विना धरन धरन ॥ १ ॥

झपताल (मध्यलय)

विनति सुनो मोरे अवध पुरके बसंय्या तुमविन कवन मोरे दुखके हरैय्या ॥ ध्रु० ॥ जहां जहां परी भीर तहां तहां दियो धीर जानकी पतराम भवके तरैय्या ॥ १ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

कौन गत भईली मोरी पिया न पुछे एक बात ॥ ध्रु० ॥ एक बन धुंढे सकल बन बन डारो डार कर पात ॥ १ ॥

एकताल (विलंबित)

मोहे मनावन आये हो सगरी रतिया किनसोतन घर जागे ॥ ध्रु० ॥ तूं तो रंगीले छबदिखलाये लालनके मन ललचावे ॥ १ ॥

## . मालकंस

झपताल (मध्यलय)

सखि श्यामसुंदर आज बंसिया बजावे । धुन बंसी सुन सुन मन बिसरावे ॥ ध्रु० ॥ जमुनाको सकतवार तरुबनकी झुकत डार धेनुमुख घास डार धुनिमे मन लावे ॥ १ ॥

त्रिताल (मध्यलय)

रंगरलिया करत सोतनके संगनवा लीन हमारीनेक खबर ॥ ध्रु० ॥ हमसे आवत अनत बिलम रहे नित बालमके यही ढंग ॥ १ ॥

## सदर

सुनोरे मन मुरख अग्यानी। भाई बंद सब कुटुंब कबीला। संग चलत कोऊं नाईं ॥ ध्रु० ॥ मोहजालमे विलम रह्यो है कोन किसीको मानी। एक दिन पंछी निकस जावे गावे नाचकर जानि ॥ १ ॥

## सदर

मुख मोर मोर मुसुक्यातजात अत छबिली नार चली पत संगात ॥ ध्रु० ॥ काहूंकी अखियां रसीली मनभाई याविध सुंदर बाऊ कलाई चली जात सब सखिया साथ ॥ १ ॥

## एकताल

पीरन जानीरे बलमा देख तेहारी अनौखीरीत ॥ ध्रु० ॥ ऐसो निरमो हिरा कहा भैलवा बलमा अजहून आये कोन गावकी रीत ॥ १ ॥

## परज

### त्रिताल ( मध्यलय )

काहे बजाये बीन सांवरो मनमोहन गोपाल लाल ते ॥ ध्रु० ॥ श्रवण सुनत धुन मुरलीको डार प्रेमको जाल लाल तुम ॥ १ ॥

### तराना ( द्रुतलय )

जालम द्रे द्रे तुंदिर ना तदरे दानी नादर दर दीं तननन तुंदर दर तनन तदीं दीं तनन तुं दीर ना ॥ ध्रु० ॥ मनरंग दिवाने जिस नोकरी जो करेसो अल्ला सबके आये आये ॥ १ ॥

### त्रिताल ( द्रुतलय )

कारि कारी कामरिया गुरूजी मैका मोल देरे ॥ ध्रु० ॥ राम जपनको माला देरे ओडनको मृग छाल दे ॥ १ ॥

### सदर

सखी शाम सुंदर मोसे कहत मखीरी आवत जावत मोसें करत ठिठोरी बोलत बोली कुबोली दिनरात सखीरी ॥ ध्रु० ॥ नजर पिया मोरी मानत नाही बरजोरी पकरें जात हात ॥ १ ॥

### वसंत

तिलवाडा ( विलंबितलय )

नबीके दरबार सब मिल गावोरी बसंतकी रुतकी मुबारक ॥ध्रु०॥ औलिया मोरामागन आये मनरंग और सबही संमार ॥ १ ॥

त्रिताल

पन घटवा ठाडो माईरी मोहन प्यारा हमसे शैन चलावे नैनन कीरी ॥ ध्रु० ॥ कोर कटाछिन आवत आछे पाछे पाछे डोलरे अनुवट हात लगावे नयनन कीरी ॥ १ ॥

त्रिताल

फगुवा ब्रिज देखन को चलोरी फगवे मे मिलेंगे कुंवर कन्हाई जहा वाट चलत बोले कगवा ॥ ध्रु० ॥ आयि बहार सकल बन फुले रसीली लालको ले अगवा ॥ १ ॥

### सोहनी ( शोभिनी )

त्रिताल ( मध्यलय )

मोसे रहो न जात सब हट की तुतो कछुन सोहत मोरा मन हर लीनो जाय निजामे खटकी ॥ध्रु०॥ नंद गांवको अलेमेको जरिया ओतो है लट खट अपने हटकी ॥ १ ॥

सुरफाक ( मध्यलय )

प्रथम आदिशिवशक्ति नाद परमेश्वर नारद तुंबर सरस्वती भन रे ॥ध्रु० ॥ अनहत आदनाद गुनसागर सरूप ब्रह्मा विष्णु महेश लछुमन रे ॥ १ ॥

त्रिताल ( मध्यलय )

काहे लगाये नेह रसिया । तुम बिन जुगसी बितत रतिया ॥ ध्रु० ॥
निसदिन पराय घर रमत जाय झुटि करत इत मिठि मिठी बतिया ॥ १ ॥

## ललित

ध्रुपद चौताल ( विलंबित )

पुजोजी शिव गौर मुनिजनमानम ॥ ध्रु० ॥ गंगाजल भरन झारी अगर चंदन घस घोर ॥ १ ॥

तिलवाडा ( विलंबितलय )

रैन का सपना मैं कासे कहूंरी मैं ॥ ध्रु० ॥ सोवत सोवत नींद खुली जब देखे न कोई अपना मैं कास कहूं री मैं ॥ १ ॥

त्रिताल ( मध्यलय )

पियु पियु रटत पपैयरा उडरे कोयलिया कवन देस मोरा पियाको मिलन कब होवे ॥ ध्रु० ॥ झिंगुर झिंगुर दादुर बोले बन बनमे अब न सुनी पीतम मनरंगकी मगन भये सब घरके हियरा ॥ १ ॥

तराना त्रिताल ( मध्यलय )

तन देरेना दीं तन देरेना तन उदन दीं तदीं तदार रे दानी नतार नतार नतारे ॥ ध्रु० ॥ शर्दि दंभी बाण गुंछ शाकि नारिके लुरद् मयार्जुने सकला व्याहृता मनुष्के शरद् कुंजन दीं ॥ १ ॥

## जोगिया

त्रिताल ( मध्यलय )

मुरली काहेको गुमानेरी जात पात खोई आखर तूं बनकी लकरी ॥ ध्रु० ॥ जबके मोहन अधर धरी हे तबके पान करी ॥ १ ॥

दीपचंदी ( मध्यलय )

जो कहे सत चचनता को करूं ध्यान भजनमो करो नमन ओर करो हरीगान ॥ ध्रु० ॥ जपत जो शिवरूप हो रंक या भूप निज धाममो श्रमत ताको रटत जनन ॥ १ ॥

एकताल ( विलंबित )

पिया परदेस गवनकीनो अजहून आये ॥ ध्रु० ॥ जबसे गये पिया सुधहून लीनीरे मैं भेख धरी जोगन भयी ॥ १ ॥

कालंगडा

त्रिताल [ मध्यलय ]

बनवारी बने मुरारी अब कुंजविहारी गिरिधारी ॥ ध्रु० ॥ संग सोहे राधा प्यारी वृकभाननकी दुलारी ॥ १ ॥ मोर मुकुट पीतांबर सोहे मकर कुंडलपर छुरी लटकारी ॥ २ ॥

सदर

अब होने लगो परभात सखी बोलत केकी कीर कोकिला कुसुम कमल विकसात सखी ॥ ध्रु० ॥ अरुण किरण सखी पूरन प्रकाशित भोर भयो निस जात सखी ॥ १ ॥

सदर

नरियान हमारे संग चलो । नरीयान हमारे संग चलो ॥ ध्रु० ॥ या नारियामे चोर बसत है हात कंगनवा लूटा दे ॥ १ ॥

---

# ।। राष्ट्रगीतावली ।।

# वंदे मातरम्

## राष्ट्रगीत राग देस (ताल—माला)

सुजलां सुफलां मलयजशीतलां सस्यशामलां मातरम्
वंदे मातरम् ॥ ध्रु० ॥

शुभ्र ज्योत्स्नां पुलकितयामिनीं फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीं ।
सुहासिनीं सुमधुरभाषिणीं सुखदां वरदां मातरम् ॥ १ ॥

त्रिंशत्कोटि कंठ कलकल निनाद कराले—
द्वात्रिंशत्कोटि भुजैर्धृतखरकरवाले—

के बोले मा तुमि अबले ? बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं रिपुदल-वारिणीं मातरम् ॥ २ ॥

तुमि विद्या तुमि धर्म तुमि हृदि तुमि मर्म त्वं हि प्राणाः शरीरे बाहुते तुमि मा शक्ति हृदये तुमि मा भक्ति तोमारई प्रतिमा गडी मंदिरे मंदिरे ॥ ३ ॥

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी कमला कमलदलविहारिणी वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वां नमामि कमलां अमलां अतुलां सुजलां सुफलां मातरम् ॥ ४ ॥

शामलां सरलां सुस्मितां भूषितां धरणीं भरणीं मातरम् ॥ ५ ॥

## स्थायी

म म रे – | रे ग सा – | म रे म प | नी – ध प
सु ज लां ऽ | सु फ लां ऽ | म ल य ज | शी ऽ त लां

म प प नी | – नी सां सां | नी सां रें नी | – ध प –
स ऽ स्य शा | ऽ म लां ऽ | मा ऽ ऽ त | ऽ र म् ऽ

नि सां नि ध | प रे प म | रे – – – | – – – –
वं ऽ दे ऽ | ऽ मा ऽ त | रं ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

## अंतरा

म प – प | नी – नी सां | नी सां सां सां | नीसां रें रें रें
शु ऽ ऽ भ्र | जो ऽ ऽ त्स्नां | पु ल कि त | या ऽ ऽ मि नीं

नी – नी नी | सां नि सां – | प नी सां सां | नि सां नी रें ध प
फु ऽ ल्ल कु | सु मि त ऽ | द्रु म द ल | शो ऽ भि नीं

प प रें रें | रें – – – | नी नी सां सां | रें नि ध प
सु हा ऽ सि | नीं ऽ ऽ ऽ | सु म धु र | भा ऽ षि णीं

प ध म रे | रे ग सा – | म प नी सां | नीध पम गरे
सु ख दां ऽ | व र दां ऽ | मा ऽ त रं | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

रूपक ( लेमत्र )

प प – | म – रे | रे म रे | ग सा – | रे म म | प – ध | नी नी ध
त्रिंश त् | को ऽ टि | कं ऽ ठ | क ल ऽ | क ल नि | ना ऽ द | क रा ऽ

प – – | म प नी | – सां सां | नी सां सां | सां रें नि | ध प नी | ध प –
ले ऽ ऽ | द्वा ऽ त्रिं | ऽ श त् | शु जैं ऽ | धृ त क | र वा ऽ | ऽ ले ऽ

म म म | रे ग सा | सा रे ग | रे – – | म प प | नी – – | नी सां सां | सां – –
के शो ले | मा तु मि | अ ब ऽ | ले ऽ ऽ | ब हु ब | ल ऽ ऽ | धा ऽ री | णीं ऽ ऽ

प नी सां | सां रें सां | रें – – | रें पं मं | रें रें – | गं सां – | प नी सां
न मा मि | ता ऽ रि | णीं ऽ ऽ | रि पु ब | ल वा ऽ | रि णीं ऽ | मा ऽ ऽ

नी ध प | नि सां नि | ध प – | रे प म | रे – –
त रं ऽ | चं ऽ दे | ऽ ऽ ऽ | मा ऽ त | रं ऽ ऽ

म म म | म म म | रे रे ग | सा – मा | रे म – | प – प | म प नी
तु मि ऽ | बि ऽ द्या | तु मि ऽ | ध ऽ र्म | तु मि ऽ | हृ ऽ दि | तु मि ऽ

प – प | म – म | प – प | नी नी सां | प नी सां | सां सां सां | नि सां रें
म ऽ र्म | त्वं ऽ हि | प्रा ऽ णाः | श री रे | बा हु ते | तु मि मा | श ऽ क्ति

सां सां सां | नी म प | नी ध प | म प नी | ध प प | म प म | ग रे –
हृ द ये | तु मि मा | भ ऽ क्ति | तो मारई | प्र ति मा | ग डी मं | दि रे –

ग रे – | सा – –
मं ऽ दि | रे ऽ ऽ

म – म | म – म | रे म ग | रे सा रे | रे म ग | रे – –
त्वं ऽ हि | दु ऽ र्गा | द श प्र | ह र ण | धा ऽ रि | णी ऽ ऽ

म म प | प प प | म प प | म प प | नी – ध | प – –
क म ऽ | ला ऽ ऽ | क म ल | द ल वि | हा ऽ रि | णी ऽ ऽ

रे – रे | म म म | ग सा रे | म प प | प – प
वा ऽ णी | वि ऽ द्या | दा यि नी | न मा मि | त्वां ऽ ऽ

केरवा

म प – प | नी नी सां – | प नी सां – | प रें रें –
न मा ऽ मि | क ऽ म लां | अ म लां ऽ | अ तु लां ऽ

गं पं मं – | रें गं सां – | प नी सां रें | नि सां नीध पम प
सु ज लां ऽ | सु फ लां ऽ | मा ऽ ऽ ऽ | त रं ऽ ऽऽऽ

दादरा

रे – म | म रे – | रे ग – | सा – – | रे रे म | म प –
शु ऽ भ | लां ऽ ऽ | स र ऽ | लां ऽ ऽ | सु ऽ स्मि | तां ऽ ऽ

नी – ध | प – – | म प नी | नी सां – | प नीं सां | रें – –
भू ऽ षि | तां ऽ ऽ | ध र ऽ | णीं ऽ ऽ | भ र ऽ | णीं ऽ ऽ

नि सां नि | ध प –
मा ऽ ऽ | त रं ऽ

## राष्ट्रगीत

जनगण मन अधिनायक जय हे भारत–भाग्यविधाता । पंजाव सिंध गुजरात मराठा द्राविड उत्कल वंग । विंध्य हिमाचल जमुना गंगा उच्छल जलधि तरंग । तव शुभ नामे जागे तव शुभ आशिप मागे गाहे तव जय गाथा ।

जनगण मंगलदायक जय हे भारत–भाग्यविधाता । जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ॥ १ ॥ अहरह तव आव्हान प्रचारित सुनि तव उदार वाणी । हिंदु बौद्ध शिख जैन पारसिक मुसलमान खृष्टानी । पूरव पश्चिम आसे तव सिंहासन पासे, प्रेम हार होय गाँथा ।

जन गण ऐक्यविधायक जय हे भारत–भाग्यविधाता । जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ॥ २ ॥

पतन अभ्युदय वंधुर पंथा जुग जुग धावित जात्री । तुमि चिर सारथी तव रथ चक्रे मुखरित पथ दिन रात्री । दारुण विप्लव माझे तव शंखध्वनि बाजे संकट दुःख त्राता ।

जनगण पथपरिचायक जय हे भारत–भाग्यविधाता जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ॥ ३ ॥ घोर तिमिर घन निविड निशीथे पीडित मूर्छित देशे। जाग्रतछीलो तव अविचल मंगल नतनयने अनिमेषे । दुस्वप्ने आतंके रक्षा करिले अंके । स्नेह मयी तुमि माता ।

जनगण दुःखत्रायक जय हे भारतभाग्यविधाता जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ॥ ४ ॥

रात्रि प्रभातिल उदिल रविच्छवि पूर्व उदय गिरिभाले, गाहे विहंगम पुण्य समीरण नवजीवनरस ढाले ।

तव करुणारुणरागे निद्रित भारत जागे तव चरणे नत माथा ।
जय जय जय हे जय राजेश्वर भारतभाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ॥ ५ ॥

---

## राग खमाज धुमाळी (मध्यलय)

### स्थायी

| + | ° | + | ° |
|---|---|---|---|
| सा रे ग ग | ग ग ग ग | ग — ग ग | रें ग म — |
| ज न ग ण | म न अ धि | ना ऽ य क | ज य हे ऽ |
| ग — ग ग | रे — रे रे | नि सा रे सा — | — — सा — |
| भा ऽ र त | भा ऽ ग्य वि | धा ऽ ता ऽ | ऽ ऽ पं ऽ |
| सा प — प प | — प प प | प प प प | प प प प |
| जा ऽ ब सिं | ऽ ध गु ज | रा ऽ त . म | रा ऽ ठा ऽ |
| म — म म | ग — ग म | रे म ग — | — — — — |
| द्रा ऽ वि ड | उ ऽ त्क ल | वं ऽ ग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ग ग ग ग | ग — ग रे | रे प प प प | म — म — |
| विं ऽ ध्य हि | मा ऽ च ल | ज मु ना ऽ | गं ऽ गा ऽ |
| ग — ग ग | रे रे रे रे | ऩी रे सा — | — — — — |
| उ ऽ च्छ ल | ज ल धि त | रं ऽ ग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| सा रे ग ग | ग — ग — | रे ग म — | ग म प प |
| त व शु भ | ना ऽ मे ऽ | जा ऽ गे ऽ | त व शु भ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – म ग | रे म ग – | – – – – | ग – ग – |
| आ ऽ शि प | मा ऽ गे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | गा ऽ हे ऽ |
| ग ग ग ग | ऩी रे सा – | – – – – | प प प प |
| त व ज य | गा ऽ था ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ज न ग ण |
| प – प प | प – प प | प ध प – | म – म म |
| मं ऽ ग ल | दा ऽ य क | ज य हे ऽ | भा ऽ र त |
| ग – ग ग | रे म ग – | – – नि नि | सां – – – |
| भा ऽ ग्य वि | धा ऽ ता ऽ | ऽ ऽ ज य | हे ऽ ऽ ऽ |
| सां – नी ध | नी – – – | – – प प | ध – – – |
| ऽ ऽ ज य | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ज य | हे ऽ ऽ ऽ |
| सा सा रे रे | ग ग रे ग | म – – – | – – – – |
| ज य ज य | ज य ज य | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| + सा सा सा सा | ° सा सा ऩी सा | + रें रे रे रे | ° रें – रे रे |
| अ ह र ह | त व आ ऽ | व्हा ऽ न प्र | चा ऽ रि त |
| सा रे ग ग | ग ग – ग | रे ग म म | – – – – |
| सु नि त व | उ दा ऽ र | वा ऽ णी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| प – प प | – प प प | प – नी ध | – ध प प |
| हिं ऽ दु बौ | ऽ द्ध शि ख | जै ऽ न पा | ऽ र सि क |

म म म ग | – ग रे – | नी़ रे सा – | – – – –
मु स ल मा | ऽ न खृ ऽ | ष्टा ऽ नी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

ग – ग ग | ग – ग ग | रे ग म – | – – – ऽ
पू ऽ र ब | प ऽ श्चि म | आ ऽ से ऽ | ऽ ऽ ऽ –

ग म प – | प – म ग | रे म ग – | – – – –
त व सिं ऽ | हा ऽ स न | पा ऽ से ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

ग – ग ग | – ग रे रे | नी़ रे सा – | – – – –
प्रे ऽ म हा | ऽ र हो य | गां ऽ था ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

प प प प | प – प प | प – प प | प ध प –
ज न ग ण | ऐ ऽ क्य वि | धा ऽ य क | ज य हे ऽ

म – म म | ग – ग ग | रे म ग – | – – नी नी
भा ऽ र त | भा ऽ ग्य वि | धा ऽ ता ऽ | ऽ ऽ ज य

सां – – – | – – नी ध | नी – – – | – – ध प | ध – – –
हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ज य | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ज य | हे ऽ ऽ ऽ

सा सा रे रे | ग ग रे ग | म – – – | – – – –
ज य ज य | ज य ज य | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

---

२ पतन अभ्युदय
३ घोर तिमिर
४ रात्रिप्रभातिल

यह तीनो अंतरे पहिले अंतरेकी स्वरलिपी देख करके बजाना. स्वरमें फरक नही इस लिये अलाहिदा स्वरलिपी नही की गई.

## आर्य भूमि

खट-भैरव त्रिताल (मध्यलय)

अयि भुवन मनोमोहिनि !
अयि निर्मल सूर्यकरोज्वल धरणि !
जनक जननि जननि ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

नीलसिंधुजल धौतचरणतल
अनिल विकंपित शामल अंचल
अंबर चुंबित भाल हिमालय
शुभ्र तुषार किरीटिनि ॥ १ ॥

संचारी

प्रथम प्रभात उदय तव गगने
प्रथम सामरव तव तपोवने
प्रथम प्रचारित तव वन भवने
ज्ञान धर्म कतो काव्यकाहिनी

आभोग

चिरकल्याणमयि तुमि धन्य
देश विदेशे वितरिछो अन्न
जान्हवी जमुना विगलित करुणा,
पुण्य पीयूप स्तन्यवाहिनी ! ॥ २ ॥

स्थायी

मग
अयि

मं नी नी ध | पं – म प | ध – – – | पं – सा सा
भु व न म | नो ऽ मो हि | नि ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ अ यि

ग – ग ग | ग – ग ग | ग – म म | ग रे सा –
नि ऽ र्म ल | सू ऽ र्य क | रो ऽऽ ज्ज्व ल | ध र णी ऽ

सा मां मां सां | रें सां नी नी | (सा) नी – ध प | – – म ग
ज न क ज | न नी ज न | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ अ यि

अंतरा

ध – नी ध | – नी ध नी | (नी) सां – सां सां | नि सां सां मां
नी ऽ ल मि | ऽ धु ज ल | धौ ऽ त च | र ण त ल

(रें) ध गं गं गं | गं रें सां सां | नि – सां रें | (नि) सां नि ध प
अ नि ल वि | कं ऽ पि त | शा ऽ म ल | अं ऽ च ल

प सां सां सां | रें सां सां नि | नि – नि नि | ध – प प
अं ऽ ब र | चुं ऽ बि त | भा ऽ ल हि | मा ऽ ल य

सा – सा सा | ग – म म | ध नी ध नी | सां रें रें सां
शु ऽ भ्र तु | षा ऽ र कि | री ऽ ऽ टि | नि ऽ अ यि

## संचारी

नी सा ध नी | सा ग ग ग | ग ग ग ग | म म म –
प्र थ म प्र | भा ऽ त उ | द य त व | ग ग ने ऽ

ग ग ग ग | – ग म म | रे म म ग | – रे सा –
प्र थ म सा | ऽ म र व | त व त पो | ऽ व ने ऽ

सा सा सा सा | ध – ध ध | ध ध नी नी | ध ध प –
प्र थ म प्र | चा ऽ रि त | त व व न | भ व ने ऽ

ग – म प | – नी ध प | ग – म ग | – रे सा –
ज्ञा ऽ न ध | ऽ र्म क त | का ऽ व्य का | ऽ हि नी ऽ

## आभोग

ध ध ध म | ध – नी नी | सां सां सां सां | नी सां सां –
चि र क ऽ | ल्या ऽ ण म | यी ऽ तु मि | ध ऽ न्य ऽ

ध गं गं गं | रें – सां सां | नि सां रें सा | नी ध प –
दे ऽ श वि | दे ऽ शे ऽ | वि त रि छो | अ ऽ न्न ऽ

पधनीसां सां नि | नी ध प म | ग म प प | म प ध –
जा ऽऽऽ न्ह वी | ज मु ना ऽ | वि ग लि त | क रु णा ऽ

सा – सा ग | – म म – | ध – नी ध | – नी सां रेंसां
पु ऽ ण्यपी | ऽ यू प ऽ | स्त ऽ न्य वा | ऽ हि नी अ यि

## भूपकल्याण दादरा (द्रुतलय)

### स्थायी

जय भारत भूमिको शत जय भारत भूमिको जय जय जय ॥

### अंतरा

देशके लिये मरेंगे हम किसीसे क्यों डरेंगे प्राण प्रेमसे भरे हम् ॥ १ ॥

हुवा है दास स्वप्न भंग नाच उठत सकल अंग। प्रेमका ध्वजा धरे हम् ॥ २ ॥

चुंन तेरे पदम चरण भूल जावे दुःख मरण त्याग कर तुझे मरे हम् ॥ ३ ॥

नत शिर कर तेरे आगे मनमे अमर जोति जागे मातृ चरनको स्मरे हम् ॥ ४ ॥

### * स्थायी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| नी<br>मां सां ध | – प प | नी ध प | – ग रे | ग ध प |
| ज य भा | ऽ र त | भू मि को | ऽ श त | ज य भा |
| – ग रे | ग रे सा | – नी ध | नी रें | मां – – |
| ऽ र त | भू मि को | ऽ ज य | ज य | ज ऽ य |

* बाकी अन्तरे उपरके माफिक गाना चाहिये.
स्वर एक है इसलिये स्वरलिपी जुदी नहीं लिखी

अंतरा

| प ग ग | प – ध | ध<br>सां – सां | सां – सां | सां – ध |
|---|---|---|---|---|
| दे ऽ श | के ऽ लि | चे ऽ म | रें ऽ गे | हं ऽ कि |

| मां – रें | सांरेंगं रें | सां – ध | ध ध ध | गं – रें |
|---|---|---|---|---|
| सी ऽ से | क्यों ऽऽ ड | रें ऽ गे | प्रा ऽ ण | प्रे ऽ म |

| सां – ध | रें सां – |
|---|---|
| से ऽ भ | रे हं ऽ |

## स्वदेश

राग बिलावल दादरा ( द्रुतलय )

जय स्वदेश जय स्वराज्य
जय प्रभो प्रजा समाज ॥ ध्रु० ॥

अंतरा

उज्वल परमात्म राज्य
सर्व हित भप्पु साम्राज्य ।
स्वेच्छातु स्वस्थ राज्य
जय स्वदेश जय स्वराज्य ॥ १ ॥
अंतरे एकच आवाज
एक देश एक साध्य
जन्म देश जीवित ताज़
जय स्वदेश जय स्वराज्य ॥ २ ॥

देशदास देशकाज
देशबंधु तानि लाज ।
प्रेरो प्रभु देश आज
जय स्वदेश जय स्वराज्य ॥ ३ ॥

### स्थायी

| ग | ग | ग | ग | म | रे | ग | प | प | ध | सां | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | य | स्व | दे | ऽ | श | ज | य | स्व | रा | ऽ | ज्य |
| ध | नी | ध | प | म | ग | रे | ग | सा | रे | ग | ग |
| ज | य | प्र | भो | ऽ | प्र | जा | ऽ | स | मा | ऽ | ज |

### * अंतरा

| प | – | प | नी | ध | नी | सां | – | सां | सां | – | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | ऽ | ज्व | ल | प | र | मा | ऽ | त्म | रा | ऽ | ज्य |
| नी | – | नी | नी | ध | नी | सां | – | नि | ध | प | प |
| स | ऽ | र्व | हि | त | भ | न्युं | ऽ | सा | म्रा | ऽ | ज्य |
| ग | – | ग | ग | म | रे | ग | प | प | ध | सां | सां |
| स्वे | ऽ | ऽ | च्छा | ऽ | नु | स्व | ऽ | स्थ | रा | ऽ | ज्य |
| ध | नी | ध | प | म | ग | रे | ग | सा | रे | ग | ग |
| ज | य | स्व | दे | ऽ | श | ज | य | स्व | रा | ऽ | ज्य |

* बाकी अंतरे ऊपरके माफिक गाना चाहिये.

## झंडा गीत

राग गारा   धुमाळी ( द्रुतलय )

२ विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
१ झंडा ऊंचा रहे हमारा ॥
१ वीरोंको हरषानेवाला
१ सेवापथ दरशानेवाला,
१ भ्रातृभाव सरसानेवाला
२ प्रेमप्रदर्शक चिन्ह हमारा ॥ १ ॥

१ इस झंडेके नीचे निर्भय,
१ होवे पूर्ण मनोरथ निश्चय,
१ बोलो भारत माताकी जय !
२ व्रत है पर उपकार हमारा ॥ २ ॥

१ आवो प्यारे वीरो आवो
१ देश धर्म पर बलिबलि जाओ,
१ एक साथ सब मिलकर गावो,
२ प्यारा भारत देश हमारा ॥ ३ ॥

१ शान न इसकी जाने पावे,
१ चाहे जान भलेही जावे,
१ सकल विश्वमें यह फहरावे
२ सब होवे प्रण पूर्ण हमारा ॥ ४ ॥

स्थायी

| १ म – प – | प – म ग | म ध – प | ध नी ध – |
|---|---|---|---|
| झं ऽ डा ऽ | ऊं ऽ चा ऽ | र हे ऽ ह | मा ऽ रा ऽ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| २ नीनीनी— | नी सां सां सां | नी सां रें सां | नी ध प — |
| विजयी ऽ | वि ऽ श्व ति | रं ऽ गा ऽ | प्या ऽ रा ऽ |

१ यह अंक स्थायीको दिखाता है, इसलिये स्थायीके स्वरके माफिक गाना—

२ यह अंक अंतराको दिखाता है, इसलिये अंतरेके स्वरके माफिक गाना चाहिये।

बाकी स्थायी और अंतरेके स्वर वैसेही होनेसे अलाहिदा स्वरलिपि नहीं की है।